18 नवंबर 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

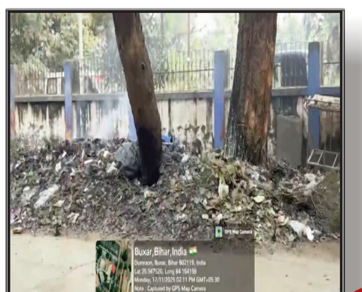

डुमरांव अस्पताल में मरीजों की सांस पर आग का धुआं बायोमेडिकल कचरे की मनमानी ने खोली व्यवस्थाओं की पोल 2

शेख हसीना को बांग्लादेश में मिली मौत की सजा

- बांग्लादेश के एक विशेष न्यायाधिकरण ने दिया है फैसला

नई दिल्ली। बांग्लादेश के एक स्पेशल ट्रिब्यूनल ने शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई है। ये फैसला बांग्लादेश में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा उठाए गए कदमों पर हुई सुनवाई के बाद आया है। अब भारत ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे दी है। भारत ने कहा है कि उसने इस फैसले पर गौर किया है और वह पड़ोसी देश में शांति, लोकतंत्र और स्थिरता को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों के साथ रचनात्मक रूप से बातचीत करेगा। बांग्लादेश के एक विशेष न्यायाधिकरण ने शेख हसीना को मृत्युदंड दिया है, यह निर्णय विरोध प्रदर्शनों के बाद लिया गया। भारत ने इस फैसले पर ध्यान दिया है और कहा है कि वह बांग्लादेश में शांति और लोकतंत्र को बढ़ावा देने के लिए सभी पक्षों के साथ बातचीत करेगा। विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के लोगों के हितों के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। शेख हसीना फिलहाल भारत में हैं, और मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। दरअसल शेख हसीना को बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने मानवता के विरुद्ध अपराधों का दोषी पाया है। आईसीटी ने इसके लिए शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई है। शेख हसीना ने पहले ही आईसीटी द्वारा ऐसा ही कोई फैसला सुनाए जाने की संभावना जाहिर कर दी थी। फैसले पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि एक करीबी पड़ोसी के रूप में भारत बांग्लादेश के लोगों के सर्वोत्तम हितों के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के संबंध में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा सुनाए गए फैसले पर गौर किया है।शेख हसीना ने पिछले साल 5 अगस्त को बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद देश छोड़ दिया था। तबसे ही वह भारत में रह रही हैं। हसीना के जाने के बाद मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की सत्ता संभाली थी और वह अंतरिम सरकार के प्रमुख हैं।

भारत में शरण और मृत्युदंड

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग नेता शेख हसीना को ढाका की अदालतने मानवता के खिलाफ अपराधों में मौत की सजा सुनाई है। 78 वर्षीय हसीना इस समय भारत में निर्वासन में हैं और उन्होंने फैसले को नकली मुकदमा बताया है। अदालक ने कहा कि जुलाई आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों की हत्या के आदेश देने और उनकी सुरक्षा न करने के लिए हसीना जिम्मेदार हैं। 1975 में जब आधी रात को एक खूनी सैन्य तख्तापलट हुआ तो शेख हसीना जर्मनी में थीं। उस समय उनके पिता और बांग्लादेश के संस्थापक राष्ट्रपति मुजीबुर रहमान, उनकी मां, तीनों भाई और दो भाभियों की ढाका स्थित घर में हत्या कर दी गई थी। कुल 36 लोग मारे गए थे। इस नरसंहार से बची हसीना परिवार के साथ भारत आईं और कई साल तक यहीं रहीं। इसके बाद 1981 में भारत में रहते हुए वे अवामी लीग की अध्यक्ष चुनी गईं। 1996 में वे पहली बार प्रधानमंत्री बनीं, फिर 2009 में दोबारा सत्ता में लौटकर लगातार 2024 तक देश की सबसे लंबे समय तक रहने वाली प्रधानमंत्री बन गईं। हसीना के कार्यकाल में ढाका-दिल्ली रिश्ते अपने सबसे अच्छे दौर में रहे। सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी कार्रवाई और इंफ्रास्ट्रक्चर सहयोग में बड़ी प्रगति हुई। इसी करीबी रिश्ते के कारण 2024 में सत्ता परिवर्तन के बाद भारत में उन्हें शरण दी, जबकि नई बांग्लादेश सरकार लगातार उन्हें सौंपने की मांग कर रही थी।

आतंकी उमर उन नबी का एक और साथी हुआ गिरफ्तार

- धमाके की साजिश में शामिल था आरोपी

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली ब्लास्ट मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, नई-नई कड़ियां खुलकर सामने आ रही है। एनआईए ने धमाके से जुड़े एक और आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार किया है। आतंकी उमर के इस साथी का नाम जसीर बिलाल वानी है। इसे श्रीनगर से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि वानी ने विस्फोट को अंजाम देने के लिए आत्मघाती हमलावर डॉ.उमर उन नबी के साथ सक्रिय रूप से काम किया था। इस हमले में 13 लोगों की मौत हो गई थी। आतंकवाद रोधी एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अनंतनाग के काजीगुंड निवासी वानी ने कथित तौर पर ड्रोन में संशोधन करके और घातक कार बम विस्फोट से पहले रॉकेट बनाने का प्रयास करके आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की थी। एनआईए की बयान के मुताबिक बिलाल वानी को इलाके में दानिश के नाम से भी जाना जाता है और उसे एनआईए की टीम ने श्रीनगर से गिरफ्तार किया. एनआईए के बयान के मुताबिक ह्यह्यजम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के काजीगुंड का निवासी आरोपी इस हमले का सक्रिय सह-षड्यंत्रकारी था और उसने आतंकवादी हमले की साजिश रचने के लिए आतंकवादी उमर उन नबी के साथ मिलकर काम किया था।

19 से 22 नवंबर के बीच शपथ ग्रहण का दिन रखा जा सकता है

नीतीश कुमार कर रहे नई सरकार की तैयारी, आरजेडी ने तेजस्वी को चुना नेता

एजेंसी। पटना

नई सरकार के गठन को लेकर हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि 20 से 22 नवंबर तक बिहार को उसकी नई सरकार मिल जाएगी। कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। वहीं, आरजेडी विधायकों की बैठक में तेजस्वी यादव को नेता चुना गया। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बाद अब समय नई सरकार के गठन का है। इसके लिए पहले एनडीए के घटक दल अपनी बैठक करेंगे। जदयू की बैठक में सर्वसम्मति से नीतीश कुमार को नेता चुन लिया जाएगा। इसके बाद बिहार बीजेपी, चिराग पासवान की लोजपा रामविलास, जीतनराम मांझी की हम और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा के विधायक अपना नेता चुन लेंगे। माना जा रहा है कि इन बैठकों के बाद एनडीए के विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें सीएम नीतीश कुमार को सर्वसम्मति से नेता चुना जा सकता है। इसके बाद शपथ ग्रहण की तारीख और मंत्रियों के नाम भी तय किए जाएंगे। 19 से 22 नवंबर के बीच शपथ ग्रहण का दिन रखा जा सकता है।

तेजस्वी को चुना अपना नेता

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नवनिर्वाचित विधायकों ने सोमवार को सर्वसम्मति से तेजस्वी यादव को विधायक दल का नेता चुन लिया। विधानसभा चुनाव में राजद 143 सीट पर मैदान में थी लेकिन 25 सीट पर ही जीत दर्ज कर पाई। राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह ने बताया कि नवनिर्वाचित विधायकों ने सर्वसम्मति से तेजस्वी यादव को विधायक दल का नेता चुना। बैठक में पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, मीसा भारती और जगदानंद सिंह सहित पार्टी के शीर्ष नेता मौजूद थे। हाल में संपन्न हुए चुनावों में महागठबंधन की ओर से तेजस्वी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार थे। उन्होंने शीर्ष नेताओं और विधायकों के साथ चुनाव में अप्रत्याशित हार के कारणों की विस्तृत समीक्षा की। यह बैठक एक पोलो रोड स्थित उनके सरकारी आवास पर हुई, जहां निर्वाचित विधायकों के साथ-साथ हारे प्रत्याशियों ने भी चुनावी परिस्थितियों की वास्तविक तस्वीर सामने रखी। बैठक में आए विधायकों और प्रत्याशियों ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पर कई आरोप लगाए। चुनाव के नतीजों के बाद लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने खुद से बदसलूकी का गंभीर आरोप लगाया, जिसके बाद से प्रदेश में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। इस

दिल्ली समेत कई शहरों में ड्रोन और रॉकेट अटैक की तैयारी फेल

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली में लाल किले के सामने 10 नवंबर को हुए फिदायीन हमले में सोमवार को नया खुलासा हुआ। मामले की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने सोमवार को एक और कथित आतंकी को गिरफ्तार किया है। जिससे आरंभिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आतंकी दिल्ली समेत देश के विभिन्न हिस्सों में केवल फिदायीन हमला ही नहीं बल्कि ड्रोन और रॉकेट अटैक की भी तैयारी कर रहे थे। इसके लिए कुछ ड्रोन को मॉडिफाई भी कर लिया गया था और रॉकेट भी तैयार किए गए थे। आतंकवादियों द्वारा तकनीक का इस्तेमाल कर इस तरह से टेरर अटैक करने का देश में यह पहला मामला सामने आया है। आशंका जताई जा रही है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवादियों ने अपने हमले में ड्रोन और रॉकेट अटैक को भी शामिल किया था। वरना, इससे पहले वह फिदायीन और जगह-जगह बम प्लांट कर सीरियल ब्लास्ट करने की ही साजिश रच रहे थे। एनआईए ने बताया कि आतंकवादी गतिविधि के आरोप में गिरफ्तार तकनीशियन का नाम जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश है।यह कश्मीर में अनंतनाग जिले के काजीगुंड इलाके का रहने वाला है। इसे एनआईए की एक टीम ने श्रीनगर से गिरफ्तार किया है। इसकी गिरफ्तारी उन आठ आरोपियों से पूछताछ के आधार पर की गई है। जिसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस ने डॉक्टरों के वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल का पदार्फाश करते हुए फरीदाबाद से करीब तीन हजार किलो विस्फोटक बरामद किया था।

लालू के आवास के बाहर सांसद संजय यादव के खिलाफ आरजेडी कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

एजेंसी। पटना

विधानसभा चुनावों में खराब प्रदर्शन से जूझ रहे राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) में सोमवार शाम को खुला असंतोष देखने को मिला। पार्टी के नाराज कार्यकताओं ने पटना में लालू यादव और राबड़ी देवी के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने राज्यसभा सांसद और तेजस्वी यादव के करीबी सलाहकार संजय यादव पर पार्टी की चुनावी हार का ठीकरा फोड़ा। पार्टी की करारी हार के बाद आरजेडी में बगावत जैसे हालात बन गए हैं। इस उथल-पुथल के बीच पार्टी कार्यकताओं में लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य के साथ कथित दुर्व्यवहार को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। तेजस्वी यादव के औपचारिक रूप से आरजेडी विधायक दल के नेता चुने जाने के तुरंत बाद दर्जनों पार्टी कार्यकर्ता राबड़ी देवी के आवास के बाहर जमा हो गए। उन्होंने संजय यादव को वापस हरियाणा भेजने की मांग करते हुए नारे लगाए। संजय यादव मूल रूप से हरियाणा के रहने वाले हैं और लंबे समय से तेजस्वी यादव के करीबी हैं। उन्हें अक्सर आरजेडी का चाणक्य कहा जाता है। लेकिन चुनावी हार के बाद वे पार्टी के गुस्से का मुख्य निशाना बन गए हैं। यह गुस्सा तब और बढ़ गया जब रोहिणी आचार्य ने सार्वजनिक रूप से संजय यादव और तेजस्वी के एक अन्य करीबी सहयोगी रामीज नेमत खान की आलोचना की। रोहिणी ने दोनों पर राजनीतिक रणनीति को गलत तरीके से संभालने और महत्वपूर्ण फैसलों को प्रभावित करने का आरोप लगाया, जिससे पार्टी की हार हुई।

आईआरसीटीसी ने आध्यात्मिक यात्रा की शुरूआत

रेलवे दे रहा एक ही ट्रिप में 7 ज्योतिर्लिंग दर्शन का मौका

एजेंसी। नई दिल्ली

आईआरसीटीसी ने आध्यात्मिक यात्रियों के लिए एक खास धार्मिक पैकेज 7 ज्योतिर्लिंग यात्रा की घोषणा की है। यह यात्रा भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन से 18 नवंबर 2025 से 29 नवंबर 2025 तक की होगी। 11 रात और 12 दिन की इस यात्रा में देश के प्रमुख ज्योतिर्लिंगों और तीर्थस्थलों के दर्शन कराए जाएंगे।18 नवंबर 2025 से 7 ज्योतिर्लिंग यात्रा शुरू करने की घोषणा की है। 12 दिनों की इस यात्रा में भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन से ओंकारेश्वर, महाकालेश्वर, सोमनाथ समेत 7 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कराए जाएंगे। पैकेज में यात्रा, भोजन, आवास और बीमा शामिल हैं। आईआरसीटीसी ने यात्रियों से सुरक्षित यात्रा के लिए निर्देशों का पालन करने की अपील की है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, द्वारकाधीश मंदिर, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग,, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग और घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करवाए जाएंगे। इन सभी स्थलों को हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। भारतीय रेल की भारत गौरव पर्यटक ट्रेन इस यात्रा के लिए योग नगरी ऋषिकेश, हरिद्वार, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई, लखनऊ, कानपुर, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई और ललितपुर से यात्रियों को बोर्डिंग सुविधा देगी। यात्रा के प्रमुख ठहरावों में उज्जैन, द्वारका, सोमनाथ (वेरावल), नासिक रोड, खड़की और औरंगाबाद शामिल हैं।

यात्रा में शामिल सुविधाएं

भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन में श्रेणी अनुसार यात्रा होटल-धर्मशाला में ठहराव व वॉश-एंड-चेंज सुविधा होगी। हर समय शाकाहारी भोजन उपलब्ध रहेगा। एसी-नॉन-एसी बसों से दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। ट्रैवल इंश्योरेंस की सुविधा मिलेगी। प्रोफेशनल टूर मैनेजर की पूरी यात्रा में उपस्थिति रहेगी।

सिय-पिय मिलन महोत्सव, आश्रम परिसर बना रंगभूमि, नौ दिनों तक राम-कृष्ण लीलाओं से गूंजेगा बक्सर

■ **विजय जुलूस में शामिल हुए हजारों समर्थक, बोले जनता से किए वादे को करूंगा पूरा**

केटी न्यूज/बक्सर

नई बाजार स्थित श्री सीताराम विवाह महोत्सव आश्रम सह श्री राम-जानकी मंदिर परिसर इन दिनों भक्ति, संस्कृति और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर है। सिय-पिय मिलन महोत्सव के लिए पूरे आश्रम को आकर्षक रंगभूमि का रूप दे दिया गया है। नौ दिवसीय यह महामहोत्सव मंगलवार से शुरू होगा और 26 नवंबर को राम कलेवा के साथ पूणार्हुति होगी। सुबह से देर रात तक कला, संस्कृति और आध्यात्मिकता से भरपूर कार्यक्रमों की श्रृंखला चलेगी।

पहले दिन गौरीशंकर विवाह लीला से होगा आगाज

उद्घाटन दिवस पर श्री गौरी-शंकर विवाह लीला का भव्य मंचन किया जाएगा, जिसके साथ रामलीला कार्यक्रम की शुरूआत होगी। 19 नवंबर को अवतार प्रायोजन, 20 नवंबर को राम जन्म और बाल लीला का मंचन दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभूति कराएगा। महर्षि खाकी बाबा सरकार की सियद्दपिय मिलन तिथि को लेकर 23 नवंबर का दिन विशेष रहेगा। दिन में

पुष्प वाटिका प्रसंग तो रात में धनुष यज्ञ लीला का सजीव प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। 25 नवंबर को परम प्रतीक्षित प्रसंग, जनकदुलारी माता सीता और प्रभु श्रीराम का पावन विवाह, विधिवत संपन्न कराया जाएगा।

इस बार आश्रम परिसर में ही होगा पूरा आयोजन

आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं आश्रम के महंत श्री राजाराम शरण जी महाराज ने बताया कि वर्षों बाद पहली बार महोत्सव पूरी तरह आश्रम परिसर में आयोजित हो रहा है। पहले कार्यक्रम खुले मैदान में आयोजित होता था। इस बार परिसर में ही पांच फुट ऊंचा और पचास फुट लंबा विशाल भव्य मंच बनाया गया है, जिस पर दिन में श्रीकृष्ण लीला व प्रवचन और रात में श्रीराम लीला का मंचन होगा। आगंतुकों के भोजन की व्यवस्था पास स्थित आंख अस्पताल परिसर में तथा आवास की व्यवस्था आश्रम में ही की गई है। तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगभग 100 स्वयंसेवकों ने दिन-रात मेहनत कर सोमवार तक सभी कार्य पूरे कर लिए।

अगलगी में झोपड़ी राख, हजारों की संपति जली

केटी न्यूज/डुमरांव

पुराना भोजपुर गांव में रविवार देर रात घटी आगजनी की घटना ने न सिर्फ एक गरीब मजदूर का सब कुछ छीन लिया, बल्कि ग्रामीण व्यवस्था और प्रशासनिक तत्परता पर कई सवाल भी खड़े कर दिए। रात लगभग 9 बजे भीमल राम, पिता स्व. भूखन राम की झोपड़ी में अचानक उठी आग की लपटों ने पूरे गांव में अफरातफरी मचा दी। तब अधिकांश लोग अपने घरों में आराम कर रहे थे, लेकिन झोपड़ी से उठता धुआं और तेज लपटें देखते ही दर्जनों ग्रामीण मौके पर दौड़ पड़े। अग्निशमन विभाग को सूचना जरूर दी गई, लेकिन हालात इतने गंभीर थे कि ग्रामीणों ने पल भर भी इंतजार करना उचित नहीं समझा। मोटर पंप, बाल्टी, ड्रम, जिसके हाथ में जो लगा, उसी से लोगों ने आग बुझाने की जद्दोजहद शुरू कर दी। गांव की यह सामूहिक मुहिम ही थी, जिसने आग को फैलने से रोक दिया, अन्यथा आसपास की झोपड़ियां और कई घर भी इसकी चपेट में आ सकते थे। लेकिन तब तक भीमल राम का सब कुछ जल चुका था। उनकी छोटी-सी झोपड़ी में रखा चौकी-खाट, बच्चों की किताबें-कॉपियां, पहनने के कपड़े, करीब एक क्विंटल धान, 11 हजार रुपए नकद तक, सब राख में बदल गया। रातोंरात भीमल राम का परिवार बेघर-सा हो गया है। आर्थिक नुकसान इतना अधिक है कि परिवार पूरी तरह टूट चुका है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार के लिए तत्काल राहत, मुआवजा और रहने की व्यवस्था की मांग की है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन बिजली के तार या अचानक उठी चिंगारी को लेकर आशंका जताई जा रही है।

डुमरांव अस्पताल में मरीजों की सांस पर आग का धुआं बायोमेडिकल कचरे की मनमानी ने खोली व्यवस्थाओं की पोल

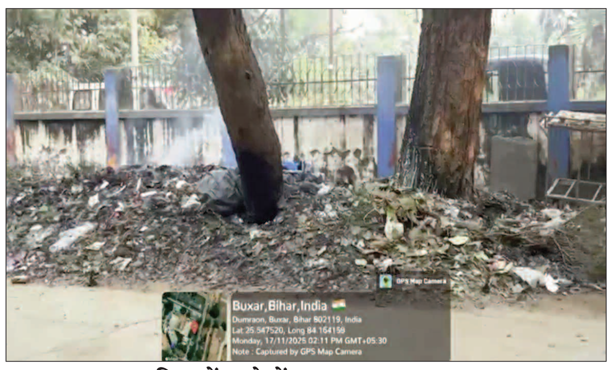

■ **अस्पताल परिसर में खुले में जलता मेडिकल वेस्ट, धुआं, दुर्गंध और संक्रमण के खतरे से मरीज बेहाल, प्रशासन खामोश**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल, जहां मरीजों को बेहतर इलाज और सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए, वहीं अस्पताल परिसर में उठता काला धुआं स्वास्थ्य सेवाओं की सच्चाई बयां कर रहा है। अस्पताल प्रबंधन की भारी लापरवाही का ताजा मामला तब सामने आया जब बायोमेडिकल वेस्ट को खुले में डालकर आग में झोंकने की घटना प्रकाश में आई। मास्क, सीरिंज, ग्लव्स, खून से सनी पट्टियां और दवाओं से जुड़ा अपशिष्ट प्रतिदिन अस्पताल के पिछवाड़े में जमा होता है और शाम तक उसे आग लगा दी जाती है। यह नजारा किसी जर्जर फैक्ट्री का नहीं, बल्कि एक सरकारी अस्पताल का है, जहां मरीजों की सुरक्षा सर्वोपरि मानी जाती है। लेकिन जमीन पर दिखाई देने वाले हालात कुछ और कहते हैं।

कानून का खुला उल्लंघन फिर भी कोई जवाबदेही नहीं

भारत सरकार के बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट नियम बेहद स्पष्ट हैं कि किसी भी परिस्थिति में मेडिकल वेस्ट को खुले में जलाना प्रतिबंधित है। अस्पतालों को कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में रखकर लाइसेंस प्राप्त एजेंसी के माध्यम से वैज्ञानिक ढंग से निपटान करना अनिवार्य है, लेकिन डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में इन नियमों की धज्जियां खुलेआम उड़ाई जा रही हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि मेडिकल वेस्ट को जलाने से हवा में जहरीले रसायन, रोगाणु और वायरस फैलते हैं। इससे संक्रमण की आशंका कई गुना बढ़ जाती है और यह स्थिति पूरे इलाके के लिए स्वास्थ्य संकट बन सकती है।

लोगों की उम्मीदकृकब जागेगा प्रशासन

फिलहाल मरीज और स्थानीय लोग उम्मीद लगाए बैठे हैं कि प्रशासन इस गंभीर लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई करेगा। वैज्ञानिक पद्धति से कचरे के निपटान की व्यवस्था की जाएगी और अस्पताल परिसर को सुरक्षित बनाया जाएगा।

धुएं का गुबार बना साइलेंट किलर मरीजों को सांस लेने में तकलीफ

अस्पताल परिसर में उठने वाला काला धुआं न केवल वातावरण को प्रदूषित कर रहा है, बल्कि मरीजों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। खासकर दमा, टीबी, निमोनिया, एलर्जी और फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित मरीजों के लिए यह धुआं सीधे जानलेवा स्थिति पैदा कर रहा है। मरीजों और उनके परिजनों ने बताया कि धुएं के कारण पूरे परिसर में तेज दुर्गंध फैल जाती है। वार्डों में बैठना और सांस लेना मुश्किल हो जाता है। आंखों में जलन और घुटन जैसी स्थिति खुद अस्पताल के भीतर पैदा हो रही है। मरीजों का आरोप है कि इस समस्या की शिकायत कई बार अस्पताल प्रशासन से की गई, लेकिन जैसे सब कुछ ठीक ही हो, अस्पताल प्रबंधन ने कोई कार्रवाई नहीं की।

स्थानीय लोग भड़के

स्थानीय सामाजिक कार्यकताओं और नागरिकों ने इस घटना को सार्वजनिक स्वास्थ्य से खिलवाड़ बताया है। उनका कहना है कि जब अस्पताल ही बीमारी फैलाने का केंद्र बन जाए, तो लोगों को इलाज कहां मिलेगा। भाजपा प्रवक्ता शक्ति राय ने जिला प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप करने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

प्रशासन की चुप्पी और मरीजों की बेचैनी

मामले पर अस्पताल प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने जांच की बात जरूर कही है, लेकिन अभी तक जमीन पर कोई बदलाव नजर नहीं आता। वहीं, मरीजों और उनके परिजनों में भय और आक्रोश दोनों है। उनका कहना है कि यदि यह स्थिति जारी रही, तो अस्पताल आने वाला हर व्यक्ति धुएं और संक्रमण के खतरे से दो-चार होगा।

लापरवाही जो उजागर करती है स्वास्थ्य सेवाओं की सच्चाई

डुमरांव जैसे महत्वपूर्ण अनुमंडल अस्पताल में यह घटना न सिर्फ प्रबंधन की विफलता बताती है बल्कि सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा करती है। साफ-सफाई और सुरक्षा मानकों का पालन न होना इस बात का संकेत है कि अस्पताल में रोगियों की सुरक्षा को लेकर कोई ठोस प्रणाली नहीं है।

तस्करी पर बड़ी कार्रवाई, 889 लीटर शराब बरामद, तीन नामजद पर प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए टुड़ीगंज-चौगाईं मार्ग स्थित नोनियापुरा गांव के पास से एक ट्रक में लदी भारी मात्रा में देशी-विदेशी शराब बरामद की। पुलिस द्वारा की गई इस छापेमारी में कुल 889 लीटर अवैध शराब जब्त की गई। मौके से एक ट्रक, एक बाइक और एक मोबाइल फोन भी पुलिस ने सीज किया है।

छापेमारी के दौरान पुलिस को देखते ही शराब तस्कर ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने वाहन और उसमें रखे माल को अपनी अभिरक्षा में ले लिया। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और ट्रक नंबर के आधार पर शराब तस्करी में शामिल संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर ली है।

थानाध्यक्ष संदीप कुमार राम ने बताया कि इस मामले में रेहियां गांव निवासी योगेंद्र ठाकुर और उनके दो पुत्रों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि ट्रक का इस्तेमाल शराब की बड़ी खेप की ढुलाई के लिए किया जा रहा था।

पुलिस टीम फरार तस्करों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब तस्करी के नेटवर्क, सप्लाई रूट और इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और ऐसी कार्रवाइयां आगे भी जारी रहेंगी। पुलिस की इस सफल कार्रवाई से स्थानीय क्षेत्र में हड़कंप है तथा ग्रामीणों ने पुलिस द्वारा की गई बरामदगी को सराहनीय कदम बताया है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

सोवा गांव में सीरियल चोरी की गुत्थी सुलझाने मैदान में उतरी पुलिस

■ **ड्ग्रडॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम ने संभाली कमान**

केटी न्यूज/डुमरांव

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के सोवा गांव में रविवार की अल सुबह तीन घरों में हुई ताबड़तोड़ चोरी की घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। एक ही रात में तीन घरों को निशाना बनाकर लाखों के जेवर और नगदी साफ कर देने वाले शातिर अपराधियों की तलाश अब पुलिस ने तेज कर दी है। घटना के बाद सोमवार को डिहरी से पहुंची डॉग स्क्वायड टीम और फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने मौके पर पहुंचकर जांच की बारीकियों को खंगाला।

स्वान दस्ता ने तीनों घरों के भीतर और बाहर सूक्ष्म जांच कर यह पता लगाने की कोशिश की कि अपराधी वारदात के बाद किस रास्ते से फरार हुए। कुत्ता दस्ता एक खास दिशा तक पहुंचा, जिससे पुलिस को अपराधियों की मूवमेंट को लेकर महत्वपूर्ण इनपुट मिले हैं। वहीं फॉरेंसिक टीम ने घरों से उंगलियों के निशान, पैरों के निशान और अन्य तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए हैं, जिनकी मदद से पुलिस आरोपियों की पहचान तक पहुंचने का दावा कर रही है। जांच के दौरान पुलिस को घटना स्थल से एक जोड़ी चप्पल भी मिली है, जो अब इस केस का अहम सुराग माना जा रहा है। चप्पल किसकी है, यह जानने के लिए पुलिस वैज्ञानिक तरीकों से जांच कर रही है। पुलिस का मानना है कि चोरी को बेहद योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया है। अपराधियों ने तीनों घरों में छत के रास्ते प्रवेश किया और अंदर से मुख्य दरवाजे

खोलकर आसानी से निकल गए।

पीड़ितों कुमार शिशुपाल, पुष्पा देवी और अनिता देवी ने अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस की कार्रवाई और तेज हो गई है। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष संदीप कुमार राम ने कहा कि यह मामला पुलिस के लिए चुनौती है और अपराधियों को हर हाल में गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जुटाए गए वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर बहुत जल्द आरोपियों तक पहुंच बनाई जाएगी। सोवा गांव में लगातार दूसरी रात से लोग दहशत में हैं और ग्रामीणों ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की है। पुलिस की सक्रियता से उम्मीद जगी है कि इस सीरियल चोरी का पदार्फाश जल्द होगा।

जनता के विश्वास व विकास से मिला है एनडीए को प्रचंड बहुमत : विंध्याचल राय

■ **बोले भाजपा लिगल सेल के प्रदेश संयोजक अब बिहार बदलेगा और बेहतर बनेगा**

केटी न्यूज/डुमरांव

एनडीए गठबंधन को मिली ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे प्रदेश में उत्साह का माहौल है। बक्सर जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर आई प्रचंड जीत ने यहां की राजनीतिक दिशा को स्पष्ट रूप से बदल दिया है। इस जीत को लेकर भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सह पटना हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विंध्याचल राय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह परिणाम जनता के अटूट भरोसे, विश्वास और विकास की निरंतरता की स्वीकृति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व पर भरोसा जताया है।

विंध्याचल राय के अनुसार मोदी के विकासवादी दृष्टिकोण और नीतीश कुमार के सुशासन मॉडल ने बिहार की संरचना व दिशा दोनों को मजबूती प्रदान की है। बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और महिलाओं के सम्मान व सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में हुए उल्लेखनीय बदलावों ने जनता को विकास की असल तस्वीर दिखायी है, जिसका असर स्पष्ट रूप से इस चुनाव परिणाम में देखा जा सकता है।

राय ने कहा कि इस चुनाव ने साबित कर दिया है कि बिहार की जनता अब जात-पात, नकारात्मकता और भ्रम फैलाने वाली राजनीति को अस्वीकार कर चुकी है। उन्होंने बक्सर जिले की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तीनों विधानसभा क्षेत्रों बक्सर, डुमरांव और राजपुर में एनडीए प्रत्याशियों को मिली ऐतिहासिक जीत पर कहा कि यह दशार्ती है कि लोग स्थिर सरकार और निरंतर विकास चाहते हैं। उन्होंने विजयी प्रत्याशियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि आने वाले पांच वर्षों में विकास की रफ्तार और अधिक तेज होगी तथा जिले को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार जनता के विश्वास पर पूरी तरह खरा उतरेगी और हर वर्ग तथा हर क्षेत्र के लिए समर्पित होकर काम करेगी। साथ ही विंध्याचल राय ने कार्यकताओं से अपील की कि वे जनता से सीधे जुड़े, उनकी समस्याओं को समझें और उनके समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही पूरे राज्य और बक्सर जिले में विकास की एक नई लहर दौड़ेगी, जिससे आम लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

एनडीए की इस ऐतिहासिक जीत ने जिले में नई राजनीतिक ऊर्जा और विकास की ताजा उम्मीदों को जन्म दे दिया है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
■ विशाल और सुसज्जित हॉल
■ आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
■ ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
■ बड़ा पार्किंग एरिया
■ 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
■ साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
■ बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
■ हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

नवानगर में खुली आईटी विजन लाइब्रेरी, ग्रामीण बच्चों के लिए बनी उम्मीद की किरण

- **दुर्गम इलाके में शिक्षा का नया केंद्र, एक साथ 40 बच्चों के अध्ययन की सुविधा**

केटी न्यूज/नवानगर

शिक्षा के क्षेत्र में नवानगर प्रखंड ने सोमवार को एक नई उपलब्धि हासिल की। सिकरौल बाजार स्थित मध्य बिहार ग्रामीण बैंक के समीप आईटी विजन लाइब्रेरी की शुरूआत होकर न केवल स्थानीय छात्रों को एक नया अध्ययन केंद्र मिला, बल्कि इस पहल ने ग्रामीण इलाके में शिक्षा के प्रति जागरूकता की नई लहर भी पैदा कर दी है। समाजसेवी ददन सिंह ने फीता काटकर लाइब्रेरी का उद्घाटन किया और इसे ग्रामीण बच्चों के भविष्य को संवारने वाला कदम बताया। उद्घाटन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। बच्चों, अभिभावकों और युवाओं में इस लाइब्रेरी को लेकर उत्साह साफ देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए ददन सिंह ने कहा कि पुस्तकें हमारे जीवन की सबसे सच्ची साथी होती हैं। उन्होंने कहा कि आज मोबाइल और इंटरनेट के दौर में बच्चे पढ़ाई से दूर होते जा रहे हैं, ऐसे में लाइब्रेरी जैसी पहल उन्हें दोबारा किताबों की दुनिया से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने आगे कहा कि सिकरौल और आसपास के इलाके दुर्गम होने के कारण यहां पढ़ाई के लिए संसाधन सीमित हैं। ऐसे में लाइब्रेरी का खुलना यहां के गरीब परिवारों के छात्रों को नई दिशा देगा। ददन सिंह ने कहा कि जब भी कोई छात्र खुद को अकेला या असमंजस में महसूस करे, उसे पुस्तक का सहारा लेना चाहिए। ज्ञान की रोशनी हमेशा सही रास्ता दिखाती है। लाइब्रेरी के संचालक लाल बहादुर सिंह को लोगों ने इस सराहनीय पहल के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि लाइब्रेरी में एक साथ 40 बच्चे बैठकर पढ़ाई कर सकते हैं। बच्चों के लिए रोजाना अखबार उपलब्ध रहेगा ताकि वे देश-दुनिया की खबरों से अपडेट रह सकें। इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए विशेष पुस्तकें और संदर्भ सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। लाल बहादुर ने कहा कि उनका उद्देश्य है कि ग्रामीण परिवेश के बच्चे भी शहरों की तरह बेहतर शिक्षा संसाधनों का लाभ उठा सकें। लाइब्रेरी के उद्घाटन से स्थानीय लोग काफी खुश नजर आए। कई अभिभावकों ने कहा कि गांव में ऐसा केंद्र होना बच्चों की पढ़ाई में बड़ी मदद साबित होगा। युवाओं ने भी इसे अपने भविष्य की तैयारी के लिए मील का पत्थर बताया। शिक्षक मदन सिंह, विकास कुमार गुप्ता, मुन्ना सिंह, मुकेश यादव और अनिल यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और बुद्धिजीवी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को सराहते हुए कहा कि यदि शिक्षा क्षेत्र में ऐसे कदम लगातार उठते रहें तो गांव के बच्चों का भविष्य निश्चित रूप से उज्ज्वल होगा। आईटी विजन लाइब्रेरी के शुरू होने से सिकरौल सहित आसपास के दर्जनों गांवों के विद्यार्थियों को अब गुणवत्तापूर्ण अध्ययन का नया माहौल मिल सकेगा। यह पहल न केवल शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाएगी बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में सामाजिक परिवर्तन की एक मजबूत नींव भी रखेगी।

राजपुर-कौआ खोंच मुख्य नहर पथ बदहाल बोले ग्रामीण शीघ्र मरम्मत कराए सरकार

- **हर 500 मीटर पर गड्ढे, महीनों से बड़े वाहनों का परिचालन बंद**

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर से कौआ खोंच को जोड़ने वाला मुख्य नहर पथ पूरी तरह जर्जर हो चुका है। सड़क की हालत इतनी खतरनाक हो गई है कि इस पर चलना आए दिन जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है। हर 500 मीटर पर गहरे गड्ढों ने सड़क का स्वरूप मिटा दिया है। स्थिति यह है कि पिछले कई महीनों से बड़े वाहनों का परिचालन पूरी तरह ठप पड़ गया है। स्थानीय ग्रामीणों से लेकर छात्रों तक, सभी वर्ग सड़क की दुर्दशा से त्रस्त हैं, लेकिन मरम्मत के नाम पर अब तक किसी प्रकार की पहल शुरू नहीं हुई है।

रोजमर्रा की जिंदगी पर असर, सफर में बढ़ रही दुश्वारियां

यह मार्ग बक्सर-चौसा होकर रोहतास जिले के कई गांवों को जोड़ता है और प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीण इसी पथ से आवाजाही करते हैं। धनसोई, बन्नी, छतौना, दुल्फा, सिकठी और सुजायतपुर समेत सात से अधिक पंचायतों के लोगों के लिए यह सड़क प्रखंड मुख्यालय राजपुर पहुंचने का प्रमुख साधन है। करीब 22 किलोमीटर लंबे इस रास्ते पर गड्ढों की भरमार के कारण जहां पहले 40-45 मिनट में दूरी तय होती थी, वहीं अब दो से ढाई घंटे लगना आम बात हो गई है। मरीजों, गर्भवती महिलाओं तथा आपातकालीन स्थिति में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

छतौना, दुल्फा और लालाचक के पास सबसे ज्यादा खतरा

ग्रामीणों के अनुसार छतौना, दुल्फा और लालाचक के समीप सड़क की हालत सबसे खतरनाक है। यहां दो से ढाई फीट तक गहरे गड्ढे बन चुके हैं, जिनमें बारिश के दौरान पानी भर जाने से सड़क तालाब में तब्दील हो जाती है। बरसात के दिनों में हालात और बिगड़ जाते हैं। लोग मजबूरन करीब 50 किलोमीटर लंबा वैकल्पिक रास्ता चुनते हैं, जिससे समय के साथ-साथ आर्थिक बोझ भी बढ़ जाता है। स्कूल जाने वाले बच्चों की परेशानी भी कम नहीं है। गड्ढों में भरे कीचड़युक्त पानी से उनके कपड़े रोज गंदे हो जाते हैं, जिस कारण अक्सर उन्हें स्कूल में फटकार भी सुननी पड़ती है।

20 साल से मरम्मत का इंतजार, ग्रामीणों में गहरी नाराजगी

स्थानीय निवासी चंदन सिंह, विजेंद्र सिंह, रवि रंजन सिंह, गौतम सिंह, आजाद सिंह, परमेश्वर सिंह और दीवान सिंह ने बताया कि इस सड़क का निर्माण वर्ष 2005 में हुआ था। तब से लेकर आज तक इस पर किसी तरह की मरम्मत नहीं की गई। ग्रामीणों ने कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इस बार सड़क को दुरुस्त करने की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले चुनाव में जनता इसका सख्त जवाब देगी। उनका कहना है कि नेताओं ने चुनाव के समय विकास और सड़क सुधार के बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन चुनाव जीतने के बाद सब भूल गए।

सड़क मरम्मत की मांग तेज, जल्द कार्रवाई की उम्मीद

मुख्य नहर पथ की जटिल स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों की नाराजगी लगातार बढ़ रही है। लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यह सड़क न सिर्फ बक्सर और रोहतास की कड़ी है, बल्कि सैकड़ों परिवारों की दैनिक जरूरतों का आधार भी है। लोगों को उम्मीद है कि क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और प्रशासन इस गंभीर समस्या पर ध्यान देंगे और जल्द समाधान सुनिश्चित करेंगे, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके और वर्षों से उपेक्षित यह सड़क फिर से सुगम यात्रा का साधन बन सके।

एक नजर

युवाओं के लिए सुनहरा अवसर, मंगलवार को आईटीआई में आयोजित होगा रोजगार मेला

बक्सर। प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग और जिला नियोजनालय बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 18 नवंबर को एक दिवसीय रोजगार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर संयुक्त श्रम भवन, बक्सर जो औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के परिसर में स्थित है में आयोजित होगा। इस रोजगार शिविर में दो प्रमुख कंपनियां भाग ले रही हैं, जो स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलेंगी। रोजगार शिविरि में भाग लेने वाली कंपनियों में साटा विकास इंडियन प्राइवेट लिमिटेड, जिसमें उम्र सीमा 18 से 30 वर्ष, शैक्षणिक योग्यता इंटर अथवा आईटीआई। इसमें कुल 20 रिक्तियां है तथा चयनित उम्मीदवारों को मानदेय 12,758 से 13,320 प्रतिमाह रूपए मिलेगा, इसका कार्यक्षेत्र हरियाणा में है। दूसरी कंपनी वेस्टर्न रेफ्रिजरेशन प्राइवेट लिमिटेड है। जिसमें चयन के लिए अभ्यर्थी की उम्र सीमा 18 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है तथा शैक्षणिक योग्यता इंटर अथवा आईटीआई पास है। इस कंपनी ने कुल 30 पदों पर रिक्तियां निकाली है, जिसका मासिक मानदेय या स्टाइपेंड 19 हजार 600 सौ रूपया तथा कार्यक्षेत्र गुजरात होगा। आवेदकों को प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी ने इच्छुक उम्मीदवारों से अपील की है कि वे 18 नवंबर को प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे के बीच जिला नियोजनालय, बक्सर में उपस्थित हों। आवेदकों को अपने सभी मूल एवं छायांकित दस्तावेज साथ लाने आवश्यक हैं, जिनमें आधार कार्ड, पैन कार्ड, बायोडाटा तथा शैक्षणिक प्रमाण पत्र (इंटर, आईटीआई एवं स्नातक के प्रमाण पत्र) शामिल हैं। रोजगार शिविर में ही इच्छुक अभ्यर्थियों का एनसीएस (राष्ट्रीय करियर सेवा) पोर्टल पर निःशुल्क पंजीकरण भी किया जाएगा। अधिकारी ने युवाओं से इस अवसर का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की है।

एक कारोबारी व तीन शराबी समेत चार गिरफ्तार

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के सुघर डेरा गांव में एक शराब कारोबारी के अड्डे पर छापेमारी किया। इस दौरान कारोबारी को 1.5 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसके अड्डे से ही शराब के नशे में तीन शराबी भी पकड़े गए।

गिरफ्तार कारोबारी की पहचान स्थानीय गांव निवासी फूलेन्द्र यादव के रूप में हुई है, जबकि तीनों शराबी भी उसी गांव के रहने वाले है। थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सभी के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए आरटीआई कार्यकर्ता ने अपर मुख्य गृह सचिव को लिखा पत्र

डुमरांव । डुमरांव के आरटीआई कार्यकर्ता रामजी सिंह यादव ने कृष्णाब्रह्म थाना कांड संख्या 161/25 दिनांक 9/11/2025 के अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखा है।

पत्र में उन्होंने जिक्र किया है कि इस कांड के पीड़ित अनुसूचित जाति समाज के है तथा दबंगो ने साजिश के तहत दो दिन पूर्व अपना मोबाईल दूसरे जगह रखवा, उनकी निर्मम पिटाइ की। जिसमें एक पीड़िता श्याम नारायण पासवान की स्थिति नाजूक बनी हुई है। जबकि मुख्य अभियुक्त पुलिस के वरीय पदाधिकारी से मिल इस केस को रफा-दफा करना चाहता है। रामजी ने जनहित, कानूनहित तथा दलित हित में अभियुक्त को गिरफ्तार कर सजा दिलवाने की मांग गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव से की है।

सिमरी बाजार में भीषण जाम से दो घंटे थमा जनजीवन

- **स्कूली बच्चों संग यात्रियों को पैदल चलकर करनी पड़ी मशक्कत**

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमरी बाजार में सोमवार की दोपहर भीषण जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। दोपहर 2 बजे से शाम करीब चार बजे तक चली इस अव्यवस्था ने वाहन चालकों से लेकर आम यात्रियों और खासकर स्कूली बच्चों को काफी परेशान किया। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि कई यात्री बसों और अन्य वाहनों से उतरकर अपने छोटे-छोटे बच्चों को कंधे पर उठाए पैदल ही जाम पार करने को मजबूर हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्व में जिला प्रशासन के निर्देश पर बाजार क्षेत्र में सड़क किनारे से अतिक्रमण हटाया गया था, ताकि यातायात सुचारू रह सके। बावजूद इसके, सिमरी बाजार में जाम की समस्या जस की तस बनी हुई है। दुकानों के सामने अनियमित पार्किंग, सड़क पर पड़ने वाली भीड़ व गाड़ियों की धीमी रफ्तार ने दोपहर के व्यस्त समय में स्थिति को और बदतर बना दिया। लगभग 3 बजे सिमरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जाम से निजात दिलाने के लिए वाहनों को आगे-पीछे कर रास्ता खाली कराने में जुट गई। पुलिस के सायरन और हूटर बजाने के बाद भी जाम में फंसे वाहन लंबे समय तक हिल नहीं पाए। स्थानीय नागरिकों ने बाजार में नियमित ट्रैफिक प्रबंधन, अवैध पार्किंग पर रोक और वैकल्पिक मार्ग के निर्माण की मांग की है, ताकि रोज-रोज होने वाली इस समस्या से राहत मिल सके।

नो एंट्री में घुसने वाले ट्रकों पर पुलिस का हंटर, एक घंटे में 32 चालान

- **डुमरांव में पुलिसकी सख्ती से मचा हड़कंप, जाम से निजात दिलाने के लिए सड़क परे उतरी पुलिस**
- **थानाध्यक्ष के नेतृत्व में चला स्पेशल ड्राइव, 1.60 लाख का जुमार्ना वसूला**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव शहर में रविवार की शाम पुलिस ने वह कदम उठा दिया जिसकी मांग स्थानीय लोग पिछले कई महीनों से कर रहे थे। शहर की भीड़भाड़ और लगातार बढ़ती ट्रैफिक समस्या के बीच नो एंट्री नियमों को नजरअंदाज कर ट्रकों का मनमाना प्रवेश बड़ी परेशानी का कारण बना हुआ था। इसी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने विशेष अभियान चलाया, जिसकी तीखी गूंज पूरे परिवहन जगत में सुनाई दी। पुलिस की कार्रवाई अचानक शुरू हुई। एनएच-120 पर पुलिस की कई टीमें तैनात की गई थीं। शाम के समय जैसे ही भारी वाहन शहर की ओर बढ़े, पुलिस ने उन्हें एक-एक कर रोकना शुरू कर दिया। मात्र कुछ ही देर में पुलिस ने 32 ट्रकों को नो एंट्री उल्लंघन में पकड़ा और मौके पर ही चालान काटते हुए कुल एक लाख 60 हजार रुपये का जुमार्ना वसूल लिया। अभियान इतना सख्त था कि कई चालक दूर से पुलिस की गाड़ी देखते ही स्टेयरिंग घुमाकर रास्ता बदलने की कोशिश करते दिखे, लेकिन पुलिस की सतर्कता के आगे कोई बच नहीं पाया। पुलिस ने ऐसे चालकों को भी पकड़ा जो प्रतिबंधित समय में चोरी-छिपे शहर में घुसने की कोशिश कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई को राहत की सांस के रूप में देखा। उनका कहना है कि शाम के समय भारी वाहनों की आवाजाही से जाम की स्थिति पैदा हो जाती थी। दुकानदारों से लेकर राहगीरों तक, सभी को इससे काफी परेशानी झेलनी पड़ती थी। कई बार तो हादसों की संभावना भी बनी रहती थी। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने साफ कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था सुधारना पुलिस की पहली प्राथमिकता है, और इस प्रकार के उल्लंघन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह अभियान सिर्फ शुरूआत है। आने वाले दिनों में कार्रवाई और भी सख्त होगी। जो भी चालक निर्धारित समय के विपरीत शहर में प्रवेश करेगा, उसके खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे।

मनोज सिंह के संस्कारों की पाठशाला में पढ़ा व्यक्ति कभी गलत नहीं हो सकता : रवि उज्ज्वल

- **डुमरांव विधायक राहुल सिंह को मंत्रिमंडल में स्थान देने की मांग तेज**

केटी न्यूज/डुमरांव

जदयू नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बिहार सरकार के नए कैबिनेट गठन से पहले डुमरांव के विधायक राहुल कुमार सिंह को मंत्री पद देने की पुरजोर मांग की है। उन्होंने कहा कि राहुल सिंह न केवल विकास की सोच रखने वाले जनप्रतिनिधि हैं, बल्कि सामाजिक समरसता और समतामूलक समाज की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें सरकार में बड़ी जिम्मेदारी मिलना जनभावना के अनुरूप होगा।

रवि उज्ज्वल ने कहा कि राहुल सिंह के परिवार की राजनीतिक और सामाजिक पृष्ठभूमि हमेशा से साफ-सुथरी रही है। उन्होंने विशेष रूप से विधायक के बड़े भाई मनोज सिंह का उल्लेख करते हुए कहा कि ह्लमनोज सिंह व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति हैं। उनके संस्कार की पाठशाला में जिसने शिक्षा पाई हो, वह कभी गलत हो ही नहीं सकता।ह्व उज्जवल के अनुसार, मनोज सिंह के मार्गदर्शन और परिवार के आदर्शों का प्रभाव राहुल सिंह के राजनीतिक जीवन में स्पष्ट रूप से दिखता है।

उन्होंने कहा कि डुमरांव जैसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले क्षेत्र ने हमेशा मजबूत नेतृत्व दिया है। ऐसे में जनता की अपेक्षा है कि इस बार डुमरांव के हिस्से में मंत्री का पद अवश्य आए। उज्ज्वल ने कहा कि राहुल सिंह की जीत सिर्फ उनके व्यक्तिगत लोकप्रियता का परिणाम नहीं, बल्कि पूरे शाहाबाद और बक्सर क्षेत्र में एनडीए को मिली जनसमर्थन की बड़ी तस्वीर का हिस्सा है। प्रेस विज्ञप्ति में रवि उज्ज्वल ने उन लोगों पर भी निशाना साधा जो हाल के दिनों में कथित रूप से गलत बयानबाजी कर रहे हैं तथा समाज में अनावश्यक मतभेद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग आपसी भाईचारा खत्म करने की नीयत से भ्रम फैलाने में लगे हैं। समाज को ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए और एकता की भावना को मजबूत बनाए रखना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में राहुल सिंह, संतोष निराला और आनंद मिश्रा की जीत पूरे शाहाबाद सहित बिहार में एनडीए की जीत का प्रतीक है। उज्ज्वल ने दावा किया कि जनता ने विकास, सुशासन और स्थिर सरकार के लिए मतदान किया है, ऐसे में नवनिर्वाचित नेताओं पर जनता की अपेक्षाएं भी बढ़ गई हैं। अंत में उन्होंने आग्रह किया कि सरकार डुमरांव की जनभावना का सम्मान करते हुए विधायक राहुल सिंह को मंत्रिपरिषद में शामिल करे, ताकि क्षेत्र के विकास कार्यों को और गति मिल सके तथा शाहाबाद क्षेत्र को मजबूत राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हो।

डुमरांव में आज होगा आंखों का मुफ्त ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण वाले मरीजों का जांच

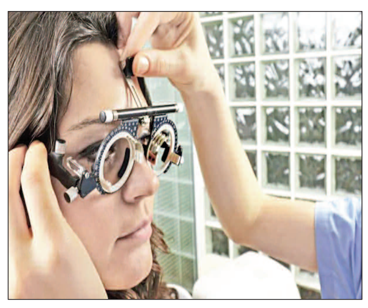

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के स्टेशन रोड स्थित रोटरी जगदीश आई अस्पताल में मंगलवार को नेत्र मरीजों के लिए आंखों का मुफ्त ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण किया जाएगा। यह आयोजन स्व. जगदीश प्रसाद की स्मृति में जेपी मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट एवं रोटरी क्लब बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।अस्पताल के डायेरक्टर सह रोटेरियन प्रदीप जायसवाल ने बताया कि मंगलवार को सुबह 10 बजे से शात चार बजे तक शिविर आयोजित किया गया है, जिसमें आंख के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों का ऑपरेशन तथा लेंस प्रत्यारोपण के लिए जांच किया जाएगा, जबकि ऑपरेशन सह प्रत्यारोपण 20 नवंबर को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन मरीजों का ऑपरेशन या लेंस प्रत्यारोपण किया जाना है उन्हें सलाह दी जाती है कि वे अपने सिर का बाल साबुन से अच्छी तरह से धोकर आए तथा किसी तरह का तेल नहीं लगाए। इसके अलावे मरीज को खांसी नहीं होनी चाहिए तथा वे अपने साथ पहचान पत्र व एक फोटो साथ लेकर आएंगे।

खतरा : हाई टेंशन 11 हजार वोल्ट के जर्जर बिजली पोल से किसानों में

शिकायत के बावजूद भी बिजली विभाग कर रहा अनदेखी

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट प्रखंड के बरडीहा गांव में 11 हजार वोल्ट का एक जर्जर बिजली का पोल कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। यह पोल ग्रामीणों और किसानों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से इसकी कई बार शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। यह जर्जर पोल कभी भी गिर सकता है, जिससे जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता है। काराकाट बाजार से सटे कई गांवों के लोग और बड़ी गाड़ियां इसी सड़क से गुजरती हैं। छोटे बच्चे भी स्कूल जाने के लिए इस रास्ते का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में किसी भी अनहोनी की स्थिति में जवाबदेही तय करना मुश्किल होगा। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में कई हाईटेंशन बिजली के पोल इसी तरह लटके हुए हैं और कभी भी गिर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कई दिनों से मौखिक रूप से बिजली विभाग को इसकी सूचना दी जा रही है, लेकिन विभाग के कर्मचारी इस समस्या का समाधान नहीं कर रहे हैं। ठंड का मौसम शुरू होने और कोहरे के कारण दुर्घटना की आशंका और बढ़ गई है। स्थानीय किसानों ने बताया कि खेतों में धान की फसल पक चुकी है और जल्द ही कटाई शुरू होगी। ऐसे में यह जर्जर पोल कटाई के दौरान एक बड़ी परेशानी और खतरे का सबब बन सकता है।

इस संबंध में बिजली विभाग के काराकाट के कनीय अभियंता संजीत कुमार ने बताया कि उन्हें इस 11 हजार वोल्ट के जर्जर बिजली पोल की जानकारी नहीं थी। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस समस्या को कल तक ठीक कर दिया जाएगा।

घर में घुसकर बदमाशों ने महिला को गोली मारी : मौके पर मौत, जमीन विवाद में हत्या

एजेंसी/पटना

गोपालगंज जिले के मीरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत समईल गांव में रविवार देर रात एक खौफनाक वारदात ने पूरे इलाके को दहला कर रख दिया। बाइक सवार चार बदमाशों ने घर में घुसकर 40 वर्षीय सबिता देवी पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना इतनी अचानक और भयावह थी कि आसपास के लोग सदमे में हैं। इस हत्या ने न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं बल्कि यह भी संकेत दिया है कि स्थानीय स्तर पर चल रहे विवाद किस हद तक जानलेवा रूप ले सकते हैं। रविवार रात करीब साढ़े आठ बजे सबिता देवी अपनी 15 वर्षीय बेटी के साथ घर में थीं। बेटी रसोई में खाना बना रही थी जबकि सबिता देवी आंगन में चौकी पर बैठी हुई थीं। तभी दो बाइक पर सवार चार बदमाश अचानक उनके घर में घुसे। सभी ने मास्क पहन रखा था और दो के हाथों में पिस्टल थे। बिना कुछ कहे उन्होंने सबिता देवी पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक गोली उनके सिर में लगी जबकि तीन गोलियां उनके हाथ और बाजू में लगीं। सिर में गोली लगते ही सबिता देवी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हमलावर वारदात को अंजाम देकर पलभर में फरार हो गए। घटना इतनी तेजी से हुई कि किसी को कुछ समझने का मौका ही नहीं मिला। फायरिंग की आवाज सुनते ही आस-पड़ोस में हड़कंप मच गया। ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक सबिता देवी की जान जा चुकी थी। सूचना मिलते ही मीरगंज थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पूरे इलाके को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। इलाके में सनसनी का माहौल है। ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है और वे पुलिस से जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। अपराधियों के इस तरीके से घर में घुसकर हत्या करने से लोगों के मन में भय का माहौल बन गया है। उपुलिस ने तत्काल एफएसएल की टीम को मौके पर बुलाया, जिसने घर और आसपास के क्षेत्र से अहम साक्ष्य एकत्र किए। टीम को घटनास्थल से दो पिस्टल के खोखे मिले हैं। पुलिस का कहना है कि बरामद खोखों और अन्य फोरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर हमलावरों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। सबिता देवी की बेटी ने पुलिस को अपना बयान दिया है, जिसमें उसने घटनाक्रम का पूरा विवरण बताया। उसके बयान के आधार पर पुलिस ने जांच की दिशा तय कर दी है। सबिता देवी के भाई सोनू यादव ने बताया कि उनकी बहन का अपने पाटीदारों से लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। कई बार धमकियां मिलने की बात भी सामने आई है। उन्होंने आशंका जताई कि इसी विवाद को लेकर सबिता की हत्या की गई है। सोनू यादव ने यह भी बताया कि सबिता देवी का अपने पति मुन्ना यादव से संबंध पिछले कुछ वर्षों से ठीक नहीं था। लगभग तीन साल पहले वह उन्हें छोड़कर चले गए थे। सबिता अपने बेटे और बेटी के साथ रहती थीं। उनका बेटा बीएसएफ में जवान है और इन दिनों असम में ट्रेनिंग कर रहा है। वहीं मुन्ना यादव भी असम में ही व्यवसाय करते हैं।

एसडीपीओ ने कही बड़ी बात

घटना की जानकारी मिलते ही हथुआ एसडीपीओ आनंद मोहन गुप्ता भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट है कि यह हत्या है और बदमाश सुनियोजित तरीके से घर में घुसे थे। उन्होंने कहा महिला की गोली मारकर हत्या की गई है। बेटी के बयान और जमीन विवाद के आरोप के आधार पर जांच की जा रही है। सभी पहलुओं पर बारीकी से गौर किया जा रहा है। एसडीपीओ ने भरोसा दिलाया कि पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

इलाके में बढ़ाई गई गश्त, आरोपियों की तलाश तेज

पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त गश्ती दल तैनात कर दिया है। आसपास के गांवों समेत मुख्य रास्तों पर पुलिस की चौकसी बढ़ा दी गई है। पुलिस का मानना है कि हमलावर स्थानीय ही हो सकते हैं या इलाके की भौगोलिक जानकारी रखते हैं। इसी आधार पर उनकी तलाश तेज कर दी गई है।

एएसपी संकेत कुमार बोले..दिनारा हत्याकांड में संलिप्त अपराधी नहीं बचेंगे

केटी न्यूज/रोहतास

दिनारा थाना क्षेत्र के कुंड गांव में हुई युवक की गोली हत्याकांड में बिक्रमगंज अनुमंडल एएसपी संकेत कुमार ने लिया कड़ा एक्शन। मृतक की पहचान स्थानीय निवासी सुधीर कुमार, पिता कलेक्टर यादव के रूप में करते हुए उन्होंने बताया कि इसमें संलिप्त अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की जायेगी। हालांकि पुलिस ने घटनास्थल से शराब की बोतल भी बरामद किया है। जो हत्याकांड के शुरूआती जांच में यह प्रतीत होता हैं कि वारदात से पहले शराब का सेवन किया गया था। इसी दौरान मृतक के साथ मौजूद किसी ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी है, जिसकी संभावना जताई जा रही है। एएसपी के अनुसार पुलिस सभी संभावित बिंदुओं पर जांच कर रही है। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं और मौके पर मौजूद रहे लोगों की पहचान की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस टीम हर बिंदुओं पर गहन जांच कर रही है।

दिनारा : बेखौफ अपराधियों ने 20 वर्षीय युवक की गोली मार की हत्या

- रविवार की रात घर से गायब युवक का सुबह में मिला शव,परिजनों में मातम
- घटना मामलें में अपराधियों के गिरफ्तारी के लिए पुलिस जुटी

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास जिला के दिनारा थाना क्षेत्र के कुड़ गांव के समीप चौसा नहर पर रविवार की रात करीब 9:30 बजे के अपराधियों ने एक युवक की सीने में गोली मार हत्या कर दी। मृतक युवक की पहचान दिनारा प्रखंड निवासी कलेक्टर यादव के 20 वर्षीय पुत्र सुधीर यादव के रूप में हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कलेक्टर के पुत्र सुधीर कुमार रविवार की रात करीब साढ़े 9 बजे खाना खाकर अपने घर से बाईक से निकला था। उसके बाद युवक अपने घर पर नही आया। उसके मोबाइल पर कॉल किया जा रहा था,लेकिन उसका मोबाइल बंद बता रहा था। जब उसके परिजन खोजबीन करने के लिए सोमवार की सुबह में निकले,तो उसका शव कुड़ गांव के समीप चौसा नहर पर मिला। मृतक बेटे के शव को देखते ही उसके परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे। पर पहुंच शव को कब्जे में लेते हुए जांच में जुट गई । घटना की सूचना मिलते ही बिक्रमगंज एएसपी सह एसडीपीओ संकेत कुमार घटनास्थल पर पहुंच स्वयं जांच में जुट गए। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच में यही प्रतीत हो रहा है कि घटना स्थल पर कुछ शराब की बोतलें प्राप्त हुई है। ऐसा लगता है कि रविवार की रात घटनास्थल पर कुछ लोगों के द्वारा शराब सेवन किया गया है। उसी क्रम में युवक के साथ किसी बात को लेकर बात हुआ होगा। जिसमें युवक को कुछ लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। युवक की मौत गोली लगने से ही हुई है । एसडीपीओ ने कहा कि घटना स्थल से शराब की बोतलें प्राप्त हुई है। साथ ही घटना स्थल से तीन खोखा भी बरामद हुआ है । उन्होंने कहा कि जिला से एसएफएल व डीआईयू टीम आकर जांच करने के उपरांत सैम्पल लिया । बताया कि मृत युवक के शव को उनके परिजनों के समक्ष कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया है । घटना की स्पष्ट जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना की जानकारी सामने आयेगी। हालांकि स्थानीय पुलिस हर एंगल से इस घटना के जांच में जुट गई है।

एक नजर

19 नवंबर को एनडीए विधायक दल की बैठक, 20 नवंबर को गांधी मैदान में शपथग्रहण समारोह, पीएम मोदी होंगे शामिल

पटना। बिहार चुनाव के रिजल्ट आने के बाद नई सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है। 19 नवंबर को एनडीए के विधायकों की बैठक होगी। जिसमें नेता चुना जाएगा। इसके अगले दिन 20 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण गांधी मैदान में होगी। इस कार्यक्रम को एक उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, देश के केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और बड़े-बड़े नेता शामिल होंगे। इसमें समाज के सभी प्रबुद्ध लोगों को भी आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम की तैयारी युद्धस्तर पर चल रही है। इस बात की जानकारी बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने दी। मिली जानकारी के अनुसार 20 नवंबर को नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इससे पहले 19 नवंबर को नीतीश कुमार इस्तीफा देंगे जिसके बाद सत्रहवीं बिहार विधानसभा भंग हो जाएगी। सीएम नीतीश की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की अंतिम बैठक आज संपन्न हुई। 15 मिनट चली कैबिनेट की बैठक में 3 प्रस्तावों पर मुहर लगी। बैठक के बाद कैबिनेट की अनुशंसा को राजभवन जाकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को सौंपा। इस दौरान सीएम के साथ डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद थे। 22 मिनट राजभवन में रहने के बाद सीएम नीतीश आवास पर लौट गये जहां उन्होंने पार्टी के वरीय नेताओं के साथ बैठक की।

राबड़ी आवास पर राजद कार्यकर्ताओं ने काटा बवाल हंगामे के बीच विशेष रथ से लालू निकले मरीन ड्राइव

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी बहुत कम सीट पर जीत हासिल की है। इस बात से आरजेडी कार्यकर्ता नाराज हैं और इसके लिए जिम्मेदार राज्यसभा सांसद संजय यादव को ठहरा रहे हैं। आज सोमवार की देर शाम आरजेडी कार्यकर्ता राबड़ी आवास पहुंचे और संजय यादव के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे। संजय यादव मुदार्बाद के नारे लगाने लगे। तेजस्वी यादव के खास संजय यादव के खिलाफ लोगों में खासा आक्रोश देखने को मिल रहा है। लालू परिवार में मचे बवाल और पार्टी की इस स्थिति के लिए आरजेडी कार्यकर्ता संजय यादव को ही जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। संजय यादव को हरियाणा भेजने की मांग राजद कार्यकताओं ने की। जब कार्यकर्ता राबड़ी आवास पर हंगामा कर रहे थे और संजय यादव के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। तभी राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव अपने विशेष रथ से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट मरीन ड्राइव पर घूमने के लिए निकल गये। स्पेशल रथ पर सवार होकर लालू यादव मरीन ड्राइव के लिए रवाना हो गये।

जमुई के मलयपुर पुलिस लाइन में हथियार की सफाई के दौरान चली गोली, सीआीपीएफ जवान घायल

जमुई । जमुई जिले के बरहट प्रखंड अंतर्गत मलयपुर पुलिस लाइन में हथियार की सफाई के दौरान सोमवार की दोपहर गोली चल गई। जिसकी चपेट में आने से एक जवान घायल हो गया। जिसे आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। 215 बटालियन के सीआरपीएफ जवान की पहचान बरहट प्रखंड अंतर्गत मलयपुर पुलिस लाइन में तैनात सीआरपीएफ जवान दिनेश मरांडी (30) वर्ष के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार दिनेश मरांडी सीआरपीएफ जवान है जो सोमवार की दोपहर पुलिस लाइन स्थित अपने कैंप में हथियार की सफाई कर रहा था। तभी अचानक गलती से हथियार से एक गोली चल गई। गोली उसके एक पैर में लग गयी और छिटककर कर गोली निकल गई। इस घटना में सीआरपीएफ जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। वही घायल जवान को अन्य जवानों की मदद से उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के बाद चिकित्सक ने उसे खतरे से बाहर बताया है। बता दें कि यह कोई पहले घटना नहीं है। इसके पहले भी हथियार सफाई के दौरान गोली चली है। जिसमें कुछ जवान और एसआई भी घायल हो चुके हैं। हालांकि पूरे मामले को लेकर वहां मौजूद वरीय सीआरपीएफ जवानों से बात की तो उन्होंने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया।

फ्रॉड : साइबर क्राइम कर पानी व्यवसायी से 90 हजार रुपए ठगों ने लूटा

केटी न्यूज/रोहतास

बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के धनगाईं में साइवर ठग ने एक व्यवसायी से 90 हजार रुपये की ठगी कर ली है। इस संबंध में व्यवसायी द्वारा सोमवार को बिक्रमगंज थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। धनगाई निवासी भोला सिंह,पिता सूर्यदेव सिंह द्वारा दर्ज कराई गई। पीड़ित व्यवसायी ने प्राथमिकी कराते हुए कहा कि शुक्रवार को सुबह 11 बजे उसके मोबाईल नं. 7004111254 पर मोबाईल नं. 7988762406 से कॉल आया कि मैं बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय के उपकारा में कार्यरत हूं।

जो किसी कार्यक्रम तहत मुझे पानी की बोतल की आवश्यकता है। बिल बना कर भेजो औनलाइन भुगतान कर दूंगा। उसने पानी का बिल 28300रु का मोबाईल पर भेजा। पुनः उसके मोबाईल पर

दस मिनट बाद कॉल आया कि आप पानी लेकर जेल पर आ जाईये। वह पानी पीकअप से लेकर जेल पर गया और उसे कॉल किया तो वह एकाउन्ट नं०- मांगा, तो उसने स्टेट बैंक का एकाउन्ट नं. दिया तो फिर बोला कि आपके इस एकाउन्ट पर पैसा नहीं जा रहा है, कोई दूसरा बैंक का एकाउन्ट न० दीजिये। तब उसने पुनः मध्य ग्रामीण बैंक का एकाउन्ट नंबर दिया। तब वह उसके मोबाईल पर 10 रुपए डालकर उसका मेसेज भेजा। उसके बाद पुनः 19300 रुपया भेजा, उसका भी मैसेज उसके मोबाईल पर भेजा। उसे और 9000 रु रुपया लेना था। तो वह उसके मोबाईल पर नब्बे हजार डालने का मैसेज भेजा। उसके बाद पुनः कॉल किया कि देखिये गलती से 9 हजार रुपये के जगह पर 90 हजार रुपये डाल दिये, जो सरकारी विभाग से जुड़ा पैसा है, नहीं लौटाने पर मेरी नौकरी चला जायेगा। जिस मामले में आप भी फंस सकते है। इसलिए आप से आग्रह है कि मेरा 90 हजार रुपया लौटा दीजिये। वह उसे 90 हजार रुपया लौटा दिया। उसके बाद उसे कॉल किया तो वह बोला कि ठीक है अभी गेट बन्ध हो गया है आप पानी वापस ले जाइयें। कल मैं अपना पीकअप भेजकर पानी मांगवा लूँगा। उसके बाद वह अपना मोबाईल स्वींच औफ कर दिया। दूसरे दिन शंका होने पर जब उसने अपना एकाउन्ट चेक किया तो उसमें कोई पैसा नहीं आया था। उसके मोबाइल पर आया मैसेज भी गलत था। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

चुनाव बाद नीतीश सरकार हुई एक्टिव, 1367 करोड़ की लागत से चालू योजना को अगले 28 दिनों में पूर्ण करने का आदेश

केटी न्यूज/पटना

बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में 17 नवंबर 2025 को उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना की प्रगति की समीक्षा बैठक की गई। यह परियोजना 1367.61 करोड़ की लागत से झारखंड और बिहार के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर-राज्यीय सिंचाई और जल संसाधन परियोजना है। यह मुख्य रूप से बिहार के गयाजी और औरंगाबाद जिलों में सिंचाई की सुविधा प्रदान कर कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्य सचिव ने परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक और समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि परियोजना से संबंधित भू-अर्जन का कार्य 15 दिसंबर 2025 से पहले हर हाल में समाप्त हो जाना चाहिए। उन्होंने गयाजी और औरंगाबाद के डीएम को निदेश दिया कि वे सभी रैयतों के भुगतान की प्रक्रिया को साथ-साथ जारी रखें और इसके साथ ही निर्माण कार्य को भी आगे बढ़ाते रहें। मुख्य सचिव ने मुख्य अभियंताओं को निर्देश दिया कि वे जल संसाधन विभाग और गयाजी एवं औरंगाबाद के डीएम के साथ लगातार समन्वय स्थापित करें ताकि इस महत्वपूर्ण परियोजना को तीव्र गति से आगे बढ़ाया जा सके और समय पर पूरा किया जा सके। समीक्षा बैठक में जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल, योजना एवं विकास विभाग के प्रधान सचिव के. सेंथिल कुमार, गयाजी एवं औरंगाबाद के जिलाधिकारी, अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और हअइउडर के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

पटना पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 1703 अपराधी गिरफ्तार, 330 ने किया सरेंडर

ऑपरेशन जाखीरा, ऑपरेशन सोन और ऑपरेशन जुआरी चलाया जिसमें भारी मात्रा में हथियार-शराब बरामद

एजेंसी/पटना

नगर पुलिस अधीक्षक (पटना पश्चिमी) के नेतृत्व में 3 स्पेशल ऑपरेशन चलाया गया। पटना के पश्चिमी इलाके में ऑपरेशन जाखीरा, ऑपरेशन सोन और ऑपरेशन जुआरी चलाया गया। जिसका मुख्य उद्धेश्य अवैध हथियार, मादक पदार्थ और जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई करना था। 17 जून 2025 से अब तक इन अभियानों में बड़ी मात्रा में हथियार, कारतूस, शराब और मादक पदार्थ बरामद किया गया है। विगत डेढ़ माह में एक हजार 703 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। चुनाव के दौरान 330 अपराधियों ने सरेंडर किया था। पुलिस ने ऑपरेशन जाखीरा के दौरान विभिन्न प्रकार के कुल 185 हथियार बरामद किया है। जिसमें ए.के-47 राइफल झ 1, सेमी ऑटो राइफल झ 2, राइफल झ 34, पेन पिस्टल झ 1, पिस्टल झ 10, रिवॉल्वर झ 2, देसी पिस्टल झ 40, देसी कट्टा झ 95, मैगजीन, जिंदा कारतूस और खोखा, कुल मैगजीन झ 59, जिंदा कारतूस झ 2329, खोखा झ 167 बरामद किया गया। यह बरामदगी दशार्ती है कि क्षेत्र में सक्रिय अवैध हथियार नेटवर्क पर पुलिस ने गहरी चोट की है। वही एनडीपीएस एक्ट के तहत मादक पदार्थ भी बरामद किया गया है। इस दौरान गांजा झ 17,788.11 ग्राम और स्मैक झ 1,959.818 ग्राम बरामद किया गया। पुलिस की यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी और सप्लाई चेन पर एक बड़ा प्रहार मानी जा रही है। शराब बरामदगी (एक्साइज एक्ट के तहत) ऑपरेशन के दौरान बड़ी मात्रा में अवैध शराब भी बरामद किया गया है। बरामद नशे के सामान में देशी शराब झ 16,310.14 लीटर, विदेशी शराब झ 23,937.31 लीटर, कुल बरामद शराब झ 40,247.45 लीटर है। यह कार्रवाई शराब माफियाओं की कमर तोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ऑपरेशन जुआरी के तहत भी कार्रवाई की गयी। ऑपरेशन जुआरी के तहत क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर जुआ खेलने में संलिप्त लोगों को पकड़ा गया। इनके पास से बड़ी मात्रा में कैश, कार्ड, मोबाइल और अन्य जुआ का सामान बरामद किया गया है। पुलिस इसे बड़ी कार्रवाई मान रही है। एसएसपी पटना ने बतायाकि ढेर महीनों में आचार संहिता के दौरान ऐतिहासिक 1703 गिरफ्तारी हुई है, 303 अपराधियों ने सरेंडर किया है, विभिन्न थाना क्षेत्रों में त्वरित एवं सामूहिक कार्रवाई के दौरान कुल 1703 अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी की गई। साथ ही पुलिस की बढ़ी हुई दबिश और रणनीतिक निगरानी के कारण 330 अपराधकर्मियों ने स्वयं न्यायालय या पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। पुलिस पर हमला, हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, डकैती तथा रउ/रळ अत्याचार जैसे गंभीर मामलों में भी त्वरित कार्रवाई करते हुए महत्वपूर्ण गिरफ्तारियाँ दर्ज की गईं, जो पुलिस की तेजी और समन्वय का प्रमाण हैं।ये आँकड़े दशार्ते हैं कि पश्चिमी पटना में अवैध हथियार और नशीले पदार्थों के नेटवर्क पर पुलिस ने सख्त नकेल कस दी है।

अवैध हथियार और नशीले पदार्थों पर बड़ी कार्वाई

विशेष अभियानों के दौरान पुलिस को अवैध हथियारों व मादक पदार्थों की रोकथाम में उल्लेखनीय सफलता मिली। इस अवधि में बरामद किए गए हथियार व सामग्रियाँ इस प्रकार हैं—

22 राइफल	654 जिंदा कारतूस
07 पिस्टल	31 खोखा
10 देशी पिस्टल	1217.34 ग्राम स्मैक
40 देशी कट्टा	9.624 किलोग्राम गांजा
13 मैगजीन	अपराध दर में भारी गिरावट

2024 की इसी अवधि की तुलना में 2025 में नगर पश्चिमी क्षेत्र में कई प्रमुख अपराधों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई

हत्या में 40% कमी	चोरी में 46% कमी
लूट में 80% कमी	वाहन चोरी में 40.85% कमी
गृहभेदन में 18% कमी	डकैती की एक भी घटना दर्ज नहीं

एक नजर

अपराध की योजना बनाते 2 अपराधी गिरफ्तार हथियार और कारतूस बरामद, तीसरा फरार

सहरसा । सहरसा में सदर थाना क्षेत्र के भेलवा गांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 2 युवकों को देसी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। जबकि एक आरोपी मौके से भागने में सफल हो गया। पुलिस का दावा है कि तीनों युवक किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भेलवा निवासी बसंत कुमार, सुकेश कुमार और अभिषेक कुमार वसंत कुमार के घर में बैठकर किसी गंभीर वारदात की साजिश कर रहे थे। इसी दौरान थाना प्रभारी को इस गतिविधि की गुप्त सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस दल-बल के साथ बताए गए स्थान पर छापेमारी करने पहुँची। छापेमारी के दौरान घर से दो युवक बसंत कुमार और सुकेश कुमार को गिरफ्तार किया गया। दोनों के पास से देसी कट्टा तथा एक-एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। हालांकि तीसरा आरोपी अभिषेक कुमार पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार युवकों ने बताया कि गाँव में दहशत फैलाने और अपने प्रभाव जमाने के उद्देश्य से तीनों कट्टा को बारी-बारी दस-दस दिनों के लिए अपने पास रखते थे। उनका कहना है कि तीनों ने मिलकर ही इस हथियार की खरीदारी की थी। थाना प्रभारी के अनुसार, गिरफ्तार बसंत कुमार पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि फरार अभिषेक कुमार भी कई संगीन मामलों में वांछित है। पुलिस दोनों के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। सुकेश कुमार की संलिप्तता भी विभिन्न मामलों में पड़ताल के दायरे में है।गिरफ्तार दोनों युवकों से लंबे समय तक गहन पूछताछ की गई। पूछताछ पूरी होने के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वहीं, फरार अभिषेक कुमार की तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है।

विश्वप्रसिद्ध सोनपुर मेला में बिहार पुलिस की प्रदर्शनी, डीजीपी विनय कुमार ने किया उद्घाटन

पटना। विश्वप्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र मेले में बिहार पुलिस के स्टॉल सह प्रदर्शनी का बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने उदघाटन किया। इस मौके पर पुलिस की पद्धति, तकनीक की बेतरीन प्रदर्शनी लगाई गई। जिसके तहत पुलिस के खोजी कुत्ते ने बेहतरीन कलाबाजी की जिसे देख कर लोगो ने खूब ताली बजाई। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए डीजीपी विनय कुमार ने बताया कि पुलिस की पद्धति और तकनीक को इस स्टॉल के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है ताकि लोगो को यह जानकारी हो सके कि बिहार पुलिस कैसे काम करती है। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य लोगों को बताना है कि पुलिस की क्षमता क्या है। उन्होंने कहा कि बिहार पुलिस के पास नए नए उपकरण क्या हैं और पुलिस कैसे काम करती है, जिससे लोगो मे विश्वास पैदा हो कि किस तरीके और नए नए तकनीक के जरिये पुलिस काम कर रही है। वहीं अपराध नियंत्रण को लेकर डीजीपी ने बताया कि पुलिस के पास कोई एक नई व्यवस्था नहीं है बल्कि बहुत सारी व्यवस्था है। डीजीपी ने कहा कि इस प्रदर्शनी में जो दिखाया गया है वही पुलिस की पद्धति और कार्यशैली के साथ साथ व्यवस्था है। जिसके जरिये हम अपराध पर नियंत्रण करते है। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम एक नई चुनौती है जिसपर नई तकनीक के सहारे नियंत्रण की जा रही है।

सड़क सुरक्षा पर बिहार में चला मेगा ट्रेनिंग कैंप 450 सरकारी वाहन चालकों को दिया गया प्रशिक्षण

एजेंसी/पटना

परिवहन विभाग द्वारा सोमवार को विश्वेशरैया भवन स्थित सभाकक्ष में राज्य के सभी सरकारी वाहन चालकों के लिए सड़क सुरक्षा के नियमों, संकेतकों तथा सुरक्षित ड्राइविंग से संबंधित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में विभिन्न विभागों एवं विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में सरकारी विभागों के वाहन चालक शामिल हुए। यह प्रशिक्षण इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग रिसर्च, बिहार द्वारा दिया गया। राज्य परिवहन आयुक्त आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि विकास आयुक्त, बिहार के निर्देश के आलोक में राज्य के सभी सरकारी वाहन चालकों एवं अन्य श्रेणी के चालकों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। यह प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी ताकि सरकारी वाहन चालक न केवल कुशल चालक बन सकें, बल्कि सरकारी प्रणाली के अनुरूप सड़क सुरक्षा के नियमों, प्रावधानों एवं नवीनतम अद्यतन जानकारियों से अवगत रह सकें। पूर्व से यातायात उल्लंघनकताओं को सड़क सुरक्षा के नियमों व संकेतों से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राज्य परिवहन आयुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता का विषय है। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु नियमों की समझ, व्यवहारगत सुधार और यातायात संकेतों का पालन अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से सभी सरकारी चालकों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि महिला वाहन चालकों पर सरकार का विशेष फोकस है। पिंक बस सेवा में महिला चालक एवं कंडक्टर की व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है ताकि महिला रोजगार को बढ़ावा मिले और सुरक्षित एवं संवेदनशील सार्वजनिक परिवहन सुनिश्चित हो सके। सड़क सुरक्षा पर प्रशिक्षण इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग रिसर्च, बिहार के संयुक्त निदेशक जगन्नाथ यादव एवं इस्ट्रक्टर गौरव अभिषेक द्वारा दिया गया। विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियों के माध्यम से चालकों को व्यावहारिक उदाहरण, वीडियो और इंटरैक्टिव सत्रों के द्वारा सड़क सुरक्षा के सामान्य नियमों, संकेतकों, सड़क पर लगे गति सीमा संकेतों, लेन ड्राइविंग, ओवरटेकिंग,

अरवल पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर दो बदमाशों को दबोचा, चोरी का विरोध करने पर युवक को मारी थी गोली

एजेंसी/अरवल

चोरी का विरोध करने पर युवक को गोली मारे जाने के मामले में पुलिस ने 24 घंटे के भीतर दो बदमाशों को दबोचा है। गिरफ्तारी के बाद दोनों अपराधियों को जेल भेजा गया है। वही अन्य बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। घटना अरवल के रामपुर चौरम थाना क्षेत्र के कटेसर टोला रामनाथ बिगहा की है जहां घर में चोरी के दौरान विरोध करने पर बदमाशों ने युवक को गोली मारकर घायल कर दिया था। अरवल पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार को जब इस घटना की जानकारी मिली उन्होंने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कृति कमल के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया। जिन्हें आरोपियों की गिरफ्तारी का निर्देश दिया गया। जिसके बाद टीम लगातार प्रयास करते हुए दोनों बदमाशों को पकड़ लिया। एसपी मनीष कुमार ने बताया कि 16 नवंबर को चोरों ने घर में घुसकर चोरी का प्रयास किया था। विरोध करने पर चोरों ने बैजू कुमार, पिता स्व. दयानंद गोस्वामी, निवासी कटेसर टोला रामनाथ बिगहा को गोली मारकर घायल कर दिया था। घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पीड़ित की पत्नी संगीता देवी द्वारा दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर रामपुर चौरम थाना कांड संख्या 95/25 दिनांक 17.11.25 दर्ज किया गया। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2)/62/109/3(5) तथा 27 शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में जबाहर लाल मिस्त्री एवं पंचम कुमार शामिल है, दोनों ग्राम कटेसर का रहने वाला है। इस छापेमारी दल में रामपुर चौरमथानाध्यक्ष वैलिस्टर राम , सअनि राजकपूर, नवलकिशोर राम, परमहंस यादव, बाबुनंदन कुमार, सिपाही वर्षा कुमारी, संजीव कुमार, संजय कुमार एवं चासि ब्रजेश कुमार शामिल थे। पुलिस का कहना है कि अन्य संभावित आरोपितों की भी पहचान की जा रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

कटिहार में पत्नी ने शिक्षक पति को जिंदा जलाया, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

एजेंसी/कटिहार

बिहार के कटिहार जिले के अरगरा चौक मोफरगंज इलाके में शनिवार को एक ऐसी दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया है। यहां रहने वाले सरकारी शिक्षक पंकज पोद्दार को उनकी ही पत्नी कल्याणी देवी ने जिंदा आग के हवाले कर दिया। उर्दू मध्य विद्यालय शरीफगंज में कार्यरत 42 वर्षीय पंकज को गंभीर हालत में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों ने उनकी स्थिति को बेहद नाजुक बताया है। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों, पड़ोसियों और पुलिस से मिली जानकारी इस पूरे मामले को और भी भयावह बनाती है। घटना रविवार की सुबह लगभग 8 बजे की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, उस समय घर से अचानक धुआं निकलना शुरू हुआ। पहले तो लोगों को लगा कि शायद रसोई में कुछ जल गया है, लेकिन कुछ ही मिनटों में लपटें इतनी ऊंची उठने लगीं कि पूरा घर अग्निकांड में बदलता हुआ दिखाई दिया। इसी बीच घर के अंदर से मदद की चीखें सुनाई देने लगीं। गांववालों को जब पता चला कि अंदर शिक्षक पंकज पोद्दार फंसे हुए हैं, तो वे तुरंत उनकी मदद के लिए दौड़े। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि घर का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह कोई दुर्घटना नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश थी। ग्रामीणों ने दरवाजा तोड़ने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी तेजी से फैल चुकी थी कि दरवाजा टूटने तक पंकज पोद्दार बुरी तरह से जल चुके थे। दरवाजा खुलते ही लोगों ने देखा कि वे आग की लपटों से घिरे हुए जमीन पर पड़े तड़प रहे थे। पड़ोसियों ने जान जोखिम में डालकर उन्हें बाहर निकाला और आसपास के लोगों की मदद से तुरंत कटिहार सदर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार, पंकज लगभग 70 प्रतिशत तक झुलस चुके हैं, और उनकी हालत बेहद गंभीर है। अस्पताल प्रशासन ने उन्हें आईसीयू में रखा है और लगातार विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर निगरानी रखे हुए है। उधर, स्थानीय लोगों ने बताया कि पंकज और उनकी पत्नी कल्याणी देवी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था।

गांधी मैदान में शपथ ग्रहण से पहले पटना जिला प्रशासन अलर्ट

- **सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी की गई रद्द**

एजेंसी/पटना

बिहार में नई सरकार के गठन की तैयारियां तेज हो गई हैं। 20 नवंबर को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह होगा। इस दिन मुख्यमंत्री सहित कई मंत्री पद और गोपनियता की शपथ लेंगे। शपथग्रहण समारोह को देखते हुए पटना जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। कार्यक्रम की सुरक्षा और व्यवस्थित संचालन के लिए पटना डीएम डॉ. त्यागराजन ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। पटना जिलाधिकारी के आदेश के अनुसार, 20 नवंबर तक किसी भी परिस्थिति में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को अवकाश नहीं दिया जाएगा। सभी कर्मचारियों को अपने-अपने कार्यस्थलों पर मौजूद रहना अनिवार्य होगा, ताकि शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था में कोई कमी न रहे। बता दें कि बिहार की जनता ने ठऊअ को भारी मतों से विजयी बनाया है। जनता की मिली प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की नई सरकार के गठन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। राजधानी पटना के गांधी मैदान में 20 नवंबर को भव्य शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह, कई राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल सहित कई गणमान्य शपथग्रहण समारोह में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम को भव्य रूप से पटना में आयोजित किया जा रहा है। जिसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। उम्मीद जतायी जा रही है कि 19 नंवबर तक सारी तैयारी पूरी कर ली जाएगी। लगातार पटना डीएम सहित तमाम अधिकारी गांधी मैदान में तैयारियों का जायजा ले रहे हैं और अपनी नजर बनाये हुए हैं।

शराबबंदी वाले बिहार में 60 लाख का गांजा बरामद, एक तस्कर भी गिरफ्तार

एजेंसी/पटना

रोहतास में गांजे की बड़ी खेप पुलिस ने बरामद किया है। डेहरी के राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ट्रैक्टर में छुपाकर ले जा रहे 1 क्विंटल 27 किलो गांजा को जब्त किया गया है। जिसकी कीमत 60 लाख से ज्यादा आंकी जा रही है। बताया जाता है कि औरंगाबाद की तरफ से गांजा की खेप ट्रैक्टर से लाया जा रहा था। पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रैक्टर को पकड़ा और एक तस्कर महेंद्र को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्कर महेंद्र बड्डी थाना क्षेत्र का रहने वाला है। जिससे पूछताछ की जा रही है। महेंद्र से यह भी पूछा गया है कि इतनी बड़ी गांजा की खेप वह कहां लाया था और इसे कहां ले जाया जा रहा था? रोहतास एसपी ने बताया कि पिछले दिनों भी भारी मात्रा में चेनारी थाना क्षेत्र से गांजा बरामद हुआ था। सूखे नशे के कारोबार के खिलाफ जिला पुलिस सक्रिय है और लगातार गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई कर रही है। रोहतास के एसपी रौशन कुमार का कहना है कि जब्त किये गये गांजे का बाजार मूल्य 60 लाख से अधिक है। एक ट्रैक्टर के नीचे तहखाना बनाकर इसे छुपाया गया था। लेकिन गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इसका खुलासा किया। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

सुभाषितम्

मासिक वेतन पूरनमासी का चाँद है जो एक दिन दिखाई देता है और घटते घटते लुप्त हो जाता है। - प्रेमचंद

न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने सारी दुनिया को दिखाई राह

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने पूंजीवाद के खिलाफ समाजवाद का एक नया रास्ता लोकतांत्रिक देशों को दिखाया है। जिसके कारण सारी दुनिया में उनकी चर्चा हो रही है। अमेरिका जैसे देश में पूंजीवाद के कारण आम लोगों का जीवन बद से बदतर होता जा रहा था। ऐसे समय में सामान्य व्यक्ति जनता की लड़ाई लड़ने के लिए अमेरिका की सड़कों पर उतरा। उसे सभी वर्गों का समर्थन मिला। पहले ही चुनाव में उसे 50 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल हुए। ममदानी की जीत ने सारी दुनिया को आर्थिक मामलों मे नया रास्ता दिखाया है। पूंजी के संतुलित वितरण का नया रास्ता तैयार किया है। ममदानी को अपनी ही डेमोक्रेटिक पार्टी से समर्थन नहीं मिला। उनके पास चुनाव लड़ने के लिए पैसे नहीं थे। उसके बाद भी, वह पैदल न्यूयॉर्क की सड़कों पर निकले,उन्होंने जनता के मुद्दों को उठाया। उनका निराकरण करने का तरीका बताया। आम जनता का उन्हें समर्थन और चंदा दोनों ही मिला। अमेरिका में नस्लभेदी और धार्मिक ध्रुवीकरण के बाद भी जिस तरह से उन्होंने जीत हासिल की है। उसकी सारी दुनिया में चर्चा हो रही है। 18 से 29 वर्ष के 78 फीसदी से ज्यादा नौजवानों ने उन्हे वोट दिया। न्यूयॉर्क में जिनकी आय सालाना 50000 डॉलर से कम थी। उनका ममदानी को बिना किसी भेदभाव के भारी समर्थन मिला। मकान किराया, बच्चों की पढ़ाई तथा सार्वजनिक सेवाओं में जिस तरह से मध्यम और निम्न वर्ग को प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। ममदानी उनकी आवाज बने। न्यूयॉर्क में गरीब और मध्यम वर्ग आसानी से अपना जीवन यापन नहीं कर पा रहा है। वह दिनों दिन गरीब हो रहा है। पूंजीपति बड़ी तेजी के साथ अपनी पूंजी में इजाफा कर रहे है। शेयर बाजार में सट्टेबाजी हो रही है। महंगाई लगातार बढ़ रही है। निम्न एवं मध्यवर्ग की आय घटती जा रही है। बेरोजगारी तेजी के साथ अमेरिका एवं न्यूयॉर्क में बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में ममदानी न्यूयॉर्क की आम जनता के लिए सर्वमान्य नेता बनके उभरे हैं। ममदानी भारतीय मूल के हैं। उनकी मां हिंदू है, पिता मुस्लिम है, पत्नी ईसाई हैं।वह युवा हैं। सभी वर्ग ले लोगों को साथ लेकर चलने का संस्कार उनमें है। किसी भी वर्ग से उनका कोई टकराव नहीं है। सही मायने में भारतीय संस्कार ममदानी में पूरी तरह से देखने को मिलते हैं।यही उनकी सफलता का सबसे बड़ा राज भी है। वर्तमान मे जब सारी दुनिया पूंजीवाद के पीछे पागल है। सारी दुनिया के देशों के राजनेता पूंजीपतियों के पीछे हाथ बांधकर खड़े रहते हैं। ऐसे समय पर ममदानी ने बेहतर सामाजिक व्यवस्था के लिए भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के रास्ते पर चलने का निर्णय लिया। उन्होंने मेयर पद के चुनाव में एक ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा अमेरिका और न्यूयॉर्क के पूंजीपतियों ने उनका विरोध किया था। उनकी ही डेमोक्रेटिक पार्टी ने उन्हें समर्थन नहीं दिया। इसके बाद भी वह अपने आत्मविश्वास के बल पर जनता के हीरो बनकर सामने आए हैं। युवाओं में वह बहुत तेजी के साथ लोकप्रिय हो रहे हैं। जब सारी दुनिया के देशों मे महंगाई-बेरोजगारी का शिकार हुई है। दुनिया के बहुत सारे देश आर्थिक दुर्दशा के शिकार हैं। उनके ऊपर भारी कर्ज है। ऐसी स्थिति में ममदानी सारी दुनिया के लिए एक आदर्श के रूप में सामने आए हैं। इसका असर दुनिया के कई देशों में देखने को मिल रहा है। दुनिया के कई देशों में युवा आंदोलनरत होकर सड़को पर हैं। उनके बीच में ममदानी अच्छे खासे लोकप्रिय हो रहे हैं। सही मायने में पूंजीवाद की पराकाष्ठा के चलते ममदानी ने गरीब और मध्यम वर्ग के लिए एक नया आर्थिक दृष्टिकोण न्यूयॉर्क में दिया है। जिसकी दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है। जनवरी माह में वह मेयर पद की शपथ लेंगे। उनकी जीत के बाद सारी दुनिया के देशों के सत्ताधीसों की सोच में बदलाव देखने को मिल रहा है।

चिंतन-मनन

आहार का असर

आदमी बीमार हो गया। रक्त चढ़ाने की जरूरत हुई। डॉक्टर रक्त चढ़ाता है, तो पहले यह ग्रुप मिलाता है। किस ग्रुप का रक्त है? ठीक मिलेगा या नहीं? सेठ को रक्त चढ़ाना था- एक कंजूस आदमी का रक्त ठीक मिला, चढ़ाया गया। सेठ को पता चला कि उसको कंजूस का रक्त चढ़ाया जा रहा है। सेठ बड़ा उदार था। अपने मुनीम को कहा, उसको तीन हजार रूपए दे दो। भाग्य की बात, दूसरी बार फिर खून चढ़ाने की जरूरत हुई। उसी कंजूस का रक्त। सेठ ने कहा, उसे सौ रूपए दे दो। तीसरी बार जरूरत हुई तो सेठ ने एक कागज लिया और उस पर लिखा साधुवाद, धन्यवाद! ऐसा क्यों हुआ? सेठ तो उदार था, किन्तु जिसका रक्त चढ़ाया जा रहा था, वह कंजूस था। उसका इतना प्रभाव हुआ कि जब तक रक्त का पूरा प्रभाव नहीं हुआ तो तीन हजार रूपए दिए, थोड़ा प्रभाव हुआ तो सौ रूपए, और पूरा प्रभाव हुआ तो धन्यवाद दिया। कहने का अर्थ यह कि चाहे रक्त हो, चाहे कोई दूसरी वस्तु हो, हमारे शरीर में बाहर के जो परमाणु प्रवेश पाते हैं, वे परमाणु जिस प्रकार के होते हैं, अपना प्रभाव डाले बिना नहीं रहते। इसलिए यह विषय हमारे लिए इतना महत्व का है कि बाहर से क्या आ रहा है, हम पूरा विवेक करें, पूरी छानबीन करें, तब ही किसी बात को स्वीकार करें। हम इस बात को अस्वीकार नहीं करेंगे कि भोजन के परमाणुओं में अनेक तत्व विद्यमान होते हैं, अनेक संस्कार मिले होते हैं। उन संस्कारों का असर हमारे जीवन के दैनिक क्रियाकलापों पर पड़ता है। इससे हम अछूते नहीं रह सकते।

पाकिस्तान में बढ़ती दहशतगर्दी और भारत की सुरक्षा चुनौती

- कांतिलाल मांडोत

दक्षिण एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य एक बार फिर आतंक की चपेट में है। हाल ही में पाकिस्तान में हुए आत्मघाती हमले में 12 लोगों की मौत ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया है। यह सिर्फ एक आतंकी वारदात नहीं, बल्कि उस अस्थिरता का प्रतीक है जो पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान की धरती पर पनप रही है। जिस देश ने कभी आतंक को रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया, वही अब उसकी आग में जल रहा है। लेकिन भारत के लिए यह चेतावनी का घंटा भी है, क्योंकि पाकिस्तान की धरती से संचालित आतंकी संगठन भारत के खिलाफ भी सक्रिय हैं। यदि इस बार इन हमलों में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों का हाथ पाया गया, तो भारत निश्चित रूप से जवाबी रुख अपनाएगा। पाकिस्तान को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेतावनी भी समय समय पर दी कि जोकि तुम आतंकवाद के पनाहगाह बने हो। एक दिन ये आतंकी संगठन तुमको ही रुलायेंगे। और पाकिस्तान में यही हो रहा है। आतंकी सरगना को एक एक कर मौत के घाट उतारने वाली घटना पूर्व में बनी है लेकिन पाकिस्तान सुधरने वाला नहीं है तब उसके जेहन में उतरता ही नही है। आतंकी फैक्टरियां पाकिस्तान में सक्रिय है इस बार फिर से पाकिस्तान की धड़कने बढ़ गई है। उसने गुस्ताखी की होगी

और आतंकी संगठनों की संलिप्तता होगी तो पाकिस्तान की हालत खराब होगी। पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान लगातार आतंकवादी हिंसा से जूझ रहा है। खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान और यहां तक कि इस्लामाबाद जैसे संवेदनशील इलाकों में भी आत्मघाती हमलों की श्रृंखला बढ़ी है। पाकिस्तान तालिबान, इस्लामिक स्टेट-खुरासान, और लश्कर-ए-झंगवी जैसे संगठनों ने कई हमलों की जिम्मेदारी ली है। हालिया आत्मघाती हमले में 12 निर्दोष नागरिकों की मौत और दर्जनों के घायल होने से यह स्पष्ट है कि पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह नाकाम हैं। आतंकी अब सरकारी प्रतिष्ठानों, पुलिस थानों और सैन्य ठिकानों तक को निशाना बना रहे हैं। यह आतंकी लहर अब सिर्फ सीमित इलाकों में नहीं, बल्कि पूरे देश में फैल चुकी है। पाकिस्तान में आतंकवाद कोई नई समस्या नहीं है। यह उसी बीज का परिणाम है जिसे दशकों पहले रणनीतिक गहराई के नाम पर बोया गया था। 1980 के दशक में अफगान युद्ध के दौरान पाकिस्तान ने अमेरिकी सहायता से मुजाहिदीनों को पनाह दी। बाद में वही मुजाहिदीन तालिबान और अन्य आतंकी संगठनों में बदल गए।पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने इन आतंकियों को भारत विरोधी नीतियों में मोहरा बनाकर इस्तेमाल किया। जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियाँ, मुंबई हमला (2008), पठानकोट, उरी, पुलवामा जैसे हमले इन्हीं नीतियों का परिणाम हैं। अब वही आतंक पाकिस्तान की सीमाओं के भीतर पलटवार कर रहा है। पाकिस्तान इस समय गहरी आर्थिक मंदी से गुजर रहा है। विदेशी कर्ज, महंगाई और बेरोजगारी ने जनता को त्रस्त कर रखा है। ऐसे हालात में आतंकवाद न केवल सुरक्षा के लिए बल्कि आर्थिक स्थिरता के लिए भी खतरा बन गया है। विदेशी निवेशक पाकिस्तान से दूर भाग रहे हैं। पर्यटन उद्योग ठप है। आतंकवादी गतिविधियों ने व्यापारिक गलियारों और परियोजनाओं, जैसे कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा को भी अस्थिर कर दिया है। चीन भी अब पाकिस्तानी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहा है क्योंकि उसके नागरिक भी आतंकी हमलों का शिकार हुए हैं। पाकिस्तान में बढ़ती आतंकी गतिविधियाँ भारत के लिए भी चिंता का विषय हैं। भारत के सुरक्षा तंत्र को इस बात की जानकारी है कि पाकिस्तान की धरती पर सक्रिय संगठन जैसे लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिज्बुल मुजाहिदीन, और तहरीक-ए-तालिबान – फिर से १ँ१ङ्क४स्त्र करने की कोशिश में हैं।इन संगठनों के इशारे पर भारत में भी आतंकी नेटवर्क सक्रिय हो सकते हैं।जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात जैसे सीमावर्ती राज्यों में इनकी घुसपैठ की कोशिशें पहले से चल रही हैं। सोशल मीडिया और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से इन संगठनों की फंडिंग और भर्ती के नए रास्ते खुले हैं।हाल के वर्षों में एनआईए और एटीएस ने कई मॉड्यूल का पदार्फाश किया है जो पाकिस्तानी हैंडलर्स से निर्देश ले रहे थे। इसलिए पाकिस्तान में हुई आतंकी घटनाएं भारत के लिए केवल एक पड़ोसी देश की समस्या नहीं, बल्कि अपनी सुरक्षा का पूर्व संकेत हैं। भारत का अब तक का जवाब सर्जिकल और एयर स्ट्राइक नीति रहा है।अगर पाकिस्तान आतंकी के इशारों पर दिल्ली में बम ब्लास्ट हुआ होगा तो पाकिस्तान की हालत बदतर होने वाली है।भारत उसे छोड़ेगा नही। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में आतंक के खिलाफ नई नीति अपनाई है। 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक , 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब आतंकी हमलों का जवाब सिर्फ कूटनीतिसे नहीं, बल्कि कार्रवाईसे देगा। अगर पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों का इस बार के हमले में भी हाथ पाया गया, तो भारत के लिए जवाबी कार्रवाई के विकल्प खुले हैं। भारत के रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि अब आतंक को सिर्फ सीमा पार रोकना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके स्रोत पर प्रहार जरूरी है।इसके साथ ही भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान को अलग-थलग करने की रणनीति भी अपनाई है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स में पाकिस्तान को ग्रे लिस्टह्न में डालने में भारत की भूमिका निर्णायक रही। कई विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तान के आतंकी संगठन जानबूझकर भारत के साथ तनाव बढ़ाना चाहते हैं। जब भी पाकिस्तान में राजनीतिक या आर्थिक संकट गहराता है, तब वहां के आतंकी समूह किसी बड़े हमले की साजिश रचते हैं ताकि जनता का ध्यान असली समस्याओं से हटाया जा सके। वर्तमान में पाकिस्तान की राजनीति अस्थिर है । चुनावी अनिश्चितता, सेना की बढ़ती भूमिका, और इमरान खान समर्थकों का विरोध प्रदर्शन। ऐसे माहौल में आतंकी गुटों को खुली छूट मिल जाती है। अगर भारत ने जवाबी कार्रवाई की, तो पाकिस्तानी सत्ता वर्ग इसे राष्ट्रीय एकता के नाम पर अपने पक्ष में भुना सकता है। इसीलिए भारत को संतुलित लेकिन दृढ़ रणनीति अपनानी होगी। भारत में भी कुछ आतंकी मॉड्यूल और संगठन पाकिस्तानी इशारों पर सक्रिय पाए गए हैं। एनआईए और पुलिस ने कई बार स्लीपर सेल का भंडाफोड़ किया है। इन समूहों के सदस्य सोशल मीडिया के जरिये कट्टरपंथी विचारधाराओं से प्रभावित होकर भर्ती किए जा रहे हैं। कश्मीर घाटी में उभरते स्थानीय आतंकियों को सीमापार से हथियार और धन मिलता है। वहीं, बड़े शहरों में लोन वुल्फ हमलों का खतरा भी बना रहता है। इसके अलावा, रोहिंग्या घुसपैठ और अवैध शरणार्थियों के आधार कार्ड बनाए जाने जैसी घटनाओं से भी सुरक्षा तंत्र चिंतित है, क्योंकि यह आतंकी संगठनों को छिपने और घुलने-मिलने का अवसर देती हैं। अमेरिका और यूरोप के कई देश पाकिस्तान पर पहले ही दबाव बना चुके हैं कि वह आतंकियों को पनाह देना बंद करे।

एग्ज़िट पोल की सटीकता: डेटा और लोकतंत्र का नया भरोसा !

- सोनम लववंशी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 ने भारतीय चुनावी राजनीति को एक नया सबक दिया है। यह कि वैज्ञानिक तरीके से किया गया एग्ज़िट पोल न केवल संभावनाओं का अनुमान होता है, यह लोकतांत्रिक व्यवहार को समझने का विश्वसनीय उपकरण भी बन सकता है। यह वही बिहार है जिसे अक्सर विश्लेषकों की परीक्षा लेने वाला प्रदेश कहा जाता है। 2015 में जहाँ एग्ज़िट पोल की भविष्यवाणियाँ औंधे मुँह गिरीं और 2020 में भी कई एजेंसियाँ ठीक निशाने पर नहीं बैठ पाईं, वहीं 2025 का चुनाव अलग कहानी कहता है। इस बार डेटा ने राजनीति को पीछे नहीं छोड़ा, बल्कि राजनीति ने डेटा की समझ को सम्मान दिया। सबसे पहले बात करते हैं कामख्या एनालिटिक्स की। इस एजेंसी ने एनडीए को 167187 सीटों की रेंज दी थी और आखिरकार असल नतीजे इसी दायरे में आ टिके। यह महज किस्मत नहीं थी, यह था गहरे रिसर्च का, बारीक सैंपलिंग का और जमीन की नब्ज पकड़ने की कला का परिणाम। बिहार जैसा समाज जहाँ जाति, क्षेत्र, स्थानीय मुद्दे और नेतृत्व की धारणा एक साथ वोटर की पसन्द को आकार देते है। वहाँ किसी भी सर्वे में सटीक अनुमान लगाना आसान नहीं होता। लेकिन कामख्या की कड़ी डेटा-मॉडलिंग ने दिखा दिया कि जब शोध ईमानदार हो तो अनुमान भी वास्तविकता के करीब पहुँच जाते हैं। मेट्राइज और टुडेज चाणक्य ने भी एनडीए को आरामदायक बहुमत दिया था। दोनों के अनुमानों का केन्द्र-बिन्दु लगभग वही रहा, जो बाद में ईवीएम के आंकड़ों में नजर आया। खासकर चाणक्य की बात जिसकी एग्ज़िट

पोल मॉडलिंग लंबे समय से उच्च सटीकता के लिए जानी जाती है। इस बार भी अपनी प्रतिष्ठा पर खरी उतरी। महागठबंधन (एमजीबी) के लिए इन एजेंसियों ने जो सीट-रेंज दी थी– कामख्या का 5474, मेट्राइज का 7090 और चाणक्य का 6589 वह भी अंतिम परिणामों से मेल खाती दिखी। इससे स्पष्ट होता है कि इस बार किसी एजेंसी ने अतिशयोक्ति नहीं की, सबने दोनों पक्षों की ताकत-दुर्बलता को तटस्थता से समझा। छोटे दलों की सीटों का अनुमान लगाना आमतौर पर सबसे कठिन काम होता है। इनके वोट अक्सर बिखरे होते हैं, बोथ पोलिंग बूथ पर छोटे-छोटे उतार-चढ़ाव इनके प्रदर्शन को बदल सकते हैं। फिर भी मेट्राइज ने जेएसपी/जेएसयूपी को ठीक 5 सीटें दीं और एक्सिस माय इंडिया ने 02 की रेंज। वास्तविक नतीजे भी लगभग इन्हीं अनुमानों के आसपास रहे। यह चुनाव-सर्वेक्षण की विश्वसनीयता के लिए एक मजबूत संकेत है कि छोटे दलों की भविष्यवाणी भी अब ह्यअनिश्चितह्न नहीं, ह्यसंभवह्न होने लगी है। पीपल्स पल्स ने एनडीए के लिए 133159 और एमजीबी के लिए 75101 जैसी व्यापक रेंज दी थी। रेंज भले ही बड़ी थी, पर दिशा सही थी। भास्कर एग्ज़िट पोल ने भी राज्य में बहुमत की हवा को बिना ज्यादा विचलन के समझा 145160 / 7391 के आँकड़ों के साथ। दूसरी एजेंसियाँ पी-मार्क, पोलस्ट्रैट, पीपुल्स इनसाइटस चाहे बड़े दायरे में आँकड़े दिए हों, लेकिन सामूहिक रूप से सबकी सूई एक ही दिशा में घूम रही थी एनडीए की ओर। चुनाव विश्लेषण में इसे ह्यडेटा-संगतिह्न यानी प्रवृत्ति की स्थिरता कहा जाता है, और 2025 ने इसे नए स्तर पर प्रमाणित किया। इस बार सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि लगभग सभी गंभीर एजेंसियों ने सैंपलिंग को सिर्फ संख्याओं का खेल नहीं माना, सामाजिक यथार्थ से जोड़कर देखा। बूथ चयन पहले की तुलना में अधिक संतुलित रहा। ग्रामीण, शहरी, अर्ध-शहरी और माइग्रेशन-प्रधान इलाकों का व्यवस्थित कवरेज किया गया। डेमोग्राफिक मैपिंग को भी अधिक वैज्ञानिक बनाया गया। जाति आधारित व्यवहार, महिला मतदाताओं की प्राथमिकताएँ, युवा वोटरों की झुकाव, और स्थानीय मुद्दों की तीव्रता; यह सभी कारक विश्लेषण का हिस्सा बने। यही वह कारण है कि इस बार एग्ज़िट पोल्स में विचलन कम और सटीकता अधिक दिखाई दी। चुनाव परिणाम आने के बाद एक और रोचक बात सामने आई। कुछ राजनीतिक हलकों द्वारा फैलाया गया ह्लफेक एग्ज़िट पोलह्न नैरेटिव स्वतः ही ध्वस्त हो गया। जब नतीजे स्क्रीन पर आने शुरू हुए और वे उन्हीं अनुमानों की तरह सामने आने लगे जिन्हें सर्वे एजेंसियों ने पहले ही बता दिया था, तब यह स्पष्ट हो गया कि इस बार डेटा से छेड़छाड़ का आरोप न केवल निराधार था, या चुनावी मानस को भटकाने का प्रयास भर था। जनता ने भी देखा कि अनुमान और वास्तविकता, दोनों एक-दूसरे के समानांतर चलते नजर आए। एग्ज़िट पोल कोई जादू नहीं होते। वे गणित, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, सांख्यिकी और मानव व्यवहार के जटिल संयोग से तैयार होते हैं। उनमें हमेशा एक त्रुटि-सीमा होती है, हमेशा एक अनिश्चितता छिपी होती है। लेकिन अगर वेटेज सही है, सैंपल वास्तविक जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है, और डेटा बिना पूर्वग्रह के एकत्रित किया गया है तो एग्ज़िट पोल न सिर्फ संकेत देते हैं बल्कि राजनीतिक व्यवहार को समझने के ठोस आधार भी बन जाते हैं। 2025 के बिहार चुनाव ने साबित कर दिया कि भारतीय मतदाता अब ह्लअनपेक्षितह्न नहीं रहा। उसकी पसंद में पैटर्न है, उसकी राजनीतिक स्मृति गहरी है, और उसके मतदान व्यवहार में निरंतरता दिखाई देती है। यह चुनाव विश्लेषकों के लिए भी संकेत है कि भारत का लोकतंत्र अब भावना और वास्तविकता, दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है। अंततः, यह कहना गलत नहीं होगा कि 2025 का बिहार सिर्फ एक चुनाव नहीं था। यह डेटा और लोकतंत्र की साझेदारी का सबसे परिपक्व उदाहरण बनकर सामने आया। इसने यह विश्वास मजबूत किया है कि अगर मॉडलिंग वैज्ञानिक हो, सैंपलिंग प्रतिनिधिक हो, और डेटा ईमानदार हो, तो एग्ज़िट पोल केवल अनुमान नहीं, लोकतांत्रिक समझ का भरोसेमंद आईना बन सकते हैं।

आंखों की देखभाल के लिए रेटिनोपैथी जरुरी

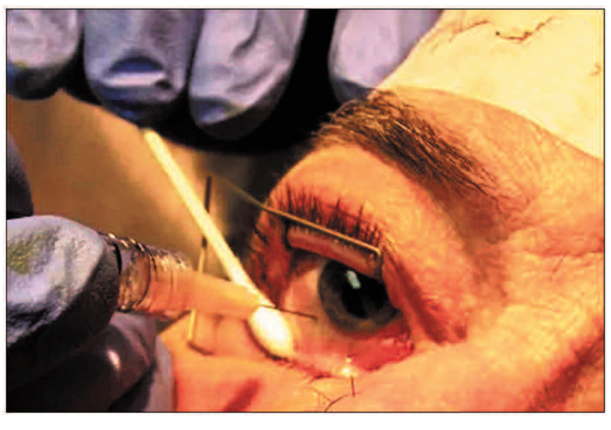

जरूरी डायबिटीज से ग्रस्त लोगों में से लगभग 40 फीसदी डायबिटीज जनित रेटिनोपैथी से भी पीड़ित होते हैं। आंखों की देखभाल के लिए डायबिटीज जनित रेटिनोपैथी की जांच जरूरी है। डायबिटीज जनित रेटिनोपैथी स्मॉल ब्लड वैसल्स को नुकसान पहुंचने से होती है। ये ब्लड वैसल्स ही रेटिना को न्यूट्रिशंस पहुंचाती हैं। क्षतिग्रस्त होने पर इनमें से रक्त और अन्य तरल पदार्थो का रिसाव होने लगता है, जिससे रेटिना के टिश्यूज में सूजन आ जाती है और नजर धुंधलाने लगती है। यह स्थिति आमतौर पर दोनों आंखों को प्रभावित करती है। हालांकि डायबिटीज जनित रेटिनोपैथी हमेशा से ही डायबिटीज से जुड़ी एक बड़ी परेशानी रही है, लेकिन हाल के वर्षों में इसके मामलों में वृद्धि देखने में आ रही है। यदि समय पर उचित कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और अधिक खराब हो सकती है। डायबिटीज जनित रेटिनोपैथी को डायबिटीज पीड़ितों में अंधेपन का प्रमुख कारण माना जाता है। हालांकि, यह एक ऐसी स्थिति है, जिसे ठीक किया जा सकता है और होने से रोका भी जा सकता है। कुछ कारक जो इस स्थिति को बढ़ाते हैं, उनमें प्रमुख हैं- ग्लाइसेमिक नियंत्रण में कमी, हाई ब्लकड प्रेशर और हाई कोलेस्ट्रॉल स्तर। ज्यादातर रोगियों में, डायबिटीज जनित रेटिनोपैथी आमतौर पर एकदम से पता नहीं चल पाती, यानी इसके लक्षण हल्के होते हैं। इस कारण से, डायबिटीज पीड़ित लोग इस बात से तब तक अनजान रहते हैं, जब तक कि रोग बढ़ नहीं जाता। खोया हुआ विजन बहाल नहीं हो सकता। इसलिए, यह आवश्यक है कि डायबिटीज पीड़ित व्यक्ति रेटिनोपैथी का पता लगाने के लिए नियमित रूप से जांच कराते रहें। नजर खोने और कमजोर होने से रोकने के लिए शुरू में ही ध्यान देना महत्वपूर्ण है। आई डिजीज की सूची में डायबिटीज जनित रेटिनोपैथी भी एक है। यह इंटरनेशनल एजेंसी फॉर दि प्रीवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस की प्राथमिकता सूची में भी सम्मिलित है। हालांकि बीमारी बढ़ने के बाद ही इसके लक्षण दिखाई देते हैं, लेकिन कुछ सामान्य लक्षण भी हैं जैसे कि दृष्टि में धुंधलापन, आंखों के पास धब्बे, दोहरी दृष्टि और आंखों में दर्द। लेजर सर्जरी का इस्तेमाल करके अक्सर इसका इलाज किया जाता है, लेकिन डायबिटीज के प्रत्येक चरण में रेटिनोपैथी का उपचार एक अलग तरीके से किया जा सकता है।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन कार्यक्षेत्र में अच्छा गुजरने वाला है। भाग्य का आज के दिन साथ मिलेगा।	**तुला** प्रतियोगिता में उपलब्धि मिलेगी। इस दौरान आय के नए स्रोत बनने से आर्थिक लाभ होगा।
वृषभ दिन परिवार के साथ सुखद बीतेगा। दोपहर तक भाग्य का साथ मिलेगा और शुभ समाचार भी मिलेगा।	**वृश्चिक** आज आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। इससे धन, सम्मान, यश और कीर्ति में वृद्धि होगी।
मिथुन किसी बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति की प्राप्ति की आपकी इच्छा पूरी हो सकती है।	**धनु** आज घर के लिए जरूरी सामानों पर धन खर्च होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।
कर्क राशि पर बृहस्पति का द्वादश होकर परिभ्रमण अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति कराएगा।	**मकर** आज व्यावसायिक क्षेत्र में मन मुताबिक लाभ होगा। इससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।
सिंह राजनीतिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। संतान के प्रति दायित्व भी आज के दिन पूरे होंगे।	**कुंभ** द्वितीय स्थिति के कारण पत्नी को अकस्मात शरीर कष्ट होने के संकेत दिख रहे हैं।
कन्या आज कार्यक्षेत्र में लाभ होगा। परिवार में किसी मंगल कार्य के होने से खुशी मिलेगी।	**मीन** आज वैवाहिक जीवन आनन्द दायक बीतेगा। आज पास व दूर की यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

विशेष

महिलाओं के सामने मोदी की नहीं चलती

बिहार के चुनाव परिणाम एनडीए के पक्ष में आए हैं। मोदी जी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है जो नेहरू जी भी नहीं कर पाए थे। जीत का जश्न मनाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, अगली बारी पश्चिम बंगाल की है। उन्होंने ममता बनर्जी को सीधे-सीधे चुनौती दे दी है। राजनीति में जानकारों का कहना है, प्रधानमंत्री मोदी कभी महिलाओं से नहीं जीत पाते हैं। वह मायावती, ममता बनर्जी और जय ललिता से हमेशा लड़ाई में हारे हैं। वह अपनी पत्नी जसोदा बैन से कभी नहीं जीत पाए। पत्नी से हमेशा दूर रहे। जब तक उनकी मां थी, तब तक वह मोदी जी की रक्षा कर रही थी। अब मोदी जी की मां भी नहीं रही। ऐसी स्थिति में उन्हें महिलाओं से सतर्क रहना चाहिए।

बिहार में किसका जादू चला?

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की ओर से दो प्रमुख चेहरे थे। एक चेहरा नीतीश कुमार का था। दूसरा चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का था। क्या इन दोनों का जादू बिहार में चला है? इसको लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक जीत की कल्पना दोनों ने नहीं की थी। इसके बाद भी यदि चुनाव परिणाम एनडीए इंडिया गठबंधन को 202 सीटों पर जीत मिली। उसके बाद इस जादू के जादूगर ज्ञानेश कुमार को बधाई देना तो बनती ही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देरी नहीं की, ज्ञानेश कुमार को जीत की बधाई दे दी। मोदी जी किसी का कर्ज अपने पास रखते नहीं है। यह बात अब सबको समझ मे आनी चाहिए।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1727: महाराजा जयसिंह द्वितीय ने जयपुर शहर की स्थापना की। 1772: पेशवा माधवराव प्रथम के स्थान पर नारायण राव ने गद्दी संभाली। 1948: पटना के पास नारायणी नदी में स्टीमर डूब जाने से पांच सौ व्यक्ति मारे गए। 1955: सोवियत नेता मार्शल बुल्गानिन और निकिता कुश्चेव भारत आए। 1970 :चीन ने सोवियत संघ में अपना राजदूत मनोनीत किया। 1972: बाघ को भारत का राष्ट्रीय पशु घोषित किया गया। 1976: इथोपिया में सैनिक सरकरा के खिलाफ साजिश के आरोप में 27 जनों को मौत की सजा दी गयी। 1977: मिस्त्र के राष्ट्रपति अनवर सादात द्वारा इजरायल यात्रा का निमंत्रण स्वीकार करने के बाद एथेन्स और बेरुत में मिस्त्री दूतावासों पर हमले हुए। 1978: गुयाना में एक समुदाय के 900 लोगों ने आत्महत्या की।

दैनिक पंचांग

18 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	वृश्चिक	06.08 ब.से
चंद्र	तुला में	धनु	08.28 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.33 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.19 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	13.52 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.23 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.03 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.01 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.14 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		सिंह	23.30 बजे से
		कन्या	01.42 बजे से
		तुला	03.53 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 322 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 07.13 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** स्वाती अहोरात्र। **योग** आयुष्मान 08.09 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 07.13 बजे तदनन्तर विष्टि 20.28 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 19° 14' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872532 **जूलियन दिन** 2460997.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 26 **विशेष** मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

झारखंड कांग्रेस का दावा: बिहार में 50-55 लाख वोटर ट्रेन से लाए, एक पर 5 हजार खर्च

रांची, एजेंसी। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अतुल लोढ़े ने बिहार चुनाव परिणाम और देश के अन्य राज्यों के चुनावों में परिणाम पर आधारित सवालों का जवाब देते हुए कहा कि 50-55 लाख लोग ट्रेन से लाए गए। एक-एक व्यक्ति पर 4-5 हजार रुपये खर्च किए गए। बहुत सारी चीजें चुनाव में सबकी आंखों के सामने है। महाराष्ट्र चुनाव के पूर्व हम लोग केंद्रीय चुनाव आयोग से मिलने गए थे और उनसे डुप्लीकेट वोटरों का नाम काटने का आग्रह किया। लेकिन आयोग के अध्यक्ष हमपर ही भड़क गए। कानून की धमकी देकर हमें चुप कराने की कोशिश की। जब हमने बताया कि मैं खुद वकील हूं तो वे बिफर गए और हम जो विज्ञप्ति लेकर गए थे, उसे छीन लिया। फोटो खिंचवाने के लिए भी तैयार नहीं हुए। यह एक उदाहरण है कि चुनाव आयोग कैसे काम करता है।

पारा नौ डिग्री पर, झारखंड में शीतलहरी को लेकर येलो अलर्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड के 10 जिलों में शीतलहर का प्रकोप है। सोमवार को भी राजधानी समेत कई जिलों का पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने का अनुमान है। राजधानी रांची का पारा सामान्य से करीब चार डिग्री कम रहा। शनिवार को न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस के आसपास था, जो रविवार को नौ डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सोमवार को भी न्यूनतम तापमान इसी के आसपास रहने का अनुमान है। अभी मौसम शुष्क रहेगा। बारिश या बादल का अनुमान नहीं है। सुबह में कहीं-कहीं कोहरा रह सकता है। मौसम केंद्र ने पूर्वानुमान किया है कि राज्य के 10 जिलों में शीतलहर का प्रकोप रहेगा। इनमें गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, रामगढ़, रांची, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा और लातेहार शामिल हैं। इसको लेकर मौसम केंद्र ने येलो अलर्ट जारी किया है। डालटनगंज का न्यूनतम तापमान 8 ।5 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि चाईबासा का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। मौसम विभाग रांची ने बताया कि 17 नवंबर के बाद पारा चढ़ेगा। इससे लोगों को कुछ राहत मिल सकती हे। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा है कि ठंड बढ़ने पर फ्लू, नाक बंद होने और नाक से खून आने जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। लोगों को सलाह दी गई है कि लंबे समय तक ठंड में न रहें, शरीर को ढककर रखें और कंपकंपी को हल्के में न लें। बहुत ज्यादा ठंड में शीतदंश से त्वचा पीली, कठोर और सूखी हो सकती है।

ऑक्सीजन सपोर्टेड बेड फुल, इमरजेंसी के ऑब्जर्वेशन में घंटों रखे जा रहे मरीज

धनबाद, एजेंसी। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में ऑक्सीजन सपोर्टेड सभी बेड फुल होने से मरीजों के साथ ही परिजनों की भी परेशानी बढ़ गयी है। इधर, इमरजेंसी में सांस लेने में दिक्कत वाले मरीजों की संख्या बढ़ गयी है। बेड के अभाव में ऐसे मरीजों को घंटों ऑब्जर्वेशन रूम में रखा जा रहा है। कोई उपाय नहीं होने पर बाद में सिलिंडर की मदद से उन्हें ऑक्सीजन लगाया जा रहा है। इमरजेंसी में हर दिन 10 से अधिक मरीज सांस लेने की संख्या को लेकर पहुंच रहे हैं। मरीजों की संख्या की तुलना में मेडिसिन विभाग में बेड नहीं हैं। ऐसे में दूसरे विभाग के बेड में मरीजों को रखने की व्यवस्था की गयी है, लेकिन वहां ऑक्सीजन का कनेक्शन नहीं है। इससे मरीज व उनके परिजन परेशान हो रहे हैं। दुखहरणी मंदिर के पास रहने वाली 75 साल की पार्वती देवी की तबीयत अचानक बिगड़ गयी। वह बाथरूम जाते वक्त गिर गयीं। परिजन आनन-फानन में उन्हें नजदीक के निजी अस्पताल में ले गये। वहां प्राथमिक उपचार कर उन्हें एसएनएमएमसीएच रेफर कर दिया। यहां पहुंचने पर उन्हें ऑब्जर्वेशन रूम में रखा गया और ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया। बाद में परिजनों को बताया गया कि ऑक्सीजन सपोर्टेड बेड खाली नहीं है। खाली होने पर ही बेड मिल पायेगा। इससे पहले से एक बुजुर्ग भी इसी कमरे में थे। उन्हें भी सांस लेने में दिक्कत थी।

प्रेमिका ने बरवाअड्डा थाना में दर्ज करायी शिकायत

बरवाअड्डा, एजेंसी। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के भेलाटांड़ में प्रेम-प्रेमिका का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मामले को लेकर दोनों पक्षों के लोग रविवार को फिर भिड़ गये। देर शाम तक दोनों पक्षों के लोग थाना में जमे रहे। इस संबंध में प्रेमिका ने बरवाअड्डा थाना में प्रेमी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज करायी है। आवेदन में प्रेमिका ने कहा है कि दो वर्षों से प्रेम-प्रसंग चल रहा है। प्रेमी हमेशा वीडियो काल व चैटिंग कर मुझसे बात करता था। शनिवार की शाम प्रेमी घर आया, तो उसे मेरे परिजनों ने देख लिया। फिर प्रेमी ने परिजनों से कहा कि वह शादी करना चाहता है। फिर उसने मेरे मांग में सिंदूर डाल दिया। वह लगातार शादी का प्रलोभन देकर मुझसे शारीरिक संबंध बना रहा था। अब वह अपने परिजनों के दबाव में आकर शादी करने से इनकार कर रहा है। वह मेरी निजी तस्वीर व वीडियो बनाकर सोशल साइट में डालने की धमकी भी दे रहा है ।वहीं प्रेमी ने कहा कि उससे फेसबुक के माध्यम से दोस्ती हुई थी। उसके बुलाने पर वह घर पहुंचा तो घरवालों व ग्रामीणों ने पकड़ कर मारपीट की और जबरन प्रेमिका की मांग में सिंदूर डलवा दिया।

कापासारा में अवैध कोयला खनन के दौरान हादसा, चाल गिरने से 1 की मौत और 4 घायल

मुगमा, एजेंसी। ईसीएल मुगमा क्षेत्र की बंद कापासारा आउटसोर्सिंग परियोजना में रविवार की सुबह करीब सात बजे मुहाने के अंदर अवैध कोयला उत्खनन के दौरान चाल गिरने से पश्चिम बंगाल के नियामतपुर क्षेत्र के अंकुनबगान निवासी 45 वर्षीय मनोज कोइरी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

सभी घायल पश्चिम बंगाल के कुल्टी, नियामतपुर आदि क्षेत्र के रहने वाले हैं। इस घटना के बाद अवैध कोयला उत्खनन करने वालों में भगदड़ मच गई। वे लोग किसी तरह से जान बचाकर निकल गए। सभी घायलों का इलाज पश्चिम बंगाल के अस्पतालों में कराया जा रहा है।

घटना के बाद आउटसोर्सिंग परियोजना में सन्नाटा पसर गया है। हालांकि, इस घटना के बाद पूर्व की तरह ही इस बार भी कोलियरी प्रबंधन व निरसा पुलिस ने घटना से इनकार किया है।

रविवार की सुबह दर्जनों की संख्या में लोग कापासारा आउटसोर्सिंग परियोजना के पश्चिम दिशा की ओर बने मुहाने के अंदर जा कर अवैध रूप से कोयला काट रहे थे। इसी दौरान अचानक चाल गिर गई और इसकी चपेट में आने से मनोज कोइरी की मौत हो गई। उसके साथ कोयला काट रहे चार अन्य लोग मलबे में दबकर घायल गए।

सहयोगियों ने सभी घायलों को मलबे से निकाल कर ले भागे। परंतु मृतक मनोज के शव को मुहाने के अंदर ही छोड़ दिया। घटना की खबर पाकर दिन के करीब 11 बजे नियामतपुर से पहुंचे मृतक के स्वजन अपने कुछ साथियों के साथ मुहाने के अंदर जाकर कर शव को निकाला।

शव को देखकर मृतक के पुत्र ढुलमूल कोइरी व स्वजन दहाड़ मारकर रोने लगे। इससे माहौल गमगीन हो गया। बाद में स्वजन मृतक के शव को चारपहिया वाहन से घर ले गए।

अवैध कोयला उत्खनन के दौरान चाल गिरने से हुई मौत की सूचना पाकर कापासारा कोलियरी के माइनिंग सरदार इंद्रजीत सिंह, ओवरमैन अरुण सिंह व गार्ड पहुंचे।

उन्होंने बताया कि चाल गिरने की घटना हुई है, मगर इसमें किसी के मरने की बात सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि कापासारा के जिस मुहाने से अवैध कोयला उत्खनन किया जा रहा है उसकी सोमवार को भराई करा दी जाएगी।

अवैध खनन में चाल धंसने से युवक की मौत, चार घायल

धनबाद, एजेंसी। इसीएल मुगमा क्षेत्र के बंद पड़ी कापासारा ओसीपी में रविवार की सुबह करीब सात बजे अवैध कोयला उत्खनन के दौरान चाल गिरने से एक व्यक्ति की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अवैध खनन कर रहे अन्य लोगों ने मुहाने से बाहर निकालकर पश्चिम बंगाल ले गये। जहां गुप्त रुप से इलाज किया जा रहा है। वहीं मृतक का शव लेने के लिए पूर्वाह्न लगभग 11 बजे उसका पुत्र अपने परिजनों व अन्य साथियों के साथ घटना स्थल पहुंचा। इसके बाद कड़ी मशक्कत के बाद शव को मुहाने के अंदर लगभग सौ फुट से निकालकर कार से घर लेकर चला गया। मृतक मनोज कोयरी लगभग (46) पश्चिम बंगाल के नियामतपुर स्थित आंकन बगान का रहने वाला बताया जाता है। इसीएल प्रबंधन व पुलिस घटना से इंकार कर रही है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि प्रतिदिन की तरह आज अहले सुबह दर्जनों की संख्या में लोग कापासारा के बंद ओसीपी में कोयले का उत्खनन करने पहुंचे। लगभग सात बजे मुहाने के अंदर अवैध खनन के दौरान भारी मात्रा में मलवा भरभरा कर ऊपर से गिर गया। मलवा गिरने पर लगभग पांच लोग इसके चपेट में आ गये। जिसमें तीन लोगों गंभीर रुप से घायल हो गये। तीनों घायलों को आनन फानन में अन्य खनन करने वाले लोगो ने बाहर निकालकर इलाज के लिए बंगाल ले कर चले गये। वहीं एक व्यक्ति मलवे के काफी अंदर दब गया।

चान्हो के लुरूंगी में हाथी को भगाना पड़ा युवक को महंगा, पटक कर ले ली जान, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

चान्हो, एजेंसी। चान्हो थाना क्षेत्र के लुरूंगी गांव में जंगली हाथी को भगाने एक एक 40 वर्षीय किसान छोटन मुंडा को जंगली हाथी पकड़कर पटक-पटककर मार डाला। घटना शनिवार की रात की है। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को सरकारी नौकरी देने, उचित मुआवजा देने और जंगली हाथियों के प्रकोप से छुटकारा दिलाने की मांग को लेकर रविवार की सुबह एनएच-75 रांची-डालटनगंज मार्ग को जाम कर दिया।

चान्हो पुलिस ने ग्रामीणों को समझाने के बाद और वन विभाग द्वारा 25 हजार रुपये की तात्कालिक सहायता राशि उपलब्ध कराने के साथ-साथ अन्य मांगों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन देने के बाद लगभग दो घंटे बाद जाम हटाया गया।

जानकारी के अनुसार लुरूंगी जंगल के निकट 22 जंगली हाथियों का एक झुंड पिछले कई दिनों से डेरा डाले हुए था। इससे आसपास की खेती और धान की तैयार फसल को नुकसान पहुंच रहा था।

शनिवार की रात जब हाथियों के झुंड को धान के खेत में घुसने की सूचना मिली, तो कई गांवों के दर्जनों लोग हाथियों को भगाने के लिए पहुंचे, जिनमें छोटन मुंडा भी शामिल थे। हाथियों को भगाने के दौरान एक हाथी अचानक पीछे मुड़कर ग्रामीणों की ओर दौड़ पड़ा। इस डर से अन्य लोग इधर-उधर भाग गए, लेकिन हाथी ने छोटन मुंडा को पकड़ लिया और उसे मौके पर ही पटककर मार डाला। मृतक छोटन मुंडा पिता अकला मुंडा के चार बच्चों का पिता था।पुलिस ने उसके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। यह घटना ग्रामीणों के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बन गई है, और वे जंगली हाथियों के खतरे से सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

हेमंत सोरेन का नाम लेकर कर्नाटक के डिप्टी सीएम को किया फोन, बोला- बीवी से बात कराओ

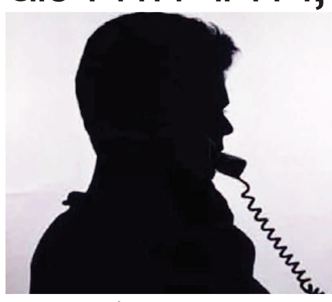

रांची, एजेंसी। रांची में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा खुद को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बताकर देश के प्रमुख राजनीतिज्ञों को फोन कर परेशान करने का मामला सामने आया है।

इस संबंध में मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय, कांके रोड की ओर से गोंदा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कठोर कार्रवाई की मांग की गई है। लिखित शिकायत मुख्यमंत्री के प्राइवेट असिस्टेंट जय प्रसाद द्वारा दी गई है। शिकायत के अनुसार 15 नवंबर की रात 9:50 बजे एक व्यक्ति ने कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को फोन कर न केवल परेशान किया, बल्कि उनकी पत्नी से बात कराने की भी जिद की। शिकायत में कहा गया है कि फोन कॉल की रिकॉर्डिंग पेन ड्राइव में उपलब्ध है, जिसमें यह स्पष्ट सुनाई देता है कि फोन करने वाले आरोपित ने खुद को झारखंड का मुख्यमंत्री बताकर असभ्य और संदिग्ध तरीके से बातचीत कर रहा है। दर्ज शिकायत में यह भी उल्लेख है कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को इसी तरीके से फोन कर परेशान कर किया जा चुका है। ट्रू कॉलर पर मोबाइल नंबर की पहचान अभिजीत न्यू सिम जिम पीटी नाम से हो रही है, जो संदेह को और गहरा करता है। प्राथमिकी में कहा गया है कि इस तरह किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मुख्यमंत्री का नाम लेकर देश के वरिष्ठ नेताओं को परेशान करना अत्यंत निंदनीय है और इससे राज्य के मुख्यमंत्री की छवि को नुकसान पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने थाना प्रभारी से कहा है कि संबंधित व्यक्ति की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाए तथा उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की हरकतों पर रोक लग सके।

कोडरमा में एक ही रात तीन घरों में चोरी, लाखों के जेवर-नकदी लेकर फरार हुए चोर

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत असनाबाद स्थित बैद्यनाथ नगर में लोगों की नींद तब खुली जब तीन घरों में एक साथ चोरी की खबर फैली। बीती रात अज्ञात चोरों ने इलाके में आतंक मचाते हुए लाखों के जेवरात, नकदी और घरेलू सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की यह वारदात इतनी सुनियोजित थी कि चोर घरों में आराम से घंटों बिताते रहे और मौके से फरार भी हो गए।

अनिल साव के घर को पहले बनाया निशाना: गृहस्वामी अनिल साव ने बताया कि वे रविवार को अपने परिवार के साथ नवलशाही स्थित पैतृक गांव में एक समारोह में शामिल होने गए थे। सोमवार की सुबह पड़ोसियों ने फोन कर सूचना दी कि उनके घर का ताला टूटा पड़ा है। जैसे ही अनिल साव पहुंचे, घर का मुख्य दरवाजा खुला मिला। कमरे में प्रवेश करते ही पूरा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। अलमारी टूटी थी और पलंग पर कपड़े बिखरे हुए थे। जांच करने पर पता चला कि अलमारी में रखे तीन लाख रुपए नकद और करीब 30 ग्राम सोने के आभूषण चोरी हो चुके थे। इन जेवरों की अनुमानित कीमत लगभग चार लाख रुपए बताई जा रही है। इसके साथ ही घर से म्यूजिक सिस्टम और अन्य सामान भी गायब मिले।

चोरी की सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि चोरों ने घर में बैठकर शराब पीने के साथ-साथ ड्राई फ्रूट्स और अन्य खाने-पीने की चीजें भी खाईं। किचन में ड्राई फ्रूट्स बिखरे मिले, कच्चा पनीर गायब था और च्यवनप्राश का ढक्कन खुला हुआ था।

दो और घरों में चोरी, एक घर में असफल रहे चोर : इसी मोहल्ले में मनोज कुमार के मकान में किराए पर रहने वाले मनीष कुमार के घर में भी चोर घुसे। मनीष रविवार को छुट्टी पर घर गए हुए थे, इसलिए अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि उनके यहां से कितना सामान चोरी हुआ है। इसके अलावा, चोर एक अन्य घर में भी घुसे, लेकिन मकान मालिक की आंख खुल जाने के कारण चोरी की कोशिश विफल हो गई।

जिले में बढ़ती चोरी से दहशत, पुलिस ने शुरू की जांच : पिछले कुछ महीनों में जिलेभर में दो दर्जन से अधिक चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। एक माह पूर्व स्पेशल ब्रांच के कंप्यूटर ऑपरेटर के घर भी चोरी हुई थी, जिसका अब तक खुलासा नहीं हो सका है। लगातार बढ़ रही घटनाओं से लोग सहमे हुए हैं। तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि पुलिस टीम को मौके पर भेज दिया गया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

'ड्यूटी छोड़कर प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं चलेगी', मंत्री इरफान अंसारी ने डॉक्टरों को दी कड़ी चेतावनी

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने ड्यूटी से गायब रहने वाले चिकित्सकों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ड्यूटी छोड़कर प्राइवेट प्रैक्टिस कतई बर्दाश्त नहीं होगा।

इसमें जीरो टोलरेंस लागू होगा और संबंधित चिकित्सक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होगी। मंत्री ने जामताड़ा में सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत के बाद यह बयान दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य मंत्री जामताड़ा स्थित नारायणपुर के पोस्ता गांव पहुंचे, जहां उन्होंने कहा कि ड्यूटी से गायब रहना छोटी-मोटी गलती नहीं है, ऐसी लापरवाही से विभाग की बदनामी होती है। अब यह बर्दाश्त नहीं होगा।

उन्होंने अस्पताल के अधीक्षक को तुरंत आईसीयू जाकर मरीज की निगरानी का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि निरीक्षण में चिकित्सक गायब मिले तो बिना नोटिस के उसे निलंबित किया जाएगा। सरकारी नौकरी केवल तनख्वाह लेने के लिए नहीं मरीज की जान बचाने के लिए है।

झारखंड के जामताड़ा में शनिवार को हुए भीषण सड़क हादसे में विशाल यादव की मौत हो गई, जबकि उसका भाई गंभीर रूप से घायल है और धनबाद के शाहिद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) में इलाजरत है।

इस दौरान परिजनों ने मंत्री के सामने एसएनएमएमसीएच के डॉक्टरों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि समय पर उचित इलाज न मिलने के कारण विशाल की जान नहीं बच सकी।

रंग-बिरंगे विदेशी पक्षी बढ़ा रहे जमशेदपुर की रौनक, डैम और नदियों के किनारे दिख रहे कई विदेशी पक्षी, वन विभाग रख रहा नजर

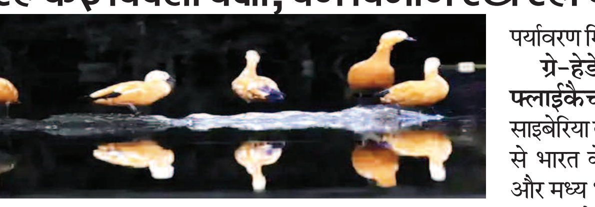

जमशेदपुर, एजेंसी। सर्दियों की शुरुआत के साथ जमशेदपुर और आसपास के क्षेत्रों में प्रवासी पक्षियों का आगमन तेज हो गया है। चांडिल डैम, डिमना लेक, खरकई और सुवर्णरेखा नदी किनारे इन दिनों विदेशी पक्षियों की कई प्रजातियां दिखाई दे रही हैं।

एक दर्जन से अधिक विदेशी प्रजातियों के पक्षी पहुंचे

वन विभाग ने जलाशयों और आसपास के क्षेत्रों में प्रवासी पक्षियों की गतिविधियों पर निगरानी तेज कर दी है, ताकि उनके संरक्षण और सुरक्षित आवास को सुनिश्चित किया जा सके। वन विभाग के अनुसार, इस सर्दी में एक दर्जन से अधिक विदेशी प्रजातियों के पक्षियों का आगमन हुआ है।

ये पक्षी हर साल की तरह यूरोप, अफ्रीका, साइबेरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड सहित कई दूरस्थ देशों से लंबी दूरी तय कर यहां पहुंचे हैं। इनमें यूरेशियन विगॉन, ग्रेट क्रेस्टेड ग्रीब, रूडी शेल्डक, साइबेरियाई रूबी गला, ब्लू-फ्रंटेड रेडस्टार्ट, कॉमन कूट, गुच्छेदार बत्तख, ग्रे-हेडेड कैनरी फ्लाईकैचर और वर्डिटर फ्लाईकैचर जैसी सुंदर प्रजातियां शामिल हैं। पटमदा के प्रभारी वनपाल राजा घोष ने कहा पिछले कुछ वर्षों में प्रवासी पक्षियों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

ग्रेट क्रेस्टेड ग्रीब : यह पक्षी यूरोप, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में पाया जाता है। यूरोप और साइबेरिया में बर्फबारी के कारण ये भारत आ जाती हैं।

रूडी शेल्डक : यह मध्य एशिया और दक्षिण-पूर्वी यूरोप की प्रजाति है। ठंड से बचने और भोजन की उपलब्धता के लिए ये भारत की ओर प्रवास करती हैं। झीलों में इसे पर्याप्त भोजन व सुरक्षित पर्यावरण मिलता है।

ग्रे-हेडेड कैनरी फ्लाईकैचर : यह साइबेरिया व हिमालयी क्षेत्रों से भारत के उप-हिमालयी और मध्य भागों में आते हैं। ठंड बढ़ने पर प्राकृतिक आवासों में भोजन कम हो जाता है।

क्यों आते हैं प्रवासी पक्षी : पक्षी विशेषज्ञ डॉ. सम्स खान बताते हैं कि प्रवासी पक्षी अपने मूल निवास क्षेत्रों में तापमान गिरने और भोजन की कमी के कारण अनुकूल जलवायु वाले स्थानों की ओर रुख करते हैं। अगस्त से नवंबर के बीच ये पक्षी यूरोप, साइबेरिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे क्षेत्रों से प्रस्थान करते हैं और फरवरी से मई के बीच वापस लौट जाते हैं। जमशेदपुर के जलाशय इन पक्षियों के लिए उपयुक्त तापमान, खुला वातावरण और पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराते हैं। इसलिए हर वर्ष यहां बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी पहुंचते हैं।

झारखंड में नवंबर में ही कड़ाके की ठंड : मैक्लुस्कीगंज 6 डिग्री पर, 11 जिलों में शीतलहर का यलो अलर्ट, कल से राहत की उम्मीद

रांची, एजेंसी। हिमालयी क्षेत्रों में लगातार हो रही बर्फबारी का असर अब झारखंड में साफ दिखने लगा है। जिस तापमान की दस्तक आमतौर पर दिसंबर के दूसरे सप्ताह में होती थी, वह इस बार नवंबर की शुरुआत से ही महसूस की जा रही है। राज्य के कई जिलों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है, जिससे सर्दी का प्रकोप बढ़ गया है। राजधानी रांची की तुलना में आस-पास के इलाकों में ठिठुरन ज्यादा महसूस की जा रही है। खास तौर पर मैक्लुस्कीगंज में हालात और सख्त हैं। यहां रविवार को लगातार दूसरे दिन रात का न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग, रांची केंद्र के अनुसार इस बार ठंड का असर जल्द शुरू हुआ है और कुछ दिनों तक इसी तरह बने रहने की संभावना है। विभाग ने चेतावनी दी है कि राज्य में कम से कम 11 जिलों में शीतलहर की स्थिति बन सकती है। इनमें गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, रामगढ़, रांची, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा और लातेहार शामिल हैं। इन सभी के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

तापमान में लगातार हो रही गिरावट से स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और सुबह-शाम बाहर रहने वाले लोगों पर सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। वहीं, ग्रामीण इलाकों में सुबह धुंध और कोहरा बढ़ने से दृश्यता कम होने लगी है, जिससे आवागमन पर भी प्रभाव पड़ रहा है। चिकित्सकों ने इस मौसम में गर्म कपड़ों का इस्तेमाल बढ़ाने, सुबह की ठंड से बचने और विशेषकर बच्चों व बुजुर्गों को ठंडी हवा से दूर रखने की की सलाह दी है।

अभी कुछ दिन राहत, बर्फबारी के बाद फिर से बढ़ेगी सर्दी : मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के मुताबिक मौसम में अभी उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। क्योंकि, पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी होने या वहां का न्यूनतम तापमान अधिक गिरने की वजह से झारखंड में भी मौसम बदलेगा। इस बार ठंड की एंट्री करीब एक माह पहले हुई है। इसलिए अभी से ही सर्दी सता रही है। अगले तीन से चार दिन ठंड से कुछ राहत मिलेगी। लेकिन इसके बाद फिर तापमान में गिरावट आएगी। इस दौरान बच्चों- बुजुर्गों को ठंड से बचाने की जरूरत हैं।

रांची का पारा लगातार 10 डिग्री के नीचे चल रहा है। ठिठुरन बढ़ गई है। लेकिन गरीबों को राहत देने के लिए खरीदे जाने वाला कंबल अभी फाइल से बाहर नहीं निकला है। इस बार जिला स्तर पर कंबल की खरीदारी होनी है। रांची में 81,297 कंबल की खरीदारी होनी है, लेकिन अभी तक टेंडर भी नहीं निकला है। जबकि, निदेशालय की ओर से राज्य के सभी जिलों के लिए 9,20,245 कंबल की खरीदारी का निर्देश दिया गया है।

इसके लिए 30 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। सभी जिले के डीसी को 15 दिसंबर तक कंबल खरीद कर बांटने का भी टास्क दिया गया है, लेकिन सच्चाई यह है कि टेंडर फाइनल करने में ही कम से कम 15 दिन लगेगा।

घर पर आसानी से उगाया जा सकता है हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से।

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं। मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें। बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

अपने बच्चे को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए करें प्रोत्साहित

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी संसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं। पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय रखें ध्यान

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डे बल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ.आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या संसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

वैश्विक बाजारों से बेहतर प्रदर्शन करेंगे भारत जैसे उभरते देश, गोल्डमैन सैश का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक अनिश्चितताओं और टैरिफ संकट के बावजूद भारत अन्य उभरते इक्विटी बाजारों के साथ बेहतर स्थिति में है। वे वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। गोल्डमैन सैश का मानना है कि आय वृद्धि के दम पर भारत जैसे उभरते बाजार अगले 10 साल में अमेरिका, यूरोप और जापान जैसे बड़े बाजारों से बेहतर प्रदर्शन करेंगे और निवेशकों को 10.9 फीसदी का सालाना रिटर्न देंगे। इस दौरान अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में अमेरिकी शेयर बाजार 6.5 फीसदी, यूरोप 7.1 फीसदी और जापान 8.2 फीसदी का रिटर्न दे सकता है। जापान को छोड़कर एशियाई बाजारों में 10.3 फीसदी की तेजी देखने को मिल सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उभरते बाजारों में वृद्धि का नेतृत्व भारत और चीन करेंगे, जहां प्रति शेयर आय (ईपीएस) में मजबूती देखी जा रही है। आने वाले समय में नीतिगत सुधारों की मदद से दोनों देशों में शेयरधारकों को मिलने वाले रिटर्न में सुधार देखा जा सकता है। एसएंडपी 500 सूचकांक पर गोल्डमैन सैश का मानना है कि यह अगले दशक में सालाना औसतन 6.5 फीसदी का रिटर्न दे सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचे और अनुकूल जनसांख्यिकीय परिस्थितियों के कारण भारत में आय वृद्धि अगले 10 साल में सालाना 13 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से बढ़ेगी। हालांकि, मूल्यांकन अब भी बाधा बना हुआ है, लेकिन यह वैश्विक इक्विटी बाजार के दृष्टिकोण पर हावी नहीं है।

गौतम अडानी ला रहे हैं देश का सबसे बड़ा राइट्स इश्यू

716 रुपये सस्ता मिल रहा शेयर, जानिए डिटेल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का 25,000 करोड़ रुपये का राइट्स ऑफर 25 नवंबर को खुलेगा और 10 दिसंबर को बंद होगा। कंपनी ने यह जानकारी दी है। 11 नवंबर को कंपनी के बोर्ड ने इस राइट्स ऑफर को मंजूरी दी थी। इसके लिए शेयर की कीमत 1,800 रुपये प्रति शेयर रखी गई है, जो उस दिन के शेयर के बंद भाव से 25 प्रतिशत कम है। शुक्रवार को कंपनी का शेयर 1.29 फीसदी तेजी के साथ 2516.85 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी ने यह भी बताया कि शेयरधारकों को पूरी रकम यानी हर शेयर के लिए 1,800 रुपये एक साथ नहीं देनी होगी। वे इसे तीन किस्तों में चुकाएंगे। आवेदन करते समय शेयरधारकों को 900 रुपये देने होंगे। इसके बाद दो और किस्तें होंगी, जिन्हें बाजार की भाषा में फर्स्ट कॉल और सेकंड कॉल कहा जाता है। इन दोनों किस्तों में उन्हें 450-450 रुपये देने होंगे। पहली कॉल की अवधि 12 जनवरी से 27 जनवरी 2026 तक रहने की उम्मीद है। फाइनेंशियल ईयर 2026 में 36,000 करोड़ रुपये कैपेक्स की योजना है। इसमें से 16,300 करोड़ रुपये पहली छमाही में खर्च किए गए हैं। इसमें से 10,500 करोड़ रुपये एयरपोर्ट बिजनेस पर, 6,000 करोड़ रुपये रोड और 9,000 करोड़ रुपये पेट्रोकेमिकल्स और मटीरियल्स पर, 3,500 करोड़ रुपये मेटल्स और माइनिंग पर तथा 5,500 करोड़ रुपये अडानी न्यू इंडस्ट्रीज पर खर्च होंगे। राइट्स इश्यू एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें कोई कंपनी अपने मौजूदा शेयरधारकों को रियायती मूल्य पर अतिरिक्त शेयर खरीदने का अधिकार देती है। कंपनियां इससे जुटने वाली राशि का इस्तेमाल अपने कारोबार के विस्तार करने, ऋण चुकाने या अन्य उद्देश्यों के लिए करती है।

खाद्य पदार्थों पर टैरिफ हटने से किसानों को राहत

निर्यात तीन अरब डॉलर बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में महंगाई रोकने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कई खाद्य पदार्थों को पारस्परिक टैरिफ से बाहर करने के फैसले से भारतीय किसानों को राहत मिल सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि इससे भारतीय कृषि उत्पादों की मांग बढ़ेगी। इसे द्विपक्षीय व्यापक व्यापार वार्ता के लिए एक सकारात्मक संकेत भी माना जा रहा है।

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (एफआईईओ) के महानिदेशक अजय सहाय का कहना है कि टैरिफ छूट से 2.5 अरब डॉलर से तीन अरब डॉलर के बीच निर्यात में इजाफा होगा। उन्होंने कहा, यह आदेश प्रीमियम, विशिष्ट और मूल्यवर्धित उत्पादों के लिए रास्ता खोलता है, जो निर्यातक उच्च-मूल्य वाले क्षेत्रों की ओर रुख करते हैं वे मूल्य दबावों से बेहतर तरीके से सुरक्षित रहेंगे और बढ़ती उपभोक्ता मांग का लाभ उठा सकेंगे।

व्यापार और कृषि निर्यात नीति से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि अब तमाम खाद्य पदार्थों पर दी गई छूट अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के लिए भी एक सकारात्मक संकेत हैं और इस साल टैरिफ वृद्धि से उत्पन्न निर्यात दबाव को कम कर सकती हैं। भारतीय कृषि निर्यात से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ट्रंप के ताजा फैसले से भारतीय किसानों और चाय, कॉफी, काजू तथा फलों और सब्जियों के निर्यातकों को फायदा होगा।

ट्रंप के फैसले किसे राहत?

राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को 200 से ज्यादा खाद्य उत्पादों को टैरिफ की सूची से बाहर कर दिया था क्योंकि अमेरिका में किराना सामान की बढ़ती कीमतों को लेकर उपभोक्ताओं की चिंताएं बढ़ रही थीं। चाय, कॉफी, मसालों और काजू जैसी चीजों पर यूरोपीय संघ और वियतनामी आपूर्तिकर्ताओं पर 15–20 प्रतिशत शुल्क था लेकिन भारतीय निर्यातकों को ज्यादा नुकसान उठाना पड़ रहा था क्योंकि ट्रंप ने कुछ भारतीय वस्तुओं के आयात पर टैरिफ दोगुना करके 50 प्रतिशत तक कर दिया था।

टैरिफ बढ़ाने से घटा था निर्यात

टैरिफ बढ़ाने के बाद सितंबर में अमेरिका को भारतीय वस्तुओं का निर्यात सालाना आधार पर लगभग 12 प्रतिशत घटकर 5.43 अरब डॉलर रह गया था। 2024 में अमेरिका को देश के 87 अरब डॉलर के निर्यात में भारतीय कृषि निर्यात का हिस्सा 5.7 अरब डॉलर होने का अनुमान है। ट्रंप के ताजा फैसले से भारतीय किसानों और चाय, कॉफी, काजू तथा फलों और सब्जियों के निर्यातकों को फायदा होगा।

अब छोटे-छोटे चार्ज बदलेंगे खर्चों का गणित

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आप स्कूल फीस भरने के लिए क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं? क्या आपके पास एयरपोर्ट लाउंज में मुफ्त एक्सेस के लिए एक से ज्यादा क्रेडिट कार्ड हैं? क्या वॉलेट में पैसा क्रेडिट कार्ड से डालते हैं? और क्या ऑफर, रिवॉर्ड या पॉइंट्स के लिए सारी ऑनलाइन शॉपिंग क्रेडिट कार्ड से करते हैं? तो जरा रुकिए। क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में तमाम बदलाव हुए हैं। ये बदलाव खर्च बढ़ाएंगे और फायदे कम करेंगे।

आरबीआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर 2025 में क्रेडिट कार्ड से होने वाला

खर्च 2.17 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह 2020 के बाद सबसे ज्यादा है। हालांकि, सितंबर के पहले तक क्रेडिट कार्ड से खर्च में बड़ी बढ़त नहीं हुई, तो इस बीच कंपनियों ने अपने कई नियम बदल दिए। सितंबर में जीएसटी कटौती और त्योहारी खरीद के कारण क्रेडिट कार्ड से खरीद में रिकॉर्ड उछाल आया।

नए कार्ड की शर्तों और नियमों पर एक नजर

अगर आप नए क्रेडिट कार्ड के लिए अप्लाई करने जा रहे हैं, या अपने मौजूदा कार्ड को रिन्यू करवा रहे हैं... तो पहले अपने मौजूदा कार्ड या नए कार्ड की शर्तों और नियमों पर एक बार नजर दौड़ा लीजिए। कहीं ऐसा न हो, अगले महीने का बिल आपको परेशान कर दे या एयरपोर्ट लाउंज में एंट्री की कोशिश में आपकी किरकिरी हो जाए।

क्रेडिट कार्ड से जुड़े सबसे ताजा बदलाव एसबीआई ने किए हैं। इससे दो करोड़ से ज्यादा कार्ड होल्डर्स प्रभावित होंगे। एसबीआई देश की दूसरी सबसे बड़ी क्रेडिट कार्ड कंपनी है। कुल 11.33 करोड़ सक्रिय क्रेडिट कार्ड में आधे से ज्यादा कार्ड एचडीएफसी, एसबीआई और आईसीआईसीआई बैंक के हैं।

एसबीआई कार्ड ने 01 नवंबर, 2025 से थर्ड पार्टी एप्स (क्रेड, चेक आदि) से स्कूल/कॉलेज फीस के भुगतान और वॉलेट टॉप-अप पर शुल्क लगाने की घोषणा की है। इसी तरह वॉलेट में 1,000 रुपये से ज्यादा जोड़ने पर एक फीसदी शुल्क देना होगा।

बदलावों का क्या असर होगा

क्रेडिट कार्ड नियमों में बड़े बदलावों (जैसे रिवॉर्ड घटना, शुल्क लगना, और लाउंज एक्सेस शर्तों में बदलाव) के बाद, आपको अब पहले से कहीं अधिक जागरूक और रणनीतिक होने की जरूरत है। विभिन्न बैंकों और एनबीएफसी ने अपने कार्ड पर विभिन्न सुविधाओं में कटौती की है या फीस लगाई है। छिपे हुए सरचार्ज वाले कार्डों से बचें

आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स बनाएगी लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर कॉरिडोर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स के शेयर की कीमत 17 नवंबर को कारोबार की शुरुआत में 5 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई। इसका मुख्य कारण यह है कि कंपनी को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से 9,270 करोड़ रुपये का एक नया प्रोजेक्ट मिला है। सुबह 9:40 बजे तक, क्र्स्थ पर कंपनी का शेयर 45.20 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले दिन के मुकाबले 2.29 रुपये यानी 5.34 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। त्रक्क इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट को एनएचएआई से ञ्जह्रञ्ज-17 बंडल के लिए ऑर्डर लेटर मिल गया है। यह प्रोजेक्ट 366 किलोमीटर लंबे लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर कॉरिडोर और लखनऊ-वाराणसी कॉरिडोर के एक हिस्से को कवर करता है। इस प्रोजेक्ट की अनुमानित अवधि 20 वर्ष है। कंपनी ने सितंबर महीने में 556.7 करोड़ रुपये का टोल टैक्स कलेक्ट किया, जो पिछले साल के सितंबर (501.8 करोड़ रुपये) की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। सितंबर 2025 मेंकंपनी का अकेला नेट प्रॉफिट 17.8 प्रतिशत बढ़कर 188.37 करोड़ रुपये हो गया, जो सितंबर 2024 में 159.89 करोड़ रुपये था। कंपनी की आय में भी 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

छप्परफाड़ कमाई, ग्रो स्टॉक ने उड़ाया गर्दा, आईपीओ से 60 प्रतिशत चढ़ा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रो के शेयरों में तूफानी तेजी लगातार देखने को मिल रही है। आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन को स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी के शेयरों में 8 प्रतिशत से अधिक की उछाल देखने को मिली है। जिसके बाद ग्रो के शेयरों का भाव बीएसई में 160 रुपये के पार पहुंच गया। यह इश्यू प्राइस की तुलना में 60 प्रतिशत अधिक है। बता दें, यह लगातार तीसरा कारोबारी दिन है जब ग्रो के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। ग्रो का आईपीओ जब आया था तब कंपनी ने 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया था। तब से अबतक कंपनी के शेयरों में 60 प्रतिशत की तेजी देखने को मिल चुकी है। वहीं, बीएसई में कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 114 रुपये पर हुई थी। कंपनी के शेयरों पर नजर रखने वाले एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस स्टॉक का टारगेट प्राइस 158 रुपये का है। इसके पीछे की वजह कंपनी की वैल्यूएशन और आर्थिक आंकड़े हैं। स्टॉक ब्रोकिंग एप ग्रो के आईपीओ का साइज 6632.30 करोड़ रुपये का था। कंपनी आईपीओ के जरिए 10.60 करोड़ फ्रेश शेयर और ऑफर फार सेल के तहत 55.72 करोड़ शेयर जारी की है। कंपनी का आईपीओ 4 नवंबर से 7 नवंबर तक खुला था। इस आईपीओ का लॉट साइज 150 शेयरों का था। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को 15000 रुपये का इंवेस्टमेंट करना पड़ा था। ग्रो का आईपीओ एंकर निवेशकों से 2984.54 करोड़ रुपये जुटाए थे। एंकर निवेशकों के लिए यह आईपीओ 3 नवंबर को ही ओपन हो चुका था। तीन दिन के सब्सक्रिप्शन के दौरान ग्रो के आईपीओ को 17.60 गुना सब्सक्राइब किया गया था। रिटेल कैटगरी में आईपीओ में 9.43 गुना, क्यूआईबी सेक्शन में आईपीओ को 22.02 गुना और एनआईआई कैटगरी में आईपीओ को 14.20 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

सरकारी बॉन्ड में भारतीय रिजर्व बैंक की हिस्सेदारी बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक की सरकारी प्रतिभूतियों में हिस्सेदारी पिछले एक साल में स्पष्ट रूप से बढ़ी है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार जून 2025 में आरबीआई की हिस्सेदारी बढ़कर 14.2 प्रतिशत हो गई, जो जून 2024 में 11.9 प्रतिशत थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई की ओर से सरकारी बॉन्ड की होल्डिंग में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है, जबकि बैंकों की हिस्सेदारी में कमी आई है। इसके विपरीत, बीमा कंपनियों की हिस्सेदारी लगभग स्थिर बनी हुई है। इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार की ओर से फरवरी 2026 तक हर महीने लगभग एक लाख करोड़ रुपये उधार लेने की उम्मीद है। इसमें मार्च के लिए केवल एक छोटी राशि निर्धारित है। साथ ही अपेक्षाकृत बड़ी स्टेट डेवलपमेंट लोन (एसडीएल)

केंद्र सरकार की अल्पकालिक उधारी से प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं। इससे बाजार में आपूर्ति बढ़ेगी। इसके बावजूद, रिपोर्ट का मानना है कि बॉन्ड प्रतिफल सीमित दायरे में रह सकता है और आने वाले दिनों में इसमें उतार-चढ़ाव हो सकता है। हाल के महीनों में बैंक और म्यूचुअल फंड्स जहां जी-सेक के शुद्ध विक्रेता बने हुए हैं। रिपोर्ट में आरबीआई की विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप गतिविधि को भी रेखांकित किया गया है। केंद्रीय बैंक ने रुपये को अत्यधिक उतार-चढ़ाव से बचाने और सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए अपने मजबूत विदेशी मुद्र भंडार का इस्तेमाल किया। जून से अगस्त 2025 के बीच आरबीआई की ओर से लगभग 14 अरब डॉलर की नेट डॉलर सेल की गई, जिसके परिणामस्वरूप बैंकिंग प्रणाली से करीब 1.2 लाख करोड़ की स्थायी तरलता निकल गई। विदेशी मुद्रा भंडार में आई गिरावट भारत का विदेशी मुद्रा भंडार, जो जून 2025 में 703 अरब डॉलर था, अक्तूबर के अंत तक घटकर 690 अरब डॉलर रह गया। सोने और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) को छोड़कर, इसी अवधि में भंडार 30 अरब डॉलर घटकर 599 अरब डॉलर से 569 अरब डॉलर रह गया। रुपये में जारी कमजोरी के रुझान के बीच रिपोर्ट का आकलन है कि अगस्त के बाद भी आरबीआई का हस्तक्षेप जारी रहा होगा और अब तक यह आंकड़ा 14 अरब डॉलर से अधिक पहुंच चुका होगा।

लॉकर से एफडी तक... बदल गया नॉमिनेशन सिस्टम

जानें किसे बनाएं प्राइमरी और सक्सेसिव नॉमिनी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने 01 नवंबर, 2025 से नए बैंकिंग नॉमिनेशन नियम लागू कर दिए हैं। इस बदलाव का मकसद खाताधारक की मृत्यु के बाद परिवार को पैसा मिलने की प्रक्रिया तेज और आसान बनाना है, ताकि किसी तरह का विवाद या देरी न हो।

नए नियमों के अनुसार, चार नॉमिनी जोड़ने की सुविधा हो गई है। हर खाते में अब ग्राहक प्राइमरी और सक्सेसिव नॉमिनी जोड़ सकेंगे। इससे यह तय होगा कि उसके निधन के बाद बैंक सबसे पहले पैसा किसे देगा और अगर वह व्यक्ति न रहे, तो अगला कौन होगा।

किसे बनाएं प्राइमरी नॉमिनी?: प्राइमरी नॉमिनी वह व्यक्ति होता है, जिसे बैंक सबसे पहले भुगतान

करता है। सक्सेसिव नॉमिनी तभी प्रभावी होता है, जब पहला नॉमिनी जीवित न हो। इस तरह ग्राहक चार नॉमिनी क्रम से जोड़ सकता है। मिनी तय करते समय आप अपने जीवनसाथी या मुख्य आश्रित को प्राइमरी नॉमिनी बनाएं और बच्चों या अन्य रिश्तेदारों को सक्सेसिव नॉमिनी के रूप में रखें। हर बड़े बदलाव, जैसे शादी, बच्चे का जन्म या किसी की मृत्यु, के बाद नॉमिनेशन अपडेट करते रहें।

क्या होगा फायदा?

चार नॉमिनी जोड़ने से कई फायदे होंगे। परिवार को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी, क्योंकि अगर पहला नॉमिनी नहीं है, तो अगला तुरंत अधिकार पा लेगा। बैंक को पहले से पता रहेगा कि पैसा किस क्रम में देना है, जिससे विवाद कम होंगे। आरबीआई ने यह भी तय किया है कि सभी जरूरी दस्तावेज मिलने के 15 दिनों के भीतर बैंक को दावा निपटाना होगा। इससे परिवार को कोर्ट या कानूनी प्रक्रिया के लिए भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। अगर आप चाहते हैं कि आपका पैसा एक साथ दो या ज्यादा लोगों में बांटा जाए, जैसे प प्रतिशती और बेटे को 50-50 फीसदी, तो इसे सिमुल्टेनियस नॉमिनेशन कहा जाता है। और अगर आप चाहते हैं कि पहले प प्रतिशती को मिले, फिर बेटे को और उसके बाद किसी तीसरे व्यक्ति को, तो इसे सक्सेसिव नॉमिनेशन कहा जाएगा।

सिर्फ 400 से 60 लाख का टर्नओवर, 100 वर्ग फीट की जगह से ऐसा क्या काम शुरू किया, भाग्य ही बदल गया

नई दिल्ली, एजेंसी। भोपाल की डॉ. बसु चौधरी ने कमाल कर दिया है। सीमित संसाधनों के साथ उन्होंने सिर्फ 400 रुपये के शुरुआती निवेश से ऐसा उद्यम स्थापित किया जो आज 60 लाख रुपये का सालाना कारोबार कर रहा है। बीएससी पूरी करने के बाद बसु ने भारी पूंजी की जरूरत वाले व्यवसायों से बचकर मशरूम की खेती को चुना। उन्होंने 2011 में हिमाचल प्रदेश के सोलन से 400 रुपये में 5 किलो ऑयस्टर मशरूम के स्पॉन (बीज) खरीदे। अपने घर के एक कमरे में 50 बैग लगाए। इससे उन्हें 30,000 रुपये की आय हुई। ज्ञान को बढ़ाने के लिए उन्होंने एमएससी (बायोटेक्नोलॉजी) में दाखिला लिया। फिर 2014 में राज्य सरकार से 2 लाख रुपये की सब्सिडी लेकर 100 वर्ग फीट की मशरूम स्पॉन लैब स्थापित की। आज वह शीटके, लायन्स मेन, रीशी, और कॉर्डिसेप्स जैसे महंगे और औषधीय मशरूम की किस्में और उनके बीज (स्पॉन) पूरे भारत में बेचकर जमकर कमा रही हैं। आइए,

यहां डॉ. बसु चौधरी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

छोटे ट्रायल से उद्यम की शुरुआत : डॉ. बसु चौधरी ने 2011 में अपनी उद्यमिता यात्रा की शुरुआत की। तब उन्होंने भारी निवेश के बजाय विज्ञान पर आधारित छोटे व्यवसाय को प्राथमिकता दी। उन्होंने सोलन से 5 किलो ऑयस्टर मशरूम स्पॉन 400 रुपये में मंगवाए। फिर अपने घर में गेहूं के भूसे से भरे 50 बैग में इसका प्रयोग किया। इस पहले ट्रायल से उन्हें 150 किलो मशरूम प्राप्त हुए। इन्हें उन्होंने स्थानीय बाजार में 200 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बेचकर 30,000 रुपये कमाए। इस प्रारंभिक सफलता ने उन्हें प्रेरित किया। 2013 में उन्होंने मशरूम के बारे में ज्यादा जानने के लिए एमएससी (बायोटेक्नोलॉजी) में दाखिला लिया। साथ ही, उसी वर्ष उन्होंने 20 किलो स्पॉन का इस्तेमाल करके 600 किलो ऑयस्टर मशरूम का उत्पादन किया। यही नहीं, इन्हें स्थानीय बिक्री के साथ पाउडर के रूप में सुखाकर लंबी शेल्फ लाइफ के लिए भी तैयार किया।

सरकारी लोन लेकर बनाई लैब : पोस्ट-ग्रेजुएशन के दौरान डॉ. बसु ने टिश्यू कल्चर और मशरूम फार्मिंग में इंटर्नशिप की। इससे उन्हें एक सफल मशरूम लैब की जरूरतों की गहरी समझ मिली। इसी ज्ञान के आधार पर उन्होंने 2014 में लोन लिया और 100 वर्ग फीट में एक मशरूम स्पॉन प्रयोगशाला स्थापित की। इसके उपकरणों के लिए उन्हें राज्य सरकार से 2 लाख रुपये की सब्सिडी भी मिली। लैब की स्थापना के बाद उन्होंने स्थानीय उत्पादकों को ऑयस्टर मशरूम के स्पॉन की सप्लाई शुरू कर दी। सामाजिक कार्यों में उनके योगदान (खासकर ग्रामीण महिलाओं को मुफ्त स्पॉन और प्रशिक्षण देकर उनके परिवार के आहार में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने के लिए) के लिए उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि भी प्राप्त हुई। उनका यह प्रयास न केवल व्यवसायिक था, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरण और पोषण में सुधार का एक माध्यम भी बना। डॉ. बसु ने अपनी लैब का काम पूरे साल सुनिश्चित करने के लिए बटन और मिल्की मशरूम की किस्मों के स्पॉन भी बनाने शुरू किए। उन्होंने बाजार की बढ़ती मांग को देखते हुए शीटके, किंग ऑयस्टर, लायन्स मेन और रीशी जैसे एग्जॉटिक (विदेशी) मशरूम की किस्मों पर फोकस किया।

इस साल पहली बार निगेटिव हुई बिटकॉइन, एक महीने में अर्श से फर्श पर आई

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी, सबसे पुरानी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत में भारी गिरावट आई है। इसकी कीमत गिरकर 93,000 डॉलर के करीब पहुंच चुकी है। 6 अक्टूबर को इसकी कीमत रेकॉर्ड .126,251 तक पहुंच थी लेकिन उसके बाद से इसमें भारी गिरावट आई है। बिटकॉइन की कीमत में साल की शुरुआत से अब तक 30 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट आई है। इसकी वजह यह है कि ट्रंप प्रशासन के क्रिप्टो–फ्रेंडली रुख को लेकर जो उत्साह दिख रहा था, वह अब काफी हद तक कम हो गया है। रविवार को बिटकॉइन की कीमत 93,124 तक आ गई थी। हालांकि सोमवार को सिंगापुर में सुबह 8:39 बजे तक बिटकॉइन की कीमत थोड़ी सुधरी और 94,869 पर कारोबार कर रहा था।

माइकल वॉन की भविष्यवाणी

2-2 से बराबरी पर खत्म होगी एशेज सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज की शुरुआत 21 नवंबर से पर्थ में होने जा रही है। इस सीरीज में पांच मुकाबले खेले जाने हैं। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन ने भविष्यवाणी की है कि एशेज सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म होगी, जबकि एक मैच ड्रॉ रहेगा। माइकल वॉन का कहना है कि बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लिश टीम पर्थ में सीरीज के पहले मैच में जीत हासिल करेगी, जिसकी वजह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पैट कमिंस और जोश हेजलवुड का इस मैच से बाहर होना है। माइकल वॉन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'अगर बेन

स्टोक्स फिट रहते हैं, तो मुझे लगता है कि यह सीरीज 2-2 से बराबर रहेगी। इंग्लैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में पैट या जोश की गैरमौजूदगी में जीतेगी। अगर सीरीज के पहले टेस्ट से पूर्व कोई खिलाड़ी चोटिल नहीं होता, तो यही मेरी आखिरी भविष्यवाणी है। पैट कमिंस फिलहाल पीठ की चोट से उबर रहे हैं, जबकि तेज गेंदबाज हेजलवुड को शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान विक्टोरिया के खिलाफ न्यू साउथ वेल्स की ओर से खेलते हुए हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई। शनिवार को इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा था कि जोश हेजलवुड के बाहर होने के बाद, एशेज के पहले मैच में मेहमान इंग्लैंड की स्थिति बेहतर है। वॉन ने कहा था, 'ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हेजलवुड और कमिंस पहले टेस्ट से बाहर हैं। यह शुरुआती संकेत हैं कि बड़ी सीरीज जीतने के लिए जरूरी तेज गेंदबाजी इंग्लैंड के पक्ष में जा रही है। पर्थ में उनके लिए एक अंक आगे जाने का बड़ा मौका है। इस वक्त ऑस्ट्रेलियाई टीम में मिचेल स्टार्क एकमात्र पूरी तरह से फिट पहली पसंद के तेज गेंदबाज हैं, जबकि स्कॉट बोलैंड बैकअप खिलाड़ी के रूप में हैं। हेजलवुड के चोटिल होने की वजह से ऑस्ट्रेलिया दोनों ऑलराउंडर्स कैमरन ग्रीन और ब्यू वेबस्टर को तेज गेंदबाज के रूप में मौका देने पर पर विचार कर सकता है। कमिंस, एबॉट और हेजलवुड के चोटिल होने के कारण, अनकैप्ड तेज गेंदबाज ब्रेंडन डोगेट पर्थ में अपना टेस्ट डेब्यू कर सकते हैं, जिन्होंने साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते हुए दो बार पारी में 5 विकेट हासिल किए हैं।

रंजी ट्रॉफी

अर्जुन ने लगाया शतक, प्रेरक मांकड़-समर की शतकीय पारी

दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी के 5वें चरण के मुकाबले में गोवा के खिलाफ सौराष्ट्र ने पहली पारी में 7 विकेट पर 585 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। गोवा को इस स्कोर तक पहुंचाने में टीम के बल्लेबाज प्रेरक मांकड़ और समर गज्जर की शतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा तो वहीं अर्जुन तेंदुलकर ने रनों का शतक लगा दिया।

अर्जुन तेंदुलकर ने लुटाए 145 रन- सौराष्ट्र के खिलाफ गोवा के तेज गेंदबाज अर्जुन तेंदुलकर ज्यादा प्रभावी नहीं रहे और उन्होंने 29 ओवर में 145 रन लुटाए और सिर्फ एक सफलता उन्हें मिली। हालांकि गोवा की तरफ से

दर्शन मिसाल ने भी 46 ओवर में 195 रन दिए, लेकिन उन्होंने 4 सफलता हासिल की। पहली पारी में गोवा के लिए वी कौशिक और मोहित को भी एक-एक सफलता मिली। इस मैच में सौराष्ट्र ने टॉस जीता था और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। टीम के ओपनर हार्विक देसाई ने 45 रन की पारी खेली जबकि चिराग जानी 18 रन के स्कोर पर निपट गए। तीसरे नंबर पर बैटिंग करने आए जय गोहिल ने भी अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 68 रन बनाए जबकि अर्पित ने 81 रन की पारी खेली। सौराष्ट्र के मध्यक्रम के बल्लेबाज प्रेरक ने शानदार पारी खेलते हुए 4 छक्के और 18 चौकों की मदद से 155 रन की शानदार पारी खेली तो वहीं समर ने भी एक छक्का और 14 चौकों के साथ 116 रन बना डाले। इसके अलावा हितविक कोटक 50 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि पार्थ ने 26 रन तो वहीं धर्मेंद्र सिंह जडेजा ने 15 रन बनाए और नाबाद रहे। सौराष्ट्र ने 7 विकेट पर 585 रन बनाकर पारी की घोषणा कर दी।

स्मृति मंधाना की शादी में टीम इंडिया का लगेगा जमावड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। खबर है कि 23 नवंबर को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना शादी करने वाली है. वो अपने बॉयफ्रेंड पलाश मुच्छल के साथ 7 फेरे लेंगी. पलाश के साथ स्मृति पिछले 6 साल में रिलेशनशिप में थीं. लेकिन, अब दोनों अपने रिश्ते को एक नया नाम देने जा रहे हैं. स्मृति मंधाना जहां क्रिकेट फील्ड से जुड़ी हैं. वहीं उनके होने वाली पति पलाश मुच्छल फिल्मी दुनिया के खिलाड़ी हैं. वो फिल्में बनाते हैं. स्मृति और पलाश की शादी में टीम इंडिया के खिलाड़ियों का जमावड़ा लगेगा, इसे लेकर टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बड़ा अपडेट दिया है.

उम्मीद है स्मृति की शादी में मिलेंगे सारे खिलाड़ी- हरमनप्रीत

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अपनी कप्तानी में वर्ल्ड चैंपियन बनने का स्वाद चखाने वाली हरमनप्रीत कौर ने क्रिकेटनेक्स्ट से बातचीत में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हम सब यानी टीम के सारे खिलाड़ी स्मृति की शादी में जाएंगे. भारत को पहली बार महिला वर्ल्ड कप जिताने वाली कप्तान ने ऐसा तब कहा जब उनसे पूछा गया कि क्या अब सारे टीममेट स्मृति की शादी में मिलने वाले हैं?

बतौर हेड कोच राजस्थान रॉयल्स में कुमार संगकारा की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच के रूप में श्रीलंकाई दिग्गज क्रिकेटर कुमार संगकारा की टीम में वापसी हुई है। इसी के साथ संगकारा क्रिकेट निदेशक के रूप में भी अपनी भूमिका जारी रखेंगे। इस बीच फ्रेंचाइजी ने विक्रम राठौर को मुख्य सहायक कोच के पद पर पदोन्नत किया है, जबकि शेन बॉन्ड गेंदबाजी कोच बने रहेंगे। इनके अलावा, ट्रेवर पेनी सहायक कोच और सिड लाहिड़ी प्रदर्शन कोच के रूप में वापसी करेंगे। संगकारा की नियुक्ति को लेकर फ्रेंचाइजी के मुख्य मालिक मनोज बडाले ने कहा, 'जब हमने विचार किया कि इस समय टीम को क्या चाहिए, तो हमें लगा कि टीम के साथ उनकी सहजता, उनका नेतृत्व और रॉयल्स के कल्चर की उनकी गहरी समझ निरंतरता और स्थिरता का सही संतुलन लाएगी। उन्होंने कहा, 'एक लीडर के रूप में हमें कुमार (संगकारा) पर हमेशा पूरा भरोसा रहा है। उनकी स्पष्टता, धैर्य और क्रिकेट की समझ टीम को अगले चरण में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।'

कुमार संगकारा इससे पहले साल 2021 से 2024 के बीच टीम के हेड कोच के रूप में कार्यरत थे। उनके मार्गदर्शन में राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2022 का फाइनल खेलने के बाद आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में जगह बनाई थी। इसके बाद आईपीएल 2025 में राहुल द्रविड़ ने यह पद संभाला, लेकिन एक ही सीजन के बाद ही द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच पद से इस्तीफा दे दिया।

कोलकाता की पिच ने टेस्ट क्रिकेट का विनाश कर दिया

हरभजन सिंह का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में तैयार की गई अत्यधिक गेंदबाज-हितैषी पिच की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह की सतहें 'टेस्ट क्रिकेट को बर्बाद कर रही हैं।' दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत को 124 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 30 रन से हार झेलनी पड़ी और मैच तीन दिनों के भीतर समाप्त हो गया।

'टेस्ट क्रिकेट को भावपूर्ण श्रद्धांजलि' — अपने यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए हरभजन ने कहा, 'उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। टेस्ट क्रिकेट को भावपूर्ण श्रद्धांजलि।' उन्होंने दावा किया कि कई सालों से ऐसी पिचें तैयार की जा रही हैं, लेकिन जब टीम जीत जाती है तो इस मुद्दे पर कोई सवाल नहीं उठाता।

- **'जीत सब कुछ नहीं, खिलाड़ी नहीं हो रहे विकसित'** - हरभजन ने आगे कहा कि लगातार ऐसी पिचों पर खेलने से न बल्लेबाज विकसित हो पाते हैं और न गेंदबाज। 'आप जीत तो रहे हैं, लेकिन कोई असली फायदा नहीं है। खिलाड़ी आगे नहीं बढ़ रहे, बस चक्की में बंधे बैल की तरह घूमते जा रहे हैं।'
- **'कौशल नहीं, पिच के कारण गिर रहे विकेट'** - 2001 में इसी मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 13 विकेट लेने वाले हरभजन ने कहा कि ऐसी पिचें क्रिकेटरों की असली काबिलियत को छुपा देती हैं। उन्होंने कहा, 'यहां बल्लेबाज ऐसे दिखते हैं जैसे उन्हें रन बनाना आता ही नहीं। लोग कौशल के दम पर नहीं, बल्कि पिच के कारण आउट हो रहे हैं। यह टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है।'
- **दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से**- भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैचों की श्रृंखला का दूसरा और अंतिम टेस्ट 22 नवंबर से खेला जाएगा, जहां टीम इंडिया सीरीज बराबर करने की कोशिश करेगी।

एशेज सीरीज के बीच सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को मिला इस मुकाबले में मौका

मेलबर्न, एजेंसी। एशेज सीरीज की शुरुआत 21 नवंबर से होने जा रही है। सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों के बीच दो दिवसीय वार्म अप मैच खेला जाएगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को इंग्लैंड के खिलाफ प्राइम मिनिस्टर इलेवन में शामिल किया गया है। 'क्रिकेटडॉटकॉमडॉटएयू' ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के हवाले से लिखा, 'प्राइम मिनिस्टर इलेवन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में एक गौरवशाली परंपरा है। मुझे इस महीने के अंत में इंग्लैंड इलेवन से भिड़ने वाली टीम की पुष्टि करते हुए बहुत खुशी हो रही है।

यह टीम हमारी घरेलू क्रिकेट प्रणाली में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बारे में बताती है। मैं विशेष रूप से हमारे कुछ उभरते सितारों को यह मौका हासिल करते हुए देखकर उत्साहित हूं।' उन्होंने कहा, 'मैं 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली एशेज सीरीज का भी बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। यह विश्व क्रिकेट की सबसे पुरानी प्रतिद्वंद्विता है। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की भिड़ंत हमेशा कुछ अलग ही मायने रखती है।

फुटबॉल

पुर्तगाल ने अगले विश्व कप में जगह पक्की की, रोनाल्डो खेल सकते हैं छठा विश्व कप

नई दिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल ने 2026 में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने वाले फीफा फुटबॉल विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। पुर्तगाल के विश्व कप में जगह बनाने के साथ ही स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के रिकॉर्ड छठा विश्व कप खेलने की संभावना बढ़ गई है। रोनाल्डो आर्मेनिया के खिलाफ हुए मैच में पुर्तगाल टीम का हिस्सा नहीं थे। अगले जून में शुरू होने वाले विश्व कप तक रोनाल्डो 41 साल के हो जाएंगे। रोनाल्डो ने हाल ही में कहा था कि अगला विश्व कप उनका आखिरी विश्व कप हो सकता है। अगर वह अपनी फिटनेस बरकरार रखते हैं, तो वे पुर्तगाल के लिए खेल सकते हैं। रोनाल्डो और उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी, अगर अगले साल के टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हैं, तो वे अपने छठे विश्व कप में खेलेंगे। गत विजेता अर्जेंटीना ने पहले ही अपनी जगह पक्की कर ली है। मेसी ने 2022 में कतर में अर्जेंटीना को खिताब दिलाकर अपने करियर की लंबी महत्वाकांक्षा पूरी की थी। रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए यूरोपीय चैम्पियनशिप और दो नेशंस लीग खिताब जीते हैं, लेकिन विश्व कप नहीं जीत पाए हैं। वह अपने करियर के अंत के करीब हैं और सऊदी अरब में खेलने के लिए शीर्ष यूरोपीय फुटबॉल को पीछे छोड़ चुके हैं, फिर भी उन्होंने अपने उल्लेखनीय करियर को और निखारना जारी रखा है। रोनाल्डो के लिए निश्चित रूप से ये आखिरी विश्व कप है। मेसी का विश्व कप जीतने का सपना पिछली बार पूरा हो गया था। रोनाल्डो भी आगामी विश्व कप जीतकर अपने स्वर्णिम करियर का यादगार समापन करना चाहेंगे। रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए खेले 226 मैचों में 143 गोल किए हैं। वह सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले फुटबॉलर हैं।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स

भारत को पाकिस्तान ने 8 विकेट से हराया

दोहा, एजेंसी। एसीसी पुरुष एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 में रविवार को दोहा के वेस्ट एंड पार्क अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मैच में भारत को हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान ने भारत को 8 विकेट से हराया। 137 रन के लक्ष्य को पाने उतरी पाकिस्तान को सलामी बल्लेबाजों माज सदाकत और मोहम्मद नईम ने शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 5.3 ओवर में 55 रन जोड़े। नईम 10 गेंद पर 14 रन बनाकर आउट हो गए। सदाकत टीम को जीत दिलाकर ही लौटे। सदाकत ने 47 गेंद पर 4 छक्के और 7 चौके की मदद से नाबाद 79 रन की पारी खेली। सदाकत ने यासिर खान के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 और मोहम्मद फैक (16 रन) के साथ नाबाद 43 रन की साझेदारी की। पाकिस्तान ने 13.2 ओवर में 2 विकेट पर 137 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीता। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की तरफ से वैभव सूर्यवंशी और नमन धीर ही ऐसे बल्लेबाज रहे जिन्होंने पाकिस्तानी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। सूर्यवंशी ने 28 गेंद पर 3 छक्के और 5 चौके लगाते हुए 45 रन बनाए। वहीं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए धीर ने 20 गेंद पर 6 चौके और 1 छक्के की मदद से 35 रन बनाए। इसके अलावा, हर्ष दूबे ने 19, रमनदीप सिंह ने 11 और प्रियांश आर्य ने 10 रन बनाए। अन्य बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सके। भारतीय टीम 19 ओवर में 136 पर ऑल आउट हो गई थी।

पाकिस्तान की तरफ से शाहिद अजीज ने 3, साद मसूद और माज सदाकत ने 2-2, उबैद शाह, अहमद दानियाल और सुफियान मुकीम ने 1-1 विकेट लिए।

कोई भी बाहर बैठे, दक्षिण अफ्रीका जीत का रास्ता ढूंढ लेगा: रबाडा

कोलकाता, एजेंसी। पसलियों में चोट के कारण भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से बाहर रहे दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा अपनी टीम की असफलताओं से उबरने और किसी भी खिलाड़ी के नहीं खेल पाने के बावजूद जीत का रास्ता तलाशने की क्षमता से काफी प्रभावित हैं। मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप विजेता दक्षिण अफ्रीका की टीम ने रविवार को यहां पहले टेस्ट मैच में भारत को तीन दिन के अंदर 30 रन से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका की यह पिछले 15 साल में भारतीय धरती पर पहली जीत थी जिससे उसने दो मैच की श्रृंखला में 1-0 की अजेय बढ़त बना ली। रबाडा ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन बाहर बैठता है, हम तब भी जीतने का एक तरीका ढूंढ लेंगे। (कप्तान) तेम्बा (बावुमा) ने हमारे लिए

दिनेश कार्तिक की चेतावनी

सुंदर को नंबर-3 पर भेजकर कर रही है बड़ी गलती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट में टीम इंडिया ने वॉशिंगटन सुंदर को एक चौंकाने वाला प्रमोशन दिया और उन्हें नंबर-3 पर बल्लेबाजी के लिए भेजा। हालांकि यह प्रयोग उम्मीद के मुताबिक नहीं चला और सुंदर दोनों पारियों को मिलाकर सिर्फ 60 रन ही बना पाए। इतना ही नहीं, गेंदबाजी में भी उनका असर बिल्कुल नहीं दिखा और पूरे मैच में उन्होंने सिर्फ एक ओवर फेंका।

उनकी गेंदबाजी पर असर डालेगा '- पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने इस फैसले को गलत ठहराते हुए साफ कहा कि सुंदर को टॉप ऑर्डर में भेजना उनकी गेंदबाजी क्षमता पर बड़ा असर डाल सकता है।

कार्तिक ने कहा: 'अगर आप सुंदर को नंबर-3 भेज रहे हैं, तो आप उन्हें बता रहे हैं कि अब उन्हें बल्लेबाजी पर ज़्यादा ध्यान देना होगा। जैसे-जैसे वह बैटिंग पर समय देंगे, उनकी गेंदबाजी की प्रैक्टिस घटेगी—और दोनों में टॉप पर रहना शारीरिक रूप से संभव नहीं

सुंदर की नई भूमिका पर उठे सवाल

सुंदर ने साई सुदर्शन की जगह नंबर-3 बल्लेबाज़ की भूमिका निभाई थी। हालांकि यह पोजीशन आमतौर पर टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज़ की होती है। सुंदर ने सीमित ओवर क्रिकेट में अपनी बल्लेबाजी क्षमता दिखाई है, लेकिन टेस्ट में यह भूमिका उनके लिए नई और चुनौतीपूर्ण है। दूसरे टेस्ट (22 नवंबर, गुवाहाटी) में वह इसी स्थान पर खेलेंगे या नहीं

रजनीकांत की जेलर 2 में नजर आएंगी अपेक्षा पोरवाल

अ तेज़ रफ़्तार से ऊपर उठ रहीं अपेक्षा पोरवाल, जो अनदेखी, हनीमून फ़ोटोग्राफ़र और इंटरनेशनल हिट स्ले़व मार्केट में अपने दमदार और अलग–अलग किरदारों से छा चुकी हैं, अब रजनीकांत की बहुचर्चित जेलर 2 में एक अहम रोल झटक ले गई हैं। पहली जेलर, जिसे सन पिक्चर्स ने बनाया और नेल्सन दिलीपकुमार ने डायरेक्ट किया था, ने दुनिया भर में 600 करोड़ से ज़्यादा की कलेक्शन पर तिलक लगाया था। ऐसे में इसकी सीक्वल की गूंज तो पैन–इंडिया फ़िल्म ब्रह्मांड में पहले से ही मचा रही है। और इसी शोर के बीच, यह फ़िल्म अपेक्षा का साउथ में पहला कदम भी बन रही है — यानी उनके करियर की कहानी का एक नया और दिलचस्प पन्ना खुल रहा है। अपनी बारीक और असरदार परफॉर्मेंसेज़ के लिए पहचानी जाने वाली यह युवा एक्ट्रेस अब इंडिया और ग्लोबल, दोनों स्क्रीन पर एक मज़ेदार सफ़र जारी रखे हुए है। पैन–इंडिया फ़िल्म लीग में बड़े–बड़े सितारों के साथ कदम मिलाते हुए, अपेक्षा बिल्कुल सही मोड़ पर जेलर 2 में एंट्री मार रही हैं — और यह एंट्री उनके सफ़र को एक नई सुपरचार्ज्ड स्पीड देने वाली है।

अनुपम खेर ने जिसे कभी कहा था धोखेबाज, वो बन गया उनकी ताकत, एक्टर ने कहा-शुक्रिया

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने हिंदी सिनेमा में 500 से अधिक फिल्मों में काम किया है। उन्होंने हमेशा अपनी सफलता का श्रेय भारतीय फिल्म निर्माता और निर्देशक महेश भट्ट को दिया है, हालांकि 90 के दशक में एक समय ऐसा भी आया जब दोनों के बीच मनभेद की खबरें आईं, लेकिन समय के साथ सब कुछ ठीक हो गया। हाल ही में महेश भट्ट और अनुपम खेर की मुलाकात एयरपोर्ट पर हुई। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर अपनी और महेश भट्ट की फोटो शेयर की, जिसमें दोनों एक साथ बहुत खुश दिख रहे हैं। एक्टर ने फोटो के कैप्शन में लिखा, 'अगर आपको समझ नहीं आ रहा कि आप कहां जा रहे हैं, तो किसी ऐसे व्यक्ति से पूछिए जो पहले वहां गया हो। हमेशा साथ रहने के लिए शुक्रिया भट्ट साब। आप मेरे लिए बहुत बड़ी ताकत रहे हैं। स्क्रीन पर और स्क्रीन के बाहर! आपसे प्यार करता हूं।' महेश भट्ट की फिल्म 'सारांश' से ही अनुपम खेर को हिंदी सिनेमा में पहचान मिली थी, लेकिन इसी फिल्म के समय महेश भट्ट और अनुपम खेर के बीच बड़ा विवाद हो गया था। अनुपम खेर अपने इंटरव्यू में इस बात का जिक्र कई बार कर चुके हैं कि महेश भट्ट उनके लिए पिता समान हैं और हमेशा उनका गुस्सा सिर-माथे पर है। एक बार एक्टर ने बताया था कि जब उन्हें 'सारांश' फिल्म ऑफर हुई थी, तो वे बहुत खुश थे।

फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली थी, तभी मुझे पता चलता है कि मुझे फिल्म से हटाकर संजीव कुमार को कास्ट कर लिया गया है। ये सुनकर मैं आग बबूला हो गया था और मैंने मुंबई शहर को ही छोड़ने का फैसला कर लिया था। अनुपम ने आगे बताया कि गाड़ी में अपना सामान पैक करके वे महेश भट्ट के घर पहुंचे और उन्हें धोखेबाज से लेकर चालबाज तक कह दिया। उन्होंने कहा, 'मेरी आंखों में आंसू थे और मैं कह रहा था कि आपने मेरे साथ गलत किया।' इसके बाद महेश भट्ट ने फिल्म के प्रोड्यूसर को फोन किया और कहा कि अनुपम ही रोल करेगा, संजीव कुमार को मना कर दो। बहुत सारे लोगों को लगता है कि अनुपम खेर की पहली फिल्म 1984 की 'सारांश' थी, लेकिन उनके करियर की पहली फिल्म 1982 में आई 'आगमन' थी।

'पति, पत्नी और पंगा' विनर

'पति, पत्नी और पंगा' की विनर बनी रूबिना-अभिनव की जोड़ी , देबिना-गुरमीत को फिनाले में दी मात

शो 'पति, पत्नी और पंगा' के विनर मिल चुके हैं। टॉप 2 में रुबिना-अभिनव और गुरमीत और देबिना थे जिनके बीच फाइनल टक्कर हुई। कलर्स टीवी का चर्चित रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' अब खत्म हो चुका है। तीन महीने से ज्यादा समय तक दर्शकों को मनोरंजन, भावनाओं और रिश्तों की जटिलताओं से रूबरू कराने के बाद इस शो का विनर अब मिल चुका है। शो की विनर टीवी की लोकप्रिय जोड़ी बनी है।

पति, पत्नी और पंगा के विनर बनी ये जोड़ी

'पति, पत्नी और पंगा' के विनर रुबिना दिलैक और अभिवन शुक्ला बन गए हैं। जी हां, फैंस को लंबे समय से शो के विनर का इंतजार था और अब रुबिना और अभिवन शो के विजेता के तौर पर सामने आ चुके हैं।

टॉप 2 में थे डेबिना-गुरमीत और रुबिना-अभिनव

बता दें शो के फिनाले टास्क में टीवी की दो बड़ी जोड़ियों देबिना-गुरमीत और रुबिना और अभिनव के बीच मुकाबला हुआ। यही शो की टॉप 2 जोड़ियां थीं। इन्हीं में फाइनल टास्क में एक जोड़ी को जीतने के लिए कुल मिलाकर 10 सवालों का सही जवाब देना था। टास्क कुछ ऐसा था जिसमें पति और पत्नी को एक दूसरे से बिना शब्द का इस्तेमाल किए वो गेस अपने पति या पत्नी से गेस करवाना था।

टॉप 4 में पहुंचे थे ये कपल्स

शो के टॉप 4 फाइनलिस्ट इससे पहले सामने आए थे, जिन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन और दर्शकों की पसंद के दम पर जगह बनाई है। ग्रैंड फिनाले में पहुंची चार जोड़ियों ने पूरे सीजन में अपने रिश्तों, केमिस्ट्री और परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीता। इनमे स्वरा भास्कर-फहाद अहमद 34 पॉइंट्स के साथ देबिना बनर्जी - गुरमीत चौधरी 33 पॉइंट्स के साथ, गीता फोगाट - पवन कुमार 31 पॉइंट्स के साथ और रुबीना दिलैक - अभिनव शुक्ला 27 पॉइंट्स के साथ पहुंचे थे।

शो में कौन-कौन था शामिल?

फिनाले एपिसोड को पूरी तरह सेलिब्रेशन मोड में शूट किया गया। होस्ट सोनाली बेंद्रे और मुनव्वर फारूकी के अलावा शो में टीवी की पॉपुलर जोड़ियां- हिना खान-रॉकी, सुदेश लहरी-ममता लहरी और अविका गौर-मिलिंद शामिल थे। इसके अलावा वाइल्ड कार्ड के तौर पर अभिषेक कुमार और ईशा मालवीय थे।

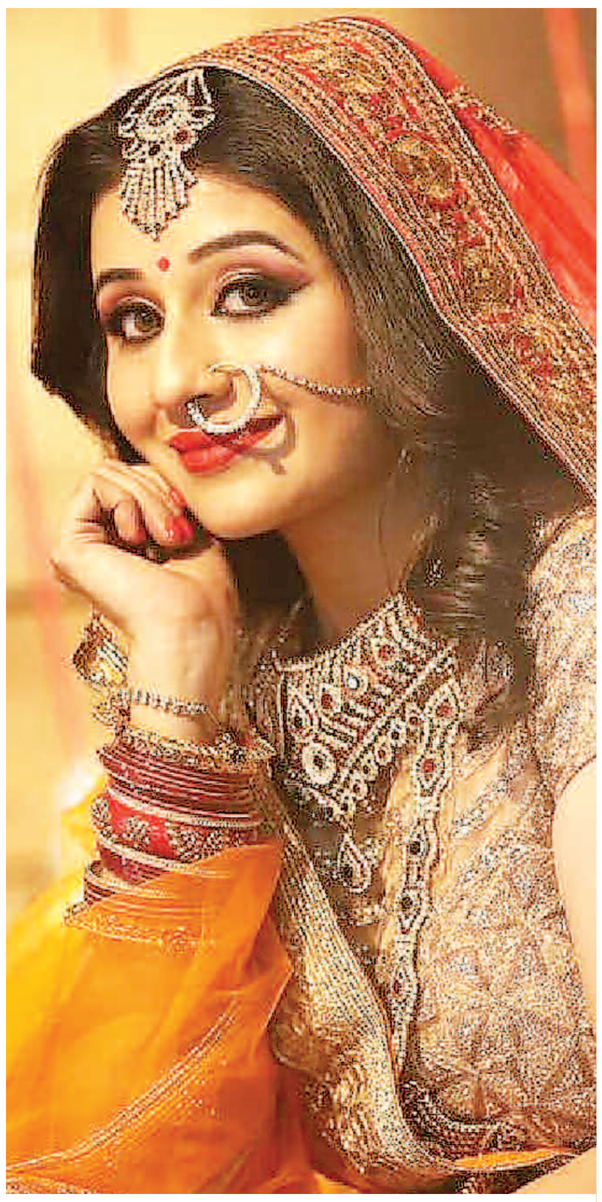

परिधि ने बड़ी मुश्किल बाबा बड़ी मुश्किल गाने पर किया डांस

● फैंस ने कमेंट सेक्शन में भेजे हार्ट इमोजी

लोकप्रिय धारावाहिक जोधा-अकबर से घर-घर में मशहूर होने वाली अभिनेत्री परिधि शर्मा इन दिनों फिल्म 'हक' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में अभिनेत्री 'बड़ी मुश्किल बाबा बड़ी मुश्किल' गाने पर शानदार एक्सप्रेशन के साथ डांस करती दिखीं। वीडियो में परिधि पीले रंग की साड़ी पहनी हुई है। उन्होंने वीडियो शेयर कर लिखा, 'बड़ी मुश्किल बाबा बड़ी मुश्किल' फैंस को उनका ये खास अंदाज काफी पसंद आ रहा है। फैंस कमेंट सेक्शन पर उन्हें 'हार्ट', 'फायर', और 'स्माइली' इमोजी शेयर कर रहे हैं। 'बड़ी मुश्किल बाबा बड़ी मुश्किल' गाना साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म 'लज्जा' का है। इस गाने को अल्का यागनिक ने गाया है। वहीं गाने के बोल समीर के हैं। गाने में माधुरी दीक्षित और मनीषा कोइराला ने डांस किया है, जिसे लोग आज भी पसंद करते हैं। राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित फिल्म में रेखा, माधुरी दीक्षित, मनीषा कोइराला, महिमा चौधरी, अनिल कपूर, अजय देवगन और जैकी श्रॉफ अहम भूमिका में थे। अभिनेत्री परिधि की बात करें तो उन्होंने साल 2010 में 'तेरे मेरे सपने' से शुरुआत की थी, लेकिन घर-घर में पहचान जोधा अकबर में जोधा के किरदार से ही मिली थी। इस धारावाहिक ने उन्हें कई सारे पुरस्कार भी दिलवाए थे। करियर में उन्होंने 'रुक जाना नहीं', 'पटियाला बेब्स', 'ये कहां आ गए हम', 'जग जननी मां वैष्णो देवी', और 'चीकू की मम्मी दूर की' जैसे कई धारावाहिकों में काम किया है। हाल ही में अभिनेत्री ने फिल्म हक से बॉलीवुड में कदम रखा है। फिल्म में यामी गौतम, इमरान हाशमी और वर्तिका मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, इसमें शीबा चड्ढा, दानिश हुसैन और असीम हत्तंगडी अहम भूमिका में हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट रेशु नाथ ने लिखी है।

भोजपुरी एक्ट्रेस नीलम गिरी का धमाकेदार डांस देख फैंस रह गए दंग, एक्सप्रेशन ने लूटा दिल

'बिग बॉस' से बाहर आने के बाद भोजपुरी एक्ट्रेस नीलम गिरी की लोकप्रियता में इजाफा हुआ है। सोशल मीडिया पर वह पहले से कहीं ज्यादा एक्टिव नजर आ रही हैं और फैंस के साथ अपने खास पलों को शेयर कर रही हैं। नीलम ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपने गाने 'देवरा छोहारा लागे' पर डांस करती दिख रही हैं। फैंस इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं और उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। वीडियो में नीलम गिरी को बेहद आत्मविश्वास से भरपूर देखा जा सकता है। वह गाने के हर एक बीट पर पूरे जोश के साथ डांस करती दिख रही हैं। उनके एक्सप्रेशन और डांस स्टेप्स बेहद जबरदस्त हैं। उनका हर मूवमेंट म्यूजिक के साथ पूरी तरह मेल खा रहा है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को फैंस खूब देख रहे हैं और जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। 'देवरा छोहारा लागे' गाने की बात करें, तो इसे शिल्पी राज ने गाया है। वहीं, आशुतोष तिवारी ने गाने के बोल लिखे हैं और म्यूजिक प्रियांशु सिंह का है। निर्देशक और कोरियोग्राफर की जिम्मेदारी रौनक राउत ने निभाई है। नीलम गिरी की जर्नी की बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टिकटॉक से की थी, जहां उनकी वीडियोज को सुपरस्टार पवन सिंह ने नोटिस किया और उन्हें ब्रेक दिया। इसके बाद उन्होंने अपना पहला भोजपुरी गाना 'धनिया हमार नया बाड़ी हो' किया, जो हिट साबित हुआ। इस गाने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 2021 में उन्होंने भोजपुरी फिल्म 'बाबुल' में लीड एक्ट्रेस के तौर पर डेब्यू किया, और इसके बाद 2022 में तीन और फिल्मों 'इज्जत घर', 'टुन टुन' और 'कलाकंद' में काम किया। 'यूपी-61 लव स्टोरी ऑफ गाजीपुर' और 'जस्ट मैरिड' भी उनकी सफल फिल्मों में शामिल हैं।

खंड लगदी पर रानी चटर्जी ने लगाए ठुमके तो एक फैन ने खुलेआम बता दी दिली ख्वाहिश

भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन कही जाने वाली रानी चटर्जी अक्सर अपने फिटनेस वीडियो, फोटोशूट और रील्स के चलते सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती हैं। रविवार को रानी चटर्जी ने 'खंड लगदी' गाने पर ठुमके लगाए तो उन्होंने न केवल भोजपुरी, बल्कि पंजाबी म्यूजिक पसंद करने वाले दर्शकों का भी दिल जीत लिया। लगे हाथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रानी के एक फैन ने अपनी दिली ख्वाहिश जाहिर कर दी। दरअसल रानी चटर्जी ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह हाल ही में रिलीज हुई शहनाज गिल की फिल्म 'इक कुड़ी' के नए पेपी पंजाबी सॉन्ग 'खंड लगदी' पर डांस करते हुए दिख रही हैं। वीडियो पोस्ट होते ही यह इंस्टाग्राम पर ट्रेंड होने लगा है। वीडियो में रानी चटर्जी बेहद खूबसूरत लग रही हैं। अनारकली सूट में कर्ली हेयरस्टाइल वाला उनका लुक पूरे वीडियो को एक रॉयल और फेस्टिव टच दे रहा है। वीडियो में रानी 'खंड लगदी' के बीट पर जोरदार ठुमके लगाती दिख रही हैं। उनके एनर्जेटिक डांस स्टेप्स, चेहरे की प्यारी मुस्कान और कैमरे के साथ उनके परफेक्ट लिप्सिंक से साफ है कि वह इस गाने का पूरा फील ले रही थीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैं खंड तो हां क्यों?'

एक्ट्रेस हिमानी शिवपुरी ने शेयर किया 65 साल की उम्र में फिट रहने का राज

टीवी कॉमेडी शो 'हप्पू की उलटन पलटन' में 'अम्मा जी' का रोल प्ले कर रही हिमानी शिवपुरी जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। 65 वर्षीय अभिनेत्री अब काफी फिट हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए 65 साल की उम्र में भी फिट रहने का मंत्र फैंस के साथ शेयर किया। हिमानी शिवपुरी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे अपने भाई के घर देहरादून आई हैं। वीडियो में एक्ट्रेस नेचर के करीब और खुली हवा में योगा करने के फायदे गिना रही हैं। वीडियो में हिमानी पहले सूर्य नमस्कार करती हैं और बताती हैं कि खुली हवा में घूमने और योगा करने से कितना सुकून मिलता है, जिसके बाद वे स्ट्रेचिंग करती हैं। हिमानी 65 साल में भी सुबह उठकर अपनी सेहत पर ध्यान देती हैं और यही वजह है कि वे आज भी एक्टिव तरीके से अपनी सीरियल की शूटिंग कर पाती हैं। सूर्य नमस्कार करना पूरे शरीर के स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। इससे मन और तन दोनों स्थिर रहते हैं, मांसपेशियां मजबूत होती हैं, रक्त संचार अच्छा होता है और मानसिक तनाव भी कम होता है। ये वजन घटाने, भूख बढ़ाने और शरीर को ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करता है। सूर्य नमस्कार में 12 आसन शामिल होते हैं। अगर रोज उगते सूर्य के साथ सूर्य नमस्कार किया जाए, तो शरीर को अनगिनत फायदे मिलते हैं। इसमें प्रणामासन, हस्त उत्थानासन, पाद हस्तासन, अश्वसंचालनासन, पर्वतासन, अष्टांग नमस्कार, भुजंगासन, पर्वतासन, अश्व संचालनासन, पाद हस्तासन, हस्त उत्थानासन और आखिर में प्रणामासन होता है।

शेफाली शाह ने इस दिग्गज एक्टर को बताया अपना पसंदीदा कलाकार

अभिनेत्री शेफाली शाह ने हाल ही में अपने पसंदीदा कलाकार के बारे में खुलासा किया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि उनकी सफलता देख उन्हें बेहद खुशी होती है।

अभिनेत्री ने देहरादून लिटरेचर फेस्टिवल के सातवें संस्करण में बोला कि जयदीप अहलावत उनके पसंदीदा कलाकार हैं। उन्होंने कहा, 'वह बहुत अच्छे हैं। ओटीटी ने हमारी जिंदगी बदल दी है। हम सभी को प्रतिभाशाली माना जाता था, लेकिन उन बड़ी व्यावसायिक फिल्मों में हमारी क्या जगह होती? इसलिए, जब मैं उनकी प्रगति देखती हूं, तो मुझे बहुत खुशी होती है।'

अभिनेत्री ने जयदीप अहलावत की सफलता का किया जिक्र

अभिनेत्री ने आगे बात करते हुए याद किया कि जब 'पाताल लोक 2' रिलीज हुई, तो उन्होंने अमूल का एक होर्डिंग देखा जिसमें अहलावत दिखाई दे रहे थे, तो उन्हें बहुत गर्व महसूस हुआ था। साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि वो सभी प्रशंसाओं के हकदार हैं। इसके अलावा बताया कि जयदीप अहलावत का उदय सिनेमा उद्योग में एक बदलाव का प्रतीक है। आगे बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने एक किताब लिखी है, हालांकि मुझे यकीन नहीं है कि यह मेरी पहली किताब होगी। मैंने इसे पढ़ा है, मेरे दोस्तों ने इसे पढ़ा और उन्हें यह पसंद आई है।